ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आपातकाल के खिलाफ चलाया जाएगा जनजागरण अभियान... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 20 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-169

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी

ईरान बाज नहीं आया तो हम भी करेंगे हमला

वाशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)।

इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ईरान बाज नहीं आया तो अमेरिका भी इजराइल के साथ युद्ध में शामिल हो सकता है। अमेरिका ने ईरान पर हमले का आखिरी फैसला अभी नहीं लिया है, क्योंकि ट्रंप की नजर इस बात पर है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की जिद छोड़ता है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि उनके पास हर मुश्किल का हल है, लेकिन वह अभी इंतज़ार कर रहे हैं। अमेरिकी चेतावनी के जवाब में ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला खामनेई ने कहा कि इस युद्ध में अमेरिका कूदा तो इसके अंजाम काफी बुरे होंगे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान ने पहले समझौते से इन्कार कर दिया था, लेकिन अब वे व्हाइट हाउस आकर मिलना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर ईरान के पास लड़ने या परमाणु हथियार रखने का विकल्प है, तो उन्हें वही करना होगा जो जरूरी है। ट्रंप ने अपने सैन्य सलाहकारों से यह भी पूछा है कि क्या अमेरिका के 30,000 पाउंड वजनी बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल ईरान की अत्यधिक संरक्षित फोर्डो परमाणु साइट को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है या नहीं?

अमेरिका बीच में आया तो अंजाम बुरा होगा: खामनेई

रूस ने युद्ध विराम में पहल का प्रस्ताव रखा : पुतिन

ईरान और इजराइल के बीच पिछले सात दिन से हमले जारी हैं। इजराइल तेहरान के अलग-अलग हिस्सों में हवाई हमले कर रहा है और उसके परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचाने का दावा कर रहा है। वहीं, ईरान इजराइल पर लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दाग रहा है। ईरान इजराइल के रिहायशी इलाकों पर निशाने साध रहा है। दोनों तरफ से लोगों के मारे जाने और नुकसान की खबरें आ रही हैं। ईरान अधिक नुकसान में है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू चाहते हैं कि ट्रंप अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में शामिल करें और उसके संभावित भूमिगत हथियार बनाने वाले परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दें। इजराइल का दावा है कि उसने फॉर्डो परमाणु साइट सहित कई परमाणु साइटों पर हमले किए हैं और उन्हें नुकसान पहुंचाया है।

इजराइल का मानना है कि फॉर्डो साइट सबसे महत्वपूर्ण है, जहां ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है और जिसे इजरायली सेना नुकसान नहीं पहुंचा पा रही है। नेतन्याहू को उम्मीद है कि अगर ट्रंप अंतिम आदेश देते हैं, तो अमेरिकी वायु सेना बी2 बॉम्बर से बंकर बस्टर बम गिरा सकती है, जिससे इस भूमिगत प्लांट को तबाह किया जा सकता है।

दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि वह ईरान-इजराइल के बढ़ते संघर्ष को लेकर इजराइल और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ▶10पर

आखिरकार माने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

भारत-पाक युद्ध विराम में मेरी कोई भूमिका नहीं

वाशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार यह स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष रोकने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, यह भारत और पाकिस्तान के नेताओं का फैसला था। लेकिन यह परमाणु युद्ध की आशंका से बचने के लिए अच्छा निर्णय था। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष रोकने का फैसला पाकिस्तान और भारत के दो नेताओं ने मिलकर लिया था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने का श्रेय उन्हें मिलना चाहिए।

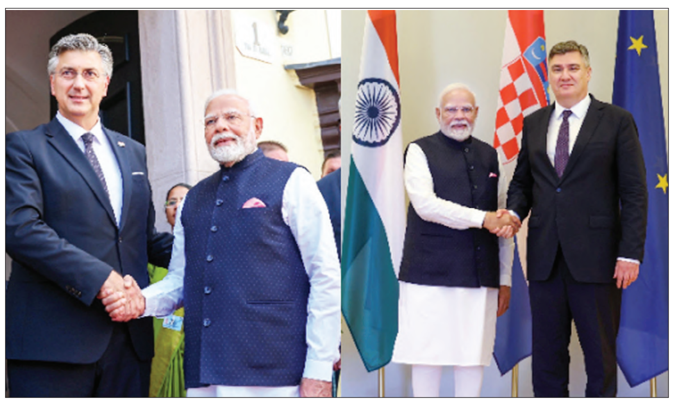

अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर के साथ लंच मीटिंग के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह बात कही। पाकिस्तानी सेना प्रमुख की मौजूदगी में ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दोनों बहुत ही स्मार्ट नेता युद्ध आगे नहीं बढ़ाने का निर्णय लेने में सक्षम रहे। ट्रंप ने यह भी कहा कि दोनों देशों का टकराव परमाणु युद्ध में बदल सकता था क्योंकि दोनों देश परमाणु शक्ति सम्पन्न हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान पहले की तुलना में इसलिए भी अलग है, क्योंकि उन्होंने भारत की तरफ से खंडन किए जाने के बावजूद कई बार यह दावा किया कि उन्होंने खुद हस्तक्षेप कर न केवल भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव घटाया बल्कि शांति स्थापित करने में अहम भूमिका भी निभाई। इससे पहले के बयानों में ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार करेगा, बशर्ते वे संघर्ष को समाप्त करने को राजी हो जाएं।

मंत्रोच्चार के साथ क्रोएशिया में हुआ मोदी का स्वागत

मोदी बेस्ट, मैं भी मोदी जैसा बनना चाहती हूं: मेलोनी

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी को शानदार इंसान बताया और यह भी कहा कि उन्होंने ही युद्ध को रोका, हालांकि उन्होंने अफसोस जताया कि इस पर कोई मीडिया रिपोर्ट नहीं आई। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की ओर से संघर्ष रोकने में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप के अनुसार, दोनों देशों के नेताओं और उनके अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में रखने का समझदारी भरा फैसला लिया।

दूसरी तरफ, कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्रोएशिया पहुंचने पर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुए स्वागत से पीएम मोदी काफी अभिभूत हुए। पीएम मोदी ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हमारी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने में क्रोएशिया का समर्थन और सहयोग काफी महत्वपूर्ण है। हम इस बात का समर्थन करते हैं कि यूरोप हो या एशिया किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि से ▶10पर

भाषा को लेकर हो रहे विवादों के बीच बोले गृह मंत्री

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म महसूस होगी। हमारी भाषा ही हमारी पहचान है। भारत अपनी भाषाई विरासत को दोबारा हासिल करने जा रहा है। विकसित भारत की यात्रा में देसी भाषाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्र की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विरासत को दोबारा प्राप्त करने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया है।

अमित शाह ने कहा, इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है, केवल दृढ़ निश्चयी लोग ही बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं हैं। अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती है। शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण का जिक्र किया। विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करना, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाना, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता, प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य की भावना जगना। उन्होंने कहा कि ये पांच प्रतिज्ञाएं देश के नागरिकों का संकल्प बन गई हैं। 2047 के विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

गृह मंत्री पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की लिखी गई पुस्तक, मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं, के विमोचन में गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति लाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यह मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, इसलिए यहां सहानुभूति की कोई जगह नहीं है। मेरा मानना है कि कोई शासक अगर सहानुभूति के बिना शासन करता है, तो वह अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। ▶10पर

विश्व में डंका बजा रहा भारत का फिनटेक बाजार

अगले तीन साल में 3.5 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगा

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अगले तीन साल में भारत का फिनटेक बाजार 3.5 लाख करोड़ का हो जाएगा। वित्त मंत्री ने फिनटेक बाजार में सालाना 30 फीसदी वृद्धि की उम्मीद जताई है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय फिनटेक इनोवेशन में विश्वस्तरीय क्वालिटी उत्पाद बनाने की क्षमता है। फिनटेक कंपनियां देश के ग्रामीण क्षेत्रों को न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी की तरह लें, बल्कि नए बाजार अवसर के रूप में भी देख सकते हैं। इन कंपनियों को अब मेक इन इंडिया के साथ-साथ मेक फॉर द वर्ल्ड भी बनना चाहिए। निर्मला सीतारमण ने कहा, कोई मॉडर्न देश भी हमारी उपलब्धि के आस-पास नहीं है।

डिजिटल पेमेंट्स अवॉर्ड्स 2025 समारोह के मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, भारत में फिनटेक क्रांति और भी फलेगी-फूलेगी। इस क्षेत्र में काफी बड़ा अवसर अभी भी है। मेरा विश्वास है कि इसके सर्वश्रेष्ठ अध्याय अभी लिखे जाने बाकी हैं। वित्त मंत्री ने देश के नागरिकों को इससे जोड़ने और दुनिया को दिशा देने का आह्वान किया। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए भारत ने पिछले 6 साल में 80 फीसदी वित्तीय ▶10पर

अब कनाडा की खुफिया एजेंसी ने भी स्वीकार किया

कनाडा से भारत में हिंसा फैला रहे खालिस्तानी आतंकी

ओटावा, 19 जून (एजेंसियां)।

कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडा सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सीएसआईएस) ने यह स्वीकार किया है कि खालिस्तानी आतंकी कनाडा में बैठ कर भारत में हिंसा और अराजकता फैला रहे हैं। सीएसआईएस ने अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं पर मुहर लगा दी है और माना है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार लंबे समय से यह बात कह रही है, लेकिन खालिस्तानियों की गोद में खेल रही पूर्व की त्रूदो सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। लेकिन अब कनाडा में मार्क कार्नी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने माना है कि खालिस्तानी कनाडा का इस्तेमाल भारत में हिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं।कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडा सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सीएसआईएस) ने अपनी एक रिपोर्ट में पहली बार आधिकारिक रूप से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी और उनके भारत में हिंसा से जुड़ाव को स्वीकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी भारत में हिंसा का समर्थन करने, हिंसा के लिए फंड इकट्ठा करने और हिंसक गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सीए-सआईएस ने अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं पर अपनी मुहर लगाई है और माना है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी है। यह

भारत के लिहाज से अहम बात है। रिपोर्ट में लिखा है कि 1980 के मध्य में राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ की शुरुआत कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों से हुई, जो हिंसा के जरिए भारत के पंजाब में एक अलग देश खालिस्तान बनाना चाहते हैं। अब कनाडा में थोड़ी संख्या में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा के जरिए अपनी कोशिशों में जुटे हैं।कनाडा की खुफिया एजेंसी का यह खुलासा ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की यात्रा की और वे जी-7 सम्मेलन में ▶10पर

कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को दिया आदेश

पश्चिम बंगाल में दोबारा लागू हो मनरेगा

कोलकाता, 19 जून (एजेंसियां)।

कोलकाता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मनरेगा स्कीम 1 अगस्त 2025 से लागू करने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार ने तीन साल पहले वित्तीय अनियमितता को देखते हुए इसपर रोक लगा दी थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा स्कीम 1 अगस्त 2025 से लागू करने का आदेश दिया है। मार्च 2022 को पश्चिम बंगाल में इस योजना को रोक दिया गया था।

हाईकोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार इसको लेकर कोई शर्त लगा सकती है ताकि पहले हुई अनियमितताएं दोबारा न हों। उस वक्त केंद्र सरकार ने राज्य को दिये जाने वाले आवंटन राशि को रद्द कर दिया था। ये फैसला 63 कार्यस्थलों के निरीक्षण के आधार पर किया था। इस दौरान 31 कार्यस्थलों पर गड़बड़ी पाई गई थी। संसद के बजट सत्र के दौरान 25 मार्च 2025 केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने मनरेगा को लेकर जानकारी के दौरान भी कहा था कि बंगाल में धन का दुरुपयोग हुआ और ऐसे मामले सामने आए जब काम के बंटवारे और ठेकों को लेकर गड़बड़ियां पाई गईं। मंत्री के मुताबिक हमने एक ऑडिट टीम भेजी। उन्होंने

करोड़ों के घोटाले पर रोका गया था फंड

44 ऐसे काम पाए जिनमें अनियमितताएं थीं। उन्होंने 34 मामलों में पूरी वसूली की। अभी भी 10 अन्य काम पूरे किए जाने बाकी हैं। वित्तीय गड़बड़ी 5.37 करोड़ रुपए की थी। इसमें से उन्होंने 2.39 करोड़ रुपए वसूल किए हैं। कुछ चीजों पर अभी भी ध्यान देने की जरूरत है।

साल 2021-22 में मनरेगा के तहत राज्य को 7507.80 करोड़ दिए गए थे। इसके बाद तीन साल तक राज्य को धनराशि नहीं दिए गए। इस पर कोर्ट का कहना है कि मनरेगा योजना को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों, जैसे मालदा, दार्जिलिंग, पूर्वी बर्धमान, हुगली को छोड़कर इस योजना को फिर से क्यों नहीं शुरू किया गया? चीफ जस्टिस टीएस शिवगनम और जस्टिस चैताली चटर्जी की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। खंडपीठ ने कहा ये सभी आरोप 2022 से पहले के हैं, आप जो चाहें करें, लेकिन योजना को लागू करें। हाईकोर्ट ने कहा कि इस धनराशि को समेकित निधि में जमा करना होगा। साथ ही इस धनराशि का पहले जिसने दुरुपयोग किया, उससे कानूनी तरीके से निपटा जाना चाहिए। खंडपीठ ने कहा, मनरेगा योजना को अनिश्चितकाल तक ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता। केंद्र सरकार के पास इसकी अनियमितता की जांच के लिए पर्याप्त साधन हैं। ये जिस उद्देश्य से बनाया गया है उस हित को पूरा करना होगा। इसलिए केंद्र सरकार को अपनी जांच को आगे बढ़ाने के साथ साथ योजना को 1 अगस्त 2025 से लागू किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें धन के वितरण पर अपनी शर्तें रखने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि पहले जो गड़बड़ी हुई है वह न हो।

आंध्र सीमा पर दो महिला समेत 3 नक्सली मारे गए

एक पर डेढ़ करोड़, दोनों महिला पर था 50-40 लाख का इनाम

गोदावरी, 19 जून (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षाबलों ने तीन नक्सलियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इन सभी पर कुल 1.5 करोड़ का इनाम घोषित था। नक्सलियों से 2 एके-47 राइफल और अन्य सामग्री बरामद की गई हैं। मरने वालों में गजरला रवि उर्फ उदल आंध्र-ओड़ीशा सीमा स्पेशल जोनल कमेटी का सचिव भी शामिल है। उसे चार साल पहले यह पद सौंपा गया था।

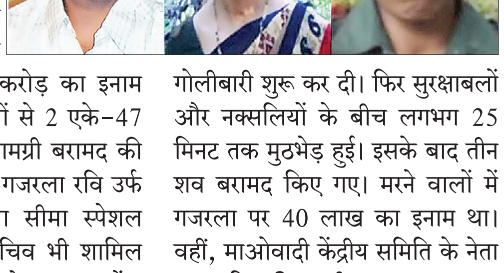

पूर्वी गोदावरी जिले के मारेडुमिली जंगल में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों का समूह देखा। नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। फिर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच लगभग 25 मिनट तक मुठभेड़ हुई। इसके बाद तीन शव बरामद किए गए। मरने वालों में गजरला पर 40 लाख का इनाम था। वहीं, माओवादी केंद्रीय समिति के नेता चलापति की पत्नी अरुणा पर 50 लाख का इनाम था। चलपति की हाल ही में मुठभेड़ में मौत हुई थी। वहीं, एक अन्य महिला नक्सली अंजू की भी मौत हुई है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जेबीएन वी कनेक्ट–जेबीएन द पावर सर्किल द्वारा इंटर चैप्टर रेफरल बैठक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी कनेक्ट (जीतो बेंगलूरु नॉर्थ) एवं जेबीएन द पावर सर्किल (जीतो चेन्नई प्लस) के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष इंटर चैप्टर वर्चुअल रेफरल मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में दोनों चैप्टर्स के कुल 45 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी–अपनी 30–सेकंड व्यवसाय पिच के माध्यम से आपसी नेटवर्किंग और व्यापारिक सहयोग को सशक्त किया। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की

अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, जेएलडब्ल्यू चेन्नई प्लस की मुख्य सचिव प्रियंका बरडिया एवं कार्यक्रम की कन्वीनर स्नेहा जैन ने इस बैठक की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जैनिक शाह (संरक्षक सदस्य जीतो अहमदाबाद) उपस्थित रहे, जिन्होंने वन जेबीएन ऐप पर एक ज्ञानवर्धक और प्रभावशाली प्रस्तुति दी। यह ऐप जेबीएन समुदाय के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो नेटवर्किंग, रेफरल और व्यापारिक विकास को सहज बनाता है। बैठक का संचालन जेबीएन वी. कनेक्ट से रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सी.ए. सुखदेवी जैन तथा जेबीएन द पावर सर्किल से रेफरल हेड भावना मुथा, रेफरल लीड गुणवंती खांटेड और रेफरल सचिव रेणु कोठारी के नेतृत्व में हुआ। इस बैठक के दौरान दोनों चैप्टरों के सदस्यों के बीच प्रभावी व्यावसायिक संबंध बने, नए व्यापारों की जानकारी साझा हुई और एक–दूसरे को रेफरल प्रदान किए गए। इस सहयोगात्मक वातावरण ने न केवल सदस्यों के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि उन्हें व्यापारिक दृष्टिकोण से नई दिशा भी प्रदान की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

संघ आपके द्वार अभियान की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा संघ आपके द्वार अभियान की शुरुआत बुधवार से की गई।

अभियान की शुरुआत में श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी के अध्यक्ष तेजराज मालानी को संघ के अध्यक्ष संघवी प्रकाश भंसाली एवं मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा ने प्रतिक चिन्ह भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

तेजराज मालानी ने संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रकट की।

अभियान के अंतर्गत समस्त सदस्यों के घर घर पहुँच कर उन्हें संघ की गतिविधियों की जानकारी दी जा रही है। संघ कार्यक्रमों में जुड़ने की प्रेरणा भी दी जा रही है। सदस्यों को चारों दादागुरुदेव के चित्रों से युक्त एक सुन्दर प्रतिक चिन्ह भी भेंट किया जा रहा है। उनके सदस्यता पत्र में वर्तमान विवरण भी अपडेट करवाए जा रहे हैं। इस अभियान में श्री अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् के सदस्य भी अपनी निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान कर रहे है।

16वां टीपीएफ स्थापना दिवस मनाया गया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ सभा भवन, हासन में 16वां टीपीएफ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा कोठारी, बबीता, करुणा तातेड़ द्वारा मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री प्रणव कोठारी ने टीपीएफ की स्थापना के बारे में जानकारी दी। बबीता ने टीपीएफ के उद्देश्यों को बहुत ही शानदार तरीके से समझाया। सबसे अधिक लगातार और सबसे अधिक सक्रिय सदस्य का पुरस्कार क्रमशः सुरेश तातेड़ और बबीता को दिया गया। सभी हासन टीपीएफ सदस्य, तेरापंथ सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड़, मलनाड समिति अध्यक्ष महावीर भंसाली, अणुव्रत समिति अध्यक्ष चांदमल सुराणा, स्थानकवासी अध्यक्ष वसंतराज बोहरा, तेरापंथ युवक परिषद मंत्री मनीष तातेड़, महिला मंडल मंत्री पिंकी गुलगुलिया समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। विनीत कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मुमुक्षु मनोज संकलेचा का अभिनन्दन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी के पावन सानिध्य में हनुमंतनगर स्थित मूलचंद नाहर के निवास स्थान पर मुमुक्षु मनोज संकलेचा का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल के मंगलाचरण से हुआ। साध्वी ने फरमाया की ज्ञान का सार विनम्रता ध्यान का सार निर्विचारता, जीवन का सार भलाई और साधना का सार समता है, जो साधना पथ पर बढ़ता है उसके जीवन में ये चार चीजें होनी चाहिए। भगवान महावीर ने कहा है वैराग्य भाव ही संसारता की असारता का बोध कराती है। वैराग्य जब आगे बढ़ता है तो व्यक्ति संयम पथ पर आगे बढ़ने का संकल्प कर लेता है।

साध्वी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि जीस सिंह वृत्ति से संयम पथ स्वीकार कर रहे हैं उसी सिंह वृत्ति से अजीवन संयम पथ पर आगे बढ़ते रहना गुरु– निष्ठा, संघ–निष्ठा निरंतर वर्धमान होती रहे, वैराग्य भाव निरंतर पुष्ट होता रहे, गुरु इंगित की आराधना कर अपनी लक्षित मंजिल को प्राप्त करना। साध्वी वर्धमान यशा जी ने अपने भाव व्यक्त किये। दीक्षार्थी मनोज संकलेचा ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा गुरु के चरणों में रहना सबसे बड़ा सौभाग्य है। मुझे भी उस दिन का इंतजार है जब मुझे पूज्य प्रवर के चरणों में रहने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मुझे इस मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए मेरे काका महाराज दिनेश कुमार का बहुत बड़ा योगदान रहा है। सूरत चातुर्मास मेरे वैराग्य पुष्टि का कारण बना। इस अवसर पर युवा गौरव मूलचंद नाहर, सभा अध्यक्ष गौतम दक, मंजू दक, प्रकाश बाबेल, गौतम मुथा, अशोक नागोरी, संगीता तातेड़, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष कमलेश झाबक ने दीक्षार्थी मनोज संकलेचा के प्रति अपनी–अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त की।

सामूहिक योग सत्र का आयोजन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा और एसएनएन राज लेक व्यू अपार्टमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष सामूहिक योग सत्र का आयोजन शनिवार को प्रातः 6:45 बजे से 7:45 बजे तक एस एन एन राज लेक व्यू अपार्टमेंट के प्रांगण में किया जाएगा। योग सत्र का संचालन प्रसिद्ध योग प्रशिक्षिका पूजा माहेश्वरी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल योगाभ्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समुदाय में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और मानसिक–सांस्कृतिक जागरूकता को भी बढ़ावा देने के लिए है। आयोजकों का मानना है कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए वनबंधु परिषद के अध्यक्ष हाथीमल बैद, सचिव वैभव गुप्ता, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल और सचिव सनी जैन सहित आयोजन समिति के संयोजक स्नेह कुमार जाजू, डॉ. अभिषेक मोदी और सुरेश जालान ने बैठक कर सभी तैयारियों की समीक्षा की।

तुलसी विनयांजलि भव्य भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य तुलसी के 29वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर तेयुप विजयनगर द्वारा भव्य भक्ति संध्या एवं नूतन सातवीं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर एवं आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल के दानदाताओं के सम्मान का कार्यक्रम कासिया भवन के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में सूरत से समागत अभिलाषा बांठिया ने भक्ति भाव से भजनों का मधुर संगान कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। भक्ति संध्या का शुभारंभ नवकार मंत्र के सामूहिक मंत्रोचार से हुआ। विजय स्वर संगम द्वारा मंगलाचरण किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने तेयुप विजयनगर को रिकॉर्ड सातवीं एटीडीसी खोलने पर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस कार्यक्रम में अभातेयुप परिवार, विजयनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर एवं टीम, तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, अमित नाहटा, पंकज कोचर, तेयुप पूर्व अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, प्रायोजक परिवार, विजयनगर, बेंगलूरु समाज की गरिमा मय उपस्थिति रही।

भाजपा–जेडीएस गठबंधन बन रहा असमंजस का केंद्र?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में भाजपा और जेडीएस गठबंधन असमंजस का अड्डा बन गया है। हालांकि कुछ लोग खुलकर कह रहे हैं कि सब कुछ ठीक है और गठबंधन सफल रहा है, लेकिन असमंजस, मतभेद और दूरियां साफ दिखाई दे रही हैं। ऐसे में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गठबंधन को

मजबूत करने के लिए राज्य के नेताओं की बजाय आलाकमान के नेताओं पर ज्यादा भरोसा किया है। इससे लोटस पार्टी को भी परेशानी हुई है।

एचडीके ने भाजपा–जेडीएस गठबंधन में असमंजस को लेकर चुप्पी साधी हुई थी। उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। लेकिन कुछ दिन पहले आयोजित जेडीएस के कार्यक्रम में उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी। यह कहकर कि चुनाव के दौरान केंद्र से सीटें लाना मेरी जिम्मेदारी है, उन्होंने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाकर अप्रत्यक्ष रूप से राज्य भाजपा नेताओं को जवाब दिया था। इससे अब लोटस पार्टी की नींद उड़ गई है। हां, लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जेडीएस गठबंधन के रूप में कर्नाटक राज्य में ज्यादा एमपी सीटें जीतने में सफलता पाई थी। उसी की अगली कड़ी के रूप में कुमारस्वामी ने केंद्र में मंत्री बनकर यह संदेश दिया था कि भाजपा–जेडीएस गठबंधन मजबूत हुआ है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में कई बार यह बात सामने आई है कि जेडीएस पार्टी के राज्य भाजपा नेताओं के साथ रिश्ते उतने अच्छे नहीं हैं। भाजपा ने अलग–अलग लड़कर जेडीएस से दूरी बनाए रखी थी। इस बारे में कमल पार्टी के नेता अलग–अलग बयान दे रहे थे। स्वाभाविक रूप से भाजपा के राज्य नेताओं का यह कदम जेडीएस नेताओं की नाराजगी का कारण बना। इन सब घटनाक्रमों के बावजूद कुमारस्वामी ही अकेले ऐसे थे जो चुप रहे। उन्होंने खुलकर बयान देकर गठबंधन के रिश्ते को खराब करने की कोशिश नहीं की।

लेकिन बेंगलूरु में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में उनके द्वारा कही गई कुछ बातें और राज्य भाजपा नेताओं पर की गई अप्रत्यक्ष टिप्पणियों की खूब चर्चा हो रही है। दो दिन पहले बेंगलूरु में जेडीएस कार्यालय में लोगों के साथ जनता दल का प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद एचडी कुमारस्वामी ने अपने भाषण में कहा कि सीएम ने यह नहीं कहा कि जेडीएस खत्म हो गई है, हमारे साथ आओ, बल्कि यहां एकत्र लोगों ने आज उन्हें जवाब दे दिया है। अगले विधानसभा चुनाव में जेडीएस–बीजेपी गठबंधन की सरकार सत्ता में आएगी। स्थानीय स्तर पर तीन–चार लोगों की बात से परेशान न हों। गठबंधन में कोई भ्रम नहीं है, सीटें जीतना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा था कि वह निर्वाचन क्षेत्र को मजबूत करेंगे, मैं सीटें जीतूंगा। इसके जरिए उन्होंने संदेश दिया था कि सब कुछ केंद्रीय भाजपा तय करेगी। कुमारस्वामी के यह कहने से कि राज्य में गठबंधन समेत सब कुछ केंद्र में तय होगा, ऐसा लगता है कि राज्य के कुछ भाजपा नेताओं को अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी संदेश गया है। कुमारस्वामी की बातों को लेकर भाजपा खेमे में काफी चर्चा हुई और विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कुछ नेताओं ने प्रतिक्रिया भी दी है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने प्रतिक्रिया दी है कि भाजपा और जेडीएस के बीच संबंध दूध और शहद की तरह हैं। यह तय है कि भविष्य में भाजपा–जेडीएस सरकार सत्ता में आएगी। मुझे नहीं पता कि कुमारस्वामी ने किस मायने में किससे बात की। हमारे साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं। अभी–अभी पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा से मुलाकात हुई है, और कुमारस्वामी के साथ लगातार संपर्क में हैं।

केआरएस जलाशय को भरने के लिए मात्र 9 फीट बचा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कावेरी बेसिन में व्यापक मानसूनी बारिश के कारण मांड्या जिले के श्रीरंगपटना तालुक में केआरएस जलाशय में जलस्तर बढ़ गया है और अब केवल 9 फीट पानी ही शेष बचा है। केआरएस जलाशय हर साल अगस्त और सितंबर के महीने में भरता था। जुलाई के महीने में भरने के कुछ उदाहरण सामने आए हैं। लेकिन इस बार इसके जून के महीने में भरने की संभावना है। जलाशय को भरने के लिए केवल 9 फीट पानी ही बचा है। यानी अगर इसी रफ्तार से बारिश जारी रही तो कुछ दिनों में केवल 12 टीएमसी पानी ही भर पाएगा। 1980 के बाद से जून के महीने में जलाशय भरने का कोई उदाहरण नहीं है। अगर यह इस महीने भर जाता है तो यह एक खास रिकॉर्ड होगा। आज बांध में 34,092 क्यूसेक पानी की आवक हुई है और जलाशय का जलस्तर 115.78 फीट तक पहुंच गया है। अब तक 37.947 टीएमसी पानी जमा हो चुका है और केवल 9 फीट पानी भरने के लिए बचा है। पुराने मैसूरु के अन्नदाताओं की जीवनरेखा केआरएस जलाशय अब अपने पूरे भरने के करीब पहुंच गया है, जिससे अन्नदाताओं के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। इसी तरह कावेरी नदी पर बने कंबीना, हरंगी और हेमावती बांधों में भी पानी का प्रवाह बढ़ गया है और एहतियात के तौर पर जलाशय से पानी छोड़ा जा रहा है।

केथागनहल्ली सरकारी भूमि अतिक्रमण मामले में कुमारस्वामी को उच्च न्यायालय से राहत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बिदादी के निकट केथागनहल्ली गांव में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के आरोप के संबंध में राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी पर राज्य उच्च न्यायालय ने अंतरिम स्थगन आदेश जारी किया है, तथा ऐसा लगता है कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को राहत मिल गई है। न्यायमूर्ति इंदिरेश ने एसआईटी के गठन पर अंतरिम स्थगन आदेश जारी किया है। पिछले जनवरी में राज्य सरकार ने अतिक्रमण की जांच के लिए आईएएस

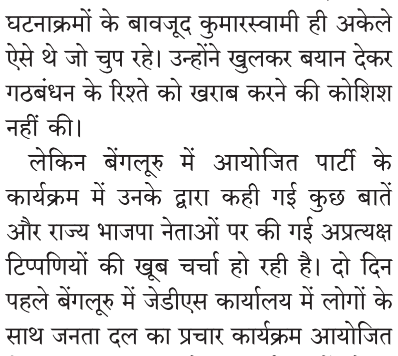

अधिकारी अमलान और आदित्य विश्वास के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था। केथागनहल्ली गांव में 6 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण था, जिसे खाली करने के लिए तहसीलदार ने नोटिस जारी किया था। एच.डी. कुमारस्वामी ने राज्य सरकार द्वारा एसआईटी के गठन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। कुमारस्वामी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता उदयहोल्ला और ए.वी. निशांत ने दलील दी कि बिना अधिसूचना के एसआईटी का गठन अवैध है तथा एसआईटी द्वारा की गई कार्रवाई को अमान्य घोषित किया जाता है।

पुस्तक उमड़ता सागर का लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की मासिक गोष्ठी रविवार को शोभा क्रिसेंथमैम अपार्टमेंट्स के सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ। प्रथम सत्र में वीणा मेदनी की पुस्तक उमड़ता सागर का लोकार्पण हुआ तो द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार सुधा भार्गव कर रही थी तो मुख्य अतिथि द हीलिंग गार्डन की संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर सुचित्रा कॉल मिसरा रहीं। बतौर विशिष्ट अतिथि अद्यांतरा की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. माधुरी सुबोध आमंत्रित थीं। स्वागत

संचालन रतिंदर कौर ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गीता चौबे गूंज की सरस्वती वंदना से हुई। पश्चात वीणा मेदनी की पुस्तक उमड़ना सागर का लोकार्पण हुआ। समीक्षा डॉक्टर रंजीत कुमार ने की तो रचनाकारों ने अपनी जिज्ञासा प्रश्नों के जरिए शांत की।

पुस्तक में प्रणय, दांपत्य, वात्सल्य एवं भक्ति रस का समावेश है। कविताएं बिंबो के द्वारा चित्रित हो रही है जिसमें विधि–विधान को परे धकेलते हुए मन – वीणा के तारों को झंकृत किया गया है। मेदनी के अनुसार प्रणय पाने का नहीं बल्कि देने का नाम है। प्रेम वह तरल है जो विभिन्न पात्रों में उसके अनुरूप ही स्थान ले लेता है। यह ढाई अक्षर प्रेम में भी सिमट जाता है और जब विस्तार ले ले तो महासागर में भी नहीं समाता। तत्पश्चात कविता पाठ शुरू हुआ जिसमें भगवती सक्सेना गौड़, बृजेंद्र मिश्रा, डॉक्टर रंजीत कुमार, डॉ. सुचित्रा कॉल मिसरा, कमल अरोड़ा, मंजू बंसल, गीता चौबे गूंज, रतिंदर कौर, सुशील कुमार, डॉ. माधुरी सुबोध, त्रिशला मिश्रा, सुधा भार्गव, सुधा दीक्षित, प्रोफेसर स्मिता शंकर, मधु जैन, पवन जैन ने भाग लिया। इस विशेष मौके पर जग मोहन मिसरा, ज्ञानचंद मर्मज्ञ, शरद एवं मोनी अनेजा विशेष रूप से उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापित मंजू बंसल ने किया।

कुर्सी बचाने के लिए संविधान पर अत्याचार

आपातकाल के खिलाफ चलाया जाएगा जनजागरण अभियान: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के तात्कालिक राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा 24 जून को शाम 4.30 बजे बेंगलूरु के टाउन हॉल में आपातकाल के खिलाफ जनजागरण अभियान की बैठक का उद्घाटन करेंगे।

यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के एस. गुरुमूर्ति, जो 'इंडियन एक्सप्रेस' के प्रमुख स्तंभकार थे और जिन्होंने तुगलक अखबार के संपादक के रूप में आपातकाल के खिलाफ जनजागरण किया था, मुख्य भाषण देंगे। आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों को सम्मानित किया जाएगा और उनके अनुभवों को दर्ज किया जाएगा। युवा पीढ़ी और मीसा बंदियों के साथ संवाद होगा, आपातकाल के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मीसा बंदी उस जेल का दौरा करेंगे, जहां वे थे। उन्होंने कहा कि वे संवैधानिक मूल्यों के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। भविष्य में आपातकाल न लगाया जाए, यह बताने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कांग्रेस किस तरह तानाशाही, संविधान विरोधी, लोकतंत्र विरोधी है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा और वकीलों के संगठन सिटीजन फॉर सोशल जस्टिस तथा सामाजिक अभिजात वर्ग के संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। सीटी रवि ने घोषणा की कि 22 से 30 जून तक विभिन्न जिलों में जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, शोभा करंदलाजे, वी. सोमन्ना, हरदीप सिंह पुरी, विपक्षी नेता आर अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व सीएम डीवी सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टर, बसवराज बोम्मई, पार्टी प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश पासवान और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता सभी जिलों में जाएंगे। उन्होंने बताया कि वे आपातकाल के खिलाफ जागरूकता पैदा करेंगे। इस 25 जून को देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल हो जाएंगे। इंदिरा गांधी के समय तानाशाही शासन लागू था और संविधान को ही आईसीयू में रखा गया था। लोकतंत्र का कत्लेआम किया गया। उन्होंने बताया कि मानवाधिकारों का लगातार दमन किया जा रहा था और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की आजादी छीन ली गई। गिरफ्तारी पर सवाल उठाना दूर की कौड़ी है। उन्होंने कहा कि अटॉर्नी जनरल ने कहा था कि अगर मार भी दिया जाए तो उस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

उडुपी में फर्जी नीट स्कोरकार्ड घोटाले का संदेह

छात्र का शीर्ष रैंक का दावा धोखाधड़ी के रूप में उजागर हुआ

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी जिले में फर्जी नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) स्कोरकार्ड बनाने और उसे प्रसारित करने से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घोटाला हाल ही में घोषित नीट 2025 के नतीजों के मद्देनजर सामने आया, जिसमें कर्नाटक के कई छात्रों ने शीर्ष 200 में रैंक हासिल की। उनमें से, उडुपी के एक छात्र ने जिले में पहला और राज्य स्तर पर आठवां स्थान हासिल करने का दावा किया, जिसने व्यापक ध्यान आकर्षित किया। हालांकि, छात्र के सहपाठियों को संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने उसके प्रमाण-पत्रों की जांच की। सभी को आश्चर्य हुआ जब पता चला कि स्कोरकार्ड फर्जी है। जबकि छात्र ने 646 अंक प्राप्त करने और अखिल भारतीय रैंक 107 हासिल करने का दावा किया था,

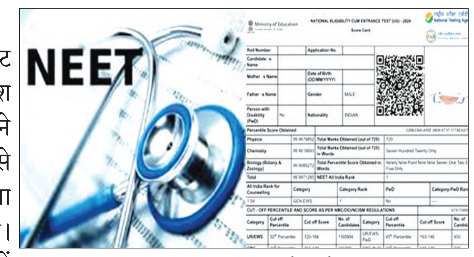

उसका वास्तविक स्कोर केवल 65 था, जबकि उसकी वास्तविक रैंक 17,62,258 थी। आगे की जांच से पता चला कि छात्र और उसके माता-पिता ने कथित तौर पर प्रचार के लिए फर्जी मार्कशीट का इस्तेमाल करने का प्रयास किया, संभवतः छात्र की फर्जी उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए एक कॉलेज के साथ सहयोग किया। मूल और जाली दस्तावेजों के बीच विस्तृत तुलना से कई विसंगतियां उजागर हुईं। इनमें बदली हुई फॉन्ट शैली, परीक्षा का बेमेल वर्ष और आधिकारिक परीक्षा निदेशक के बजाय 'वरिष्ठ निदेशक' के जाली हस्ताक्षर शामिल थे। अतिरिक्त विसंगतियों में शामिल था कि नकली मार्कशीट सामान्य दो के बजाय केवल एक पृष्ठ की थी, एक अलग पासपोर्ट आकार की तस्वीर और गलत कट-ऑफ स्कोर और उम्मीदवारों की संख्या। भारत सरकार के लोगो के साथ भी छेड़छाड़ की गई थी - 'उच्च शिक्षा विभाग' की जगह 'शिक्षा मंत्रालय' लिख दिया गया था। उल्लेखनीय रूप से, 107वीं रैंक, जिसका छात्र ने झूठा दावा किया था, वास्तव में नई दिल्ली की एक लड़की की है। नकली स्कोरकार्ड में रिलीज की तारीख भी नहीं थी, जो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी किए गए सभी आधिकारिक नीट परिणामों पर छपी एक महत्वपूर्ण जानकारी है। छात्र को बधाई देने वाले सोशल मीडिया पोस्ट में एक कोचिंग संस्थान का नाम शामिल था, जिसे भी गलत पाया गया।

नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए शैक्षणिक संस्थान करें संयुक्त प्रयास: दिनेश गुंडूराव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शैक्षणिक संस्थानों से जिले में नशीली दवाओं के खतरे से निपटने में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ हाथ मिलाने का आग्रह किया। जिला प्रभारी मंत्री ने इस मुद्दे से निपटने के उपायों के बारे में पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा हमें जिले में नशीली दवाओं के खतरे को नियंत्रित करने और कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। इस मुद्दे से निपटने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को जिला प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए।

हमें नशीली दवाओं के तस्करों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, साथ ही उपभोक्ताओं को भी पकड़ना चाहिए, जो अक्सर इसके शिकार होते हैं। शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों को छात्रों के व्यवहार में बदलाव और लक्षणों के बारे में अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। समन्वित प्रयासों और सख्त कानून प्रवर्तन की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाएगा, और सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक कार्यक्रम की योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा नशीली दवाओं के खतरे से निपटना एक बार का अभियान नहीं बल्कि एक स्थायी व्यवस्था होनी चाहिए। जिले में शांति बैठक के बारे में दिनेश गुंडू राव ने कहा मैं गृह मंत्री से मिलूंगा और शांति बैठक की तारीख तय करूंगा।

उडुपी पुलिस ने स्कूली वाहनों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया

सुरक्षा उपायों पर जोर दिया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय कदम उठाते हुए, उडुपी जिला पुलिस ने गुरुवार की सुबह जिले के सभी सात तालुकों में स्कूलों के सामने एक विशेष वाहन निरीक्षण अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरिराम शंकर द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, पुलिस स्टेशन प्रमुखों को स्कूल परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। संबंधित पुलिस स्टेशन क्षेत्राधिकार के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रमुख जंक्शनों और स्कूल परिसरों के पास निरीक्षण किया।

अभियान ने ऑटो-रिक्शा, निजी वाहन, स्कूल बस और छात्रों को ले जाने वाले दोपहिया वाहनों को लक्षित किया। सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई - विशेष रूप से उन वाहनों के खिलाफ जो अनुमति से अधिक छात्रों को ले जाते पाए गए। दो से अधिक बच्चों को ले जाने वाले दोपहिया सवारों को चेतावनी जारी की गई। एसपी हरिराम शंकर ने कहा कि जिले भर में अभियान यातायात और सुरक्षा नियमों के अनुपालन की पुष्टि करने पर केंद्रित था। इसमें ओवरलोडिंग, वैध फिटनेस प्रमाणपत्र और नशे में गाड़ी चलाने के किसी भी मामले की जाँच शामिल थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अभियान का प्राथमिक उद्देश्य बच्चों के स्कूल आने-जाने के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करना है। हाल के दिनों में स्कूली वाहनों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं, जैसे दुर्घटनाएं और गलत दिशा में वाहन चलाना। बुधवार की सुबह ब्रह्मवर में स्कूली बच्चों को ले जा रही एक बस की ट्रक से टक्कर हो गई, जिससे छात्रों को मामूली चोटें आईं। एक अन्य घटना में, एक स्कूली बस सड़क के गलत दिशा में वाहन चलाते हुए पकड़ी गई। सतर्क नागरिकों द्वारा इस मामले की सूचना तुरंत पुलिस विभाग को दी गई।

युद्ध विराम पर प्रधानमंत्री के रुख को लेकर कई संदेह: दिनेश गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध विराम घोषित करने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख को लेकर कई संदेह हैं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को संसद का विशेष सत्र बुलाकर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

उन्हें देश की जनता को यह भी बताना चाहिए कि युद्ध विराम के मुद्दे पर अमेरिका की क्या भूमिका थी।

क्या मोदी में यह साहस है? कहा जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान कथित तौर पर मोदी ने ट्रंप से कहा कि भारत किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। यह बात विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कही। लेकिन विक्रम मिस्त्री के बयान पर किस आधार पर विश्वास किया जाए? क्योंकि मिस्त्री के इस बयान के ठीक बाद ट्रंप ने दोहराया कि युद्ध विराम मेरी मध्यस्थता से तय हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम ने आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड और पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के लिए भोज का आयोजन किया था।

जाति जनगणना में तेजी लाने के लिए सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों का करें उपयोग: दिनेश गुलीगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद सदस्य दिनेश गुलीगौड़ा ने कहा है कि जाति जनगणना में तेजी लाने और उसे सही करने के लिए सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों का उपयोग किया जाना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे और सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखा है। उन्होंने कर्नाटक के लोगों की सामाजिक-शैक्षणिक स्थिति का फिर से सर्वेक्षण करने के राज्य सरकार के कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में आयोजित की जाने वाली सामाजिक-शैक्षणिक जनगणना की सटीकता और त्वरित प्रक्रिया के लिए राज्य की 5950 ग्राम पंचायतों के 92,000 सदस्यों का उपयोग लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए किया जाना चाहिए और सर्वेक्षण में ग्राम पंचायत बिल संग्रहकर्ताओं, डेटा एंट्री ऑपरेटरों, सचिवों और पीडीओ को शामिल करके ही सर्वेक्षण को जल्दी पूरा किया जा सकता है। इस सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य राज्य में जाति

समुदायों की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति जानना है। इससे आरक्षण नीतियों में वैज्ञानिक संशोधन करने तथा कल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे संविधान की मंशा के अनुरूप सामाजिक न्याय और समान अवसर प्रदान करने में सुविधा होगी। अब इस सर्वेक्षण को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए राज्य की 5950 ग्राम पंचायतों के 92,000 सदस्यों को सर्वेक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा सहयोग प्रदान करने के लिए उपयोग में लाना उचित है। उनके स्थानीय परिचय और प्रभाव से लोगों में सर्वेक्षण के प्रति विश्वास बढ़ेगा। अपने कर्तव्यों के तहत ये कर्मचारी अपने क्षेत्र में लगभग 200 से 500 परिवारों के घर-घर जाकर जानकारी एकत्र कर सकते हैं। साथ ही, यदि संबंधित वार्ड सदस्यों को भी उनके साथ भेजा जाए, तो सर्वेक्षण में अधिक पारदर्शिता और सटीक-उद्देश्यपूर्ण डेटा प्राप्त हो सकेगा। सर्वेक्षण कैसे किया जाए, क्या जानकारी एकत्र की जाए और कैसे किया जाए आदि की जानकारी इन ग्राम पंचायत कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण के माध्यम से स्पष्ट की जानी चाहिए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक और पर्याप्त रूप से लागू करने की जिम्मेदारी संबंधित जिलों के जिला कलेक्टरों और सीईओ को सौंपी जानी चाहिए।

ठग लाइफ की रिलीज में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें: सुप्रीम कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार से कहा कि वह राज्य में कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करे। जस्टिस उज्जल भुयान और मनमोहन की बेंच ने राज्य सरकार के इस आश्वासन को दर्ज किया कि अगर राज्य में फिल्म दिखाई गई तो वह सिनेमाघरों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया

कराएगी। बेंच ने कहा कि वह ऐसी स्थिति नहीं चाहती जिसमें किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे और फिल्म की रिलीज रोक दी जाए, या कोई स्टैंडअप शो रद्द कर दिया जाए या किसी कलाकार को कविता पाठ करने से रोक दिया जाए। परिणामस्वरूप, बेंच ने राज्य सरकार से कहा कि वह फिल्म की रिलीज के लिए खतरा बनने वाले किसी भी विभाजनकारी तत्व को नियंत्रित करे।

राज्य सरकार के आश्वासन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका को बंद कर दिया, यह देखते हुए कि कोई दिशा-निर्देश या निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है। 17 जून को, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को कड़ी फटकार लगाई, क्योंकि अभिनेता की फिल्म 'ठग लाइफ' को राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं किया गया था, और कहा कि भीड़ और निगरानी करने वालों को सड़कों पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट एम. महेश रेड्डी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने कर्नाटक में फिल्म की स्क्रीनिंग न किए जाने को चुनौती दी थी।

इस बार मैसूरु दशहरा उत्सव 10 दिन का नहीं बल्कि 11 दिन का होगा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव आमतौर पर हर साल 10 दिनों तक मनाया जाता है। हालांकि, इस बार 11 दिवसीय दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। दशहरा का मतलब है दश प्लस हरा का दस दिवसीय उत्सव। हालांकि, इस बार दशहरा 10 दिन नहीं, बल्कि 11 दिन का होगा। इस साल दशहरा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। चूंकि 26 सितंबर और 27 सितंबर दोनों ही दिन पंचमी तिथि है, इसलिए इस बार दशहरा 11 दिनों तक मनाया जाएगा। यह इतिहास का अभूतपूर्व दशहरा महोत्सव है और 400 से अधिक वर्षों के इतिहास में यह पहली बार है कि दशहरा इस तरह 11 दिनों तक मनाया जा रहा है। इस संदर्भ में, इस बार दशहरा के दिनों ने विद्वानों में भ्रम पैदा कर दिया है। 1399 में विजयनगर साम्राज्य और 1410 में मैसूरु राज्य के शासन के समय से ही दशहरा महोत्सव मनाया जाता रहा है और अब तक 11 दिनों तक दशहरा महोत्सव मनाए जाने का कोई उदाहरण नहीं है। नवरात्रि के अगले दिन विजयादशमी मनाने की परंपरा है। विजयादशमी पर राजमहल में पूजा-अर्चना के बाद सरकार जम्बू सवारी जुलूस निकालती है। 11 दिनों तक चलने वाले दशहरा उत्सव ने आश्चर्य और जिज्ञासा के साथ-साथ बहस भी पैदा कर दी है। अब देखना यह है कि राज्य सरकार और यदुवंश दशहरा कैसे मनाएंगे।

वंदे भारत से सफर कर गदगद हुए उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 19 जून (एजेंसियां)। वंदे भारत से सफर कर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला काफी गदगद हुए और इसकी तारीफों के पुल बांधे। इससे पहले उनके पिता पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और सीएम उमर के दोनों बेटे भी कटरा-श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत का आनंद उठा चुके हैं।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने आज कटरा से श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में सफर किया। सीएम उमर ने इसकी तस्वीरें खुद सोशल मीडिया पर शेयर कीं। तस्वीरों में वे काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा, जम्मू चलने का समय हो गया है, वंदे भारत।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पर्यटकों की संख्या में आई कमी को देखते हुए, उमर अब्दुल्ला लगातार पर्यटकों को लुभाने का प्रयास कर रहे हैं। कश्मीर तक वंदे भारत के आगमन से और अमरनाथ यात्रा के चलते पर्यटन भी पटरी पर लौटने लगा है। जिससे स्थानीय लोगों में भी खुशी का माहौल है। पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और अमरनाथ यात्रा को देखते हुए प्रदेश सरकार ने बैसरन हमले के बाद बंद किए गए 50 पर्यटन स्थलों में से 16 को फिर खोल दिया है।

पिछले दिनों नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला ने भी वंदे भारत से सफर किया और कटरा पहुंचे थे।

जम्मू संभाग के कटरा से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी। ट्रेन से श्रीनगर से कटरा तक का सफर मात्र तीन घंटे का है।

इस रेल ट्रैक पर 36 सुरंगें और सैकड़ों पुल हैं, जिनमें चेनाब रेलवे पुल भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है और पेरिस के एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है। जबकि इस रेल लिंक पर अंजी केबल-स्टेड ब्रिज देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है। इन दोनों पुलों को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है। यह रेल लाइन कश्मीर क्षेत्र के लिए वरदान की तरह है। दरअसल, जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे अक्सर भूस्खलन, मिट्टी धंसने, पत्थर गिरने और दुर्घटनाओं के कारण अवरुद्ध हो जाता है।

6 जून को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसकी तारीफ करते हुए कहा था कि इस रेल का ख्वाब बहुत लोगों ने देखे, अंग्रेजों ने भी ये ख्वाब देखे। उनका ख्वाब था कि झेलम के किनारे उड़ी में बाकी मुल्कों से कश्मीर को रेल से जोड़ें. जो अंग्रेज पूरा नहीं कर पाए, वो आपके (पीएम मोदी) हाथों हुआ।

पुणे में मोरगांव रोड पर भीषण हादसा आठ लोगों की मौके पर मौत, कई घायल

पुणे, 19 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जेजुरी मोरगांव रोड पर एक कार और पिकअप ट्रक के बीच बुधवार रात जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला समेत आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। यह हादसा किर्लोस्कर कंपनी के सामने शाम करीब 7:15 बजे हुई। जेजुरी से इंदापुर जा रही एक कार ने पास में खड़े एक पिकअप टेंपो को टक्कर मार दी। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार, श्रीराम होटल के बाहर जब पिकअप टेंपो से सामान उतारा जा रहा था, तभी पीछे से कार ने जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ितों में टेंपो से सामान उतार रहे कर्मचारी, होटल मालिक और कार में सवार यात्री शामिल हैं। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पुणे से मोरगांव जा रही स्विफ्ट डिजायर कार (नंबर एमएच 42 एएक्स 1060) जेजुरी से मोरगांव जा रही थी। इस दौरान कार ने श्रीराम ढाबा के सामने एक पिकअप टेम्पो (नंबर एमएच 12 एक्स एम 3694) को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने पहुंचकर शवों और घायलों को अस्पताल भेजा। बाद में क्रेन बुलाकर, कार और पिकअप को रास्ते से हटाया गया। जिले में पिछले कुछ समय में यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले 15 जून को मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटने से चार लोगों की मौत की खबर सामने आई थी और 18 लोग घायल हो गए थे।

मोदी ने पुणे सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया, अनुग्रह राशि की घोषणा की

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के पुणे में जेजुरी-मोरगांव मार्ग पर बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है और प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने गुरूवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, महाराष्ट्र के पुणे में जेजुरी-मोरगांव मार्ग पर सड़क हादसे में लोगों की मृत्यु से बेहद दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50- 50 हजार रुपये की राशि दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम हुई इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गयी थी और कुछ अन्य घायल हो गये थे।

कश्मीर के डोडा जिले में ऊंचाई वाले इलाकों पर सेना ने गश्त की

जम्मू-कश्मीर, 19 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में पर्यटन स्थलों को सरकार द्वारा फिर से खोले जाने के बाद सेना के जवानों ने बृहस्पतिवार को डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में जंगलों और पर्वतीय इलाकों में गश्त सहित विभिन्न सुरक्षा उपाय लागू किए।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए ये कदम उठाए गए और खासकर तीन जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा की ओर ध्यान केंद्रित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि भद्रवाह के विभिन्न ऊपरी इलाकों में हवाई निगरानी के लिए ड्रोन और रॉकेट लॉन्चर के साथ राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने सुरक्षा अभियान चलाते हुए गश्त की।

उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच सुरक्षा के तहत विश्वास बहाली के अलावा आतंकवादियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के मकसद से यह अभियान चलाया गया।

'मिनी कश्मीर' के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले भद्रवाह में कई पर्यटन स्थल हैं जो साल भर सैकड़ों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उन्होंने बताया कि शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हिमालयी क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

लखनऊ समेत 6 जिलों में ड्रोन से शुरू हुई फसलों की देखरेख

नैनो यूरिया और पेस्टिसाइड का हो रहा छिड़काव

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कृषि को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसान ड्रोन तकनीक से फसल की देखरेख और सुरक्षा कर रहे हैं। राजधानी लखनऊ समेत छह जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत ड्रोन से नैनो यूरिया और कीटनाशकों का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। इस पहल से एक घंटे में तीन से बारह एकड़ तक के क्षेत्रफल में फसलों पर प्रभावी ढंग से छिड़काव किया जा रहा है।

इससे न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों को कम समय में अधिक लाभ मिलेगा। योगी सरकार आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी योजनाओं के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने के प्रयास कर रही है।

फिलहाल प्रदेश में कुल नौ ड्रोन प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं। इनमें गोरखपुर, बहराइच और मुजफ्फरनगर में दो-दो, जबकि लखनऊ, गाजियाबाद और कानपुर नगर में एक-एक प्रोजेक्ट की शुरुआत हो चुकी है। ड्रोन के माध्यम से किसानों को टेक्निकल ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिससे वे आधुनिक कृषि पद्धतियों को सहजता से अपना सकें। योगी सरकार की योजना है कि इस प्रणाली को जल्द ही अन्य जिलों में भी लागू किया जाए, जिससे पूरे प्रदेश में कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सके। ड्रोन से खेती की निगरानी और दवा छिड़काव किया जा रहा है। फसलों की समय रहते निगरानी और नैनो यूरिया व कीटनाशकों का सटीक छिड़काव संभव हो पा रहा है। एक घंटे में 12 एकड़ तक एरिया कवर किया जा रहा है। आधुनिक ड्रोन तकनीक से कम समय में बड़े क्षेत्रफल पर प्रभावी छिड़काव संभव हो पाया है।

इसके साथ ही किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। ड्रोन चलाने के साथ ही आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी किसानों को दी जा रही है। अभी छह जिलों में शुरू इस परियोजना के जल्द ही अन्य जिलों में भी विस्तार की तैयारी है। स्मार्ट एग्रीकल्चर की ओर यूपी सरकार का यह मजबूत कदम है। ड्रोन तकनीक के इस नवाचार से उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित यह पहल आने वाले समय में किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

यूपी में आपदा प्रबंधन को पुख्ता करने की तैयारी

प्रत्येक जिले में होगा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार आपदा से निपटने की रणनीति को और प्रभावी बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। सरकार ने हाल ही में 16वीं वित्त आयोग के सामने आपदा प्रबंधन को और मजबूत करने के लिए कई अहम प्रस्ताव रखे हैं। राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीएमएफ) के नियमों में भी कई बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं, ताकि आपदा प्रभावित लोगों को तुरंत और बेहतर सहायता प्रदान की जा सके।

सरकार की ओर से रखे गए प्रस्तावों में राज्य द्वारा अधिसूचित आपदाओं, जैसे गर्मी की लहर (लू), वज्रपात, असमय बारिश, तूफान, सांप के काटने और डूबने जैसी घटनाओं को राष्ट्रीय आपदा सूची में शामिल करने की बात कही है। योगी सरकार का मानना है कि ये आपदाएं राज्य में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, वर्ष 2024-25 में राज्य अधिसूचित आपदाओं से 4,534 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि राष्ट्रीय आपद-ाओं से केवल 176 लोगों की जान गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिशा में सक्रियता दिखाते हुए केंद्र सरकार से इन आपदाओं को गंभीरता से लेने की अपील की है।

इसके अलावा, सरकार ने राज्य अधिसूचित आपदाओं के लिए खर्च की सीमा को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की मांग की है। यह बदलाव इसलिए जरूरी है क्योंकि राज्य की आ-पदाएं अधिक लोगों को प्रभावित करती हैं और इनके लिए पर्याप्त संसाधनों की जरूरत होती है। योगी सरकार ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि कोष के विभिन्न मदों के बीच बजट को आपस में बदला जा सके। इससे अगर किसी एक मद में खर्च न हो, तो उसका उपयोग दूसरी जरूरतों के लिए किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री योगी के इस प्रयास से आपदा प्रबंधन में लचीलापन आएगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

योगी सरकार ने एक और महत्वपूर्ण मांग रखी है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत प्रत्येक जिले में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के लिए भवन निर्माण की अनुमति दी जाए। वर्तमान में एसडीआरएफ और एसडीएमएफ के नियम इसकी अनुमति नहीं देते। इसके साथ ही, सरकार ने 1 प्रतिशत प्रशासनिक खर्च की अनुमति देने की भी मांग की है, ताकि आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जा सके। इन मांगों के पीछे योगी आदित्यनाथ की वह सोच है, जो आपदा प्रबंधन को और अधिक कुशल और जन-केंद्रित बनाने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कई सराहनीय कदम उठाए हैं। उनकी सक्रियता और दूरदर्शिता से राज्य में आपदा से निपटने की तैयारियां पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई हैं। इन नई मांगों के लागू होने से उत्तर प्रदेश न केवल आपदा प्रबंधन में अग्रणी बन सकता है, बल्कि लाखों लोगों की जान और माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

सूरीनाम में भारत के राजदूत ने कहा

वैश्विक मंच पर छा रहे यूपी के युवा

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसी क्रम में सूरीनाम में भारत के राजदूत सुभाष पी गुप्ता ने लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को तकनीकी, भाषाई और सॉफ्ट स्किल्स के क्षेत्र में दी जा रही प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना की और इसे अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुकूल बताया।

राजदूत सुभाष पी गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा आज पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। खासकर सूरीनाम के तेल और गैस क्षेत्र में भारतीय युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्चुअल कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षकों और प्रशिक्षार्थियों के बीच की दूरी को पाटते हुए प्रशिक्षण को और अधिक सुलभ, लचीला और व्यापक बनाया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि योगी सरकार की नीति स्पष्ट है। प्रदेश के युवाओं को न केवल स्थानीय बल्कि वैश्विक बाज़ार की मांग के अनुसार दक्ष बनाना। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद, व्यवहार, भाषा, और बायोडाटा निर्माण जैसी सॉफ्ट स्किल्स पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह ने कहा कि मिशन द्वारा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को उद्योग की बदलती मांग के अनुसार लगातार अपडेट किया जा रहा है। इससे युवाओं को सिर्फ प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि सीधे रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार ने एक प्रस्तुति के माध्यम से मिशन की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योगी सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को ग्लोबल स्किल कैपिटल के रूप में स्थापित करना है और इसी दिशा में यूपीएसडीएम निरंतर प्रयासरत है। बैठक में मिशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उप-स्थित रहे। राजदूत गुप्ता ने मिशन के कार्यों की सराहना करते हुए इसे डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन का जमीनी उदाहरण बताया।

मुआवजे के लिए बढ़ रहे गैंगरेप और एससी-एसटी एक्ट के झूठे केस

रेप का झूठा केस करने वाली महिला को 7.5 साल की कैद

झूठा मुकदमा करने पर 2 लाख जुर्माना

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। लखनऊ की अदालत ने रेखा देवी नाम की एक महिला द्वारा दर्ज किए गए गैंगरेप और एससी-एसटी एक्ट के झूठे मामले में महिला को साढ़े सात की जेल और दो लाख का जुर्माना लगाया है। अदालती कार्यवाही के दरम्यान यह साबित हुआ कि विरोधियों को फंसाने के लिए रेखा देवी ने राजेश और भूपेंद्र नाम के दो लोगों के खिलाफ गैंगरेप का झूठा मुकदमा दर्ज करवाया था।

गैंगरेप का झूठा केस दर्ज करवाने वाली उक्त महिला को लखनऊ की अदालत ने 7.5 वर्ष की सजा सुनाई है और 2 लाख का जुर्माना ठोका है। अदालत ने यह भी कहा है कि रेप के मामले में मिलने वाला मुआवजा अब रिपोर्ट दर्ज होने पर नहीं बल्कि चार्जशीट दाखिल होने पर मिलेगा। झूठे मुकदमे में लोगों को फंसाने को लेकर यह एक बड़ा निर्णय माना जा रहा है। पुलिस की जांच में महिला के आरोप गलत साबित हुए। कोर्ट ने इस सुनवाई में यह भी कहा कि ऐसे मामलों में मिलने वाले मुआवजे के पैसे के चलते झूठे मुकदमे बढ़ रहे हैं। कोर्ट ने लखनऊ के डीएम को आदेश दिया है कि ऐसे मामलों में भुक्तभोगी को मुआवजा तभी मिले जब पुलिस अपनी जांच पूरी करके चार्जशीट दाखिल कर दे। कोर्ट यह भी आदेश दिया है कि महिला पर लगाए गए जुर्माने का आधा हिस्सा उन लोगों को दिया जाए, जिन्हें झूठे केस में फंसाया गया था। सुनवाई के दौरान मामले में फंसे भूपेंद्र की मौत हो चुकी, इसलिए मुआवजे की राशि उनके परिवार को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बाराबंकी की रेखा देवी ने 29 जून 2021 को पुलिस में राजेश और भूपेंद्र के खिलाफ गैंगरेप करने और दलित सूचक गालियां देने एवं अपमानित करने का का आरोप लगाया था। घटना लखनऊ के बख्शी का तालाब थाना इलाके की बताई गई थी, इसलिए मामले की जांच उसी थाने में भेज दी गई थी। रेखा देवी दलित हैं इसलिए खुद सर्किल अफसर (पुलिस उपाधीक्षक) ने मामले की जांच की। जांच के दौरान सीओ को पता चला कि रेखा देवी ने झूठा केस दर्ज कराया था ताकि उन दोनों को फंसाया जा सके। जांच के बाद पुलिस ने राजेश और भूपेंद्र को बेकसूर बताया और रेखा देवी के खिलाफ झूठी शिकायत करने के लिए कार्रवाई करने की मांग की। कोर्ट ने इस फैसले से साफ कर दिया है कि अब कानून का गलत इस्तेमाल करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण का आधिकारिक बयान

आठ साल में यूपी में मारे गए 234 खूंखार अपराधी

मुठभेड़ों में घायल हुई 9202 अपराधी

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सख्त कानून व्यवस्था का दावा करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने कहा कि आठ साल के दरम्यान अपराधियों पर बरती गई कठोरता के कारण उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही हैं। डीजीपी ने कहा, पिछले 8 साल में यूपी पुलिस के साथ हुई विभिन्न मुठभेड़ों में 234 दुर्दांत अपराधी मारे गए जबकि 9,202 अपराधी घायल हुए। डीजीपी ने कहा कि अपराध को लेकर योगी सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पिछले आठ वर्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई।

डीजीपी ने बताया कि योगी सरकार के आठ वर्षों में यूपी पुलिस के साथ मुठभेड़ की 14,741 घटनाएं हुईं, जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। अपराधियों से मुकाबला करते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हुए और 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में हुई जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। इनमें 7,871 अपराधी पकड़े गए जबकि 2,839 अपराधी घायल हो गए। इस दौरान 77 कुख्यात अपराधी मौके पर ही मारे गए। इस दौरान 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मियों की शहादत हुई। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि मुठभेड़ के मामले में मेरठ जोन पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि वाराणसी ज़ोन में मुठभेड़ की 1,041 घटनाएं हुईं, जिनमें 2,009 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 26 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। इस दौरान 605 अपराधी और 96 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में वाराणसी जोन मुठभेड़ मामले में दूसरे स्थान पर है। डीजीपी के मुताबिक इस संबंध में आगरा जोन राज्य में तीसरे स्थान पर है। यहां 2,288 मुठभेड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें 5,496 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 715 अपराधी घायल हुए जबकि 19 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 56 पुलिसकर्मी घायल हुए। डीजीपी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 8 साल में पुलिस ने अपराधी या तो जेल में होगा या प्रदेश से बाहर के संकल्प को धरातल पर उतारा।

शुभ लाभ

हर गांव तालाब अभियान में लखीमपुर खीरी ने बनाया रिकॉर्ड

प्रशासन के प्रयास से एक महीने में बने 1030 तालाब

लखीमपुर खीरी का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

लखनऊ/लखीमपुर खीरी, 19 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। लखीमपुर खीरी जिले ने हर गांव तालाब अभियान के तहत महज एक महीने में 1030 सामुदायिक तालाबों का निर्माण कर जल संरक्षण के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है, जो योगी सरकार की ठोस इच्छाशक्ति और जनभागीदारी के मॉडल को दर्शाता है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के मार्गदर्शन और सीडीओ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में यह अभियान न केवल जल संरक्षण का प्रतीक बना, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण को भी नई दिशा दी है।

स्थानीय विकास भवन के विवेकानंद सभागार में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने इस उपलब्धि को मान्यता दी। उन्होंने डीएम और सीडीओ को प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान कर जिले को जल सशक्तिकरण का चमकता सितारा बताया। इस अभियान ने 700 एकड़ से अधिक भूमि को जल संरक्षण योग्य बनाया और हर ब्लॉक में 70-80 तालाबों का निर्माण सुनिश्चित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने इसे सामूहिक प्रयास, प्रशासनिक समर्पण और जनभागीदारी का आदर्श उदाहरण बताया। इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड के जरिए लखीमपुर खीरी ने यह सिद्ध कर दिया है कि ठोस इच्छाशक्ति और समर्पित प्रयासों से ग्रामीण विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। हर गांव तालाब अभियान अब सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल सुरक्षा की दिशा में एक जन आंदोलन बन चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान ने न केवल जल संकट से निपटने का रास्ता दिखाया, बल्कि ग्रामीण समुदाय को सशक्त करने का भी आधार तैयार किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जिला प्रशासन के लिए यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि जल संरक्षण की दिशा में एक जनभागीदारी से उपजी ऐतिहासिक उपलब्धि है। हमने एक महीने में 1000 से अधिक तालाबों की खुदाई का लक्ष्य पूरा किया और वह भी इस संकल्प के साथ कि पहली बारिश से पहले हर तालाब तैयार हो जाए। इस अभियान की कमान सीडीओ अभिषेक कुमार ने पूरी निष्ठा और नेतृत्व के साथ संभाली, और हमारी समर्पित टीम ने इसे मिशन मोड में बदल दिया। प्रत्येक ब्लॉक में लगभग 70 से 80 तालाब खोदे गए और करीब 700 एकड़ भूमि को जल संरक्षण योग्य क्षेत्र में तब्दील कर दिया गया। यह किसी क्रांति से कम नहीं।

उन्होंने कहा कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने हमारे प्रयास को मान्यता दी, और एक समारोह में हमें यह रिकॉर्ड प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किया। आज उनकी टीम ने न सिर्फ निरीक्षण किया, बल्कि हमें 'एक महीने में सर्वाधिक तालाब निर्माण' के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सुशोभित किया। इस कार्यक्रम में डीसी मनरेगा सुशांत सिंह, डीपीआरओ विशाल सिंह, सभी खंड विकास अधिकारी और इंडिया बुक का रिकॉर्ड की पूरी टीम मौजूद रही।

हर गांव तालाब अभियान केवल जल संरक्षण की पहल नहीं, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने का भी काम किया है। अभियान के दौरान करीब 7 लाख मानव दिवसों का सृजन हुआ, जिससे उन किसानों और श्रमिकों को रोजगार मिला, जो कृषि कार्यों के ठहराव के कारण खाली थे। अभियान की एक विशेष उपलब्धि रही 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, जिसने इसे सिर्फ विकास परियोजना नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन की मिसाल भी बना दिया

ग्रेटर नोएडा समेत सम्पूर्ण अधिकृत क्षेत्र की तस्वीर बदलने की तैयारी

यमुना प्राधिकरण की 85वीं बैठक में कई विकास योजनाओं की मंजूरी

ग्रेटर नोएडा, 19 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने सम्पूर्ण ग्रेटर नोएडा अधिकृत क्षेत्र को आधुनिक तरीके से विकसित करने का रोडमैप प्रस्तुत किया है। यीडा के अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों और सदस्यों ने प्रस्तुत प्रस्तावों में सुरक्षा, पर्यटन, औद्योगिक निवेश, बिजली आपूर्ति, ग्रामीण विकास और भूखंडों के आवंटन से जुड़े अहम फैसले लिए गए। ये निर्णय यमुना क्षेत्र में विकास को नई दिशा देने वाले माने जा रहे हैं और मास्टर प्लान-2041 के उद्देश्यों को पूरा करने के हिसाब से निर्मित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा व आगरा के 1149 राजस्व गांव यीडा अधिकृत कुल क्षेत्र में आते हैं। इनमें से गौतमबुद्धनगर व बुलंदशहर मास्टर प्लान-2041 के अंतर्गत आते हैं। वहीं, अन्य 4 जिले प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में फेज-2 कहलाते हैं। बोर्ड बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र में 1000 वर्गमीटर भूमि पर एक नया पुलिस थाना बनाए जाने को मंजूरी दी गई। यह थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगा। वहीं, सेक्टर 22एफ और 23बी में रिक्रिएशनल ग्रीन क्षेत्रों के अंतर्गत गोल्फ कोर्स, जिमखाना क्लब, यमुना हाट जैसे पर्यटन स्थल विकसित करने की योजना को स्वीकृति मिली। इसके अलावा किंगडम ऑफ ड्रीम्स, ओलंपिक विलेज, थीम पार्क, एविएशन म्यूजियम, ऑक्सफोर्ड गोल्ड रिजॉर्ट, दिल्ली हाट, कब्बन पार्क तथा दिल्ली जिमखाना क्लब जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित किए गए हैं, जिन्हें पीपीपी मोड पर विकसित किया जाएगा और इनकी स्थापना के लिए नियम व शर्तों के प्रारूप को अंतिम रूप देने पर फोकस किया जा रहा है। बैठक में अर्बन सेंटर के बाहर पड़ने वाले कृषि भूमि के उपयोग तथा ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में विकास के लिए मास्टर प्लान-2031 के फेज-2 (सम्पूर्ण क्षेत्र-रीजनल लेवल योजना) तैयार की गई है। इसमें ग्रामीण आबादी के 200 मीटर की त्रिज्या में रेजिडेंशियल, पब्लिक, इंस्टीट्यूशनल व आवश्यक कमर्शियल एक्टिविटी के संचालन के लिए भी एक फ्रेमवर्क तैयार किया गया है। बैठक में केंद्र सरकार के सहयोग से सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना को मंजूरी दी गई, जिसके लिए 200 एकड़ भूमि चयनित की गई है। इसमें अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं जैसे डाटा सेंटर, हॉस्टल, स्किल डेवलपमेंट सेंटर आदि विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, सेक्टर-18 और 32 में अग्निशमन केंद्र (फायर स्टेशन) की स्थापना के लिए लगभग 7485 वर्गमीटर भूमि चिन्हित की गई है। सेक्टर-29 में नेशनल एग्जीक्यूटिव एविएशन क्लस्टर के तहत 82 सदस्यों को भूखंड दिए गए हैं, जिनमें से 61 भूखंडों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

पहले चलाई गई ओटीएस योजना से प्राधिकरण को करीब 551 करोड़ रुपए की आय हुई थी। ऐसे में, इसे फिर से 1 जुलाई से 31 अगस्त 2025 तक लागू किया जाएगा, ताकि डिफॉल्टरों को दोबारा मौका मिल सके और बकाया राशि जमा हो सके। इसके साथ ही, सेक्टर 16, 17, 18, 20 और 22डी में इन्फॉर्मल सेक्टर के लिए 30 वर्गमीटर वाले लगभग 28,900 भूखंड विकसित किए जाएंगे।

अवैध मदरसों के विरुद्ध की गई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

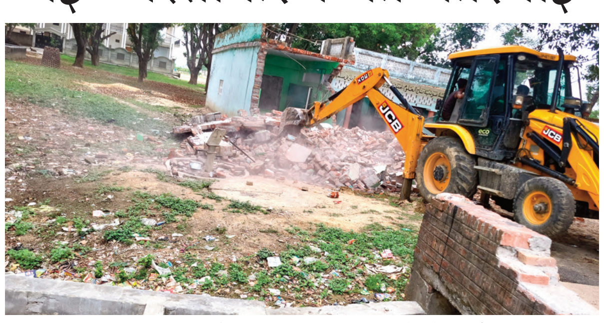

श्रावस्ती 19 जून (एजेंसियां)। श्रावस्ती जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के तहत तीन अवैध मदरसों को ध्वस्त किया गया। न्यायालय तहसीलदार जमुनहा द्वारा पारित बेदखली आदेश के तहत ग्राम फतेहपुर बनगई स्थित ग्राम सभा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से काबिज मदरसा इस्लामिया अरबिया अवारुल उलूम बनगई एवं अकारा को हटाया गया।

इसके अलावा ग्राम रामपुर बस्ती स्थित श्रेणी 6-4 खलिहान की भूमि पर अवैध रूप से काबिज मदरसा गौसिया ताजुल उलूम द्वारा स्वयं स्वेच्छा से उक्त भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को हटा लिया गया। इसी ग्राम में मजरा नगईगांव स्थित ग्रामसभा की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से काबिज मदरसा गौसिया फैजाने रजा शमशुल द्वारा स्वयं स्वेच्छा से उक्त भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को हटा लिया गया।

अयोध्या में बनेगा पटेल और अटल स्मृति द्वार

बाकरगंज में पटेल और गोंडा मार्ग पर बनेगा अटल द्वार

अयोध्या, 19 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या धार्मिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे के विकास में नए आयाम स्थापित कर रहा है। अब यहां लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में स्मृति-द्वार का निर्माण कराया जाएगा। शासन ने इसकी स्वीकृति देते हुए निर्माण के लिए पहली किस्त भी जारी कर दी है।

इस परियोजना से अयोध्या की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक गरिमा और बढ़ेगी।

अम्बेडकरनगर मार्ग में बाकरगंज बाजार में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार व अयोध्या गोंडा मार्ग पर पेट्रोल पम्प के पास अटल वाजपेई द्वार का निर्माण कराया जाएगा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार की लागत 16.57 लाख रुपए आएगी, जिसके तहत 9.42 लाख रुपए की प्रथम किस्त अवमुक्त की जा चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी द्वार की लागत 17.17 लाख आएगी। जिसकी प्रथम किशत के रुप में 10.302 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है।

अयोध्या धाम में फटिक शिला पार्किंग का निर्माण व पर्यटकीय सुविधाओं का विकास का कार्य, रामपथ और धर्मपथ पर मिस्टिंग फैन का कार्य, राम की पैड़ी पर आरती घर व पर्यटन विकास का कार्य, लता चौक के दाहिने तरफ राम की पैड़ी कैनाल रोड़ पर धर्मपथ के समानान्तर राष्ट्र की संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले थीम वाल का सौंदर्यीकरण प्रस्तावित है।

इसके साथ नगर निगम क्षेत्र में 17 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। रीडगंज चौराहे से गुलाब बाड़ी तक मार्ग का चौड़ीकरण 9.50 करोड़, लगभग 33 करोड़ की लागत से रामपथ से गद्दोपुर होते हुए रायबरेली रोड तक चौड़ीकरण, 40 करोड़ की लागत से देवकाली से जेल रोड का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण, लगभग 113 करोड़ की लागत से नियावां चौराहे से पाटेश्वरी देवी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। रामकथा पार्क में नवीन पर्यटक आवास गृह का निर्माण कार्य, गुलाब बाड़ी पार्क का सौंदर्यीकरण, गुप्तार घाट में यात्रियों की सुविधा के लिए बेंच व प्रकाश व्यवस्था, राजघाट के निकट एम्पिली थिएटर एवं फूड कोर्ट का कार्य, किया जाएगा।

योगी सरकार ने स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है। इसके तहत 351 करोड़ रुपए की लागत से 27 हजार घरों को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे शहर की स्वच्छता और जनस्वास्थ्य में सुधार होगा।

साथ ही नियावां से पाटेश्वरी मंदिर होते हुए रामपथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण होगा, जो यातायात को सुगम बनाएगा और तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, नगर निगम क्षेत्र में अन्य सड़कों के निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है, जो अयोध्या को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार में भयमुक्त परिवेश के कारण आज उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बन गया है।

उन्होंने बताया कि अमृत-2 के तहत 351.4 करोड़ की लागत से नगर निगम की सीवरेज योजना पार्ट-2 के तहत 27 हजार घरों को जोड़ा जाएगा। इस परियोजना की लागत 351 करोड़ रुपए है। जिसमें चार पम्पिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसमें टेंडर की प्रक्रिया चल रही है।

रामनगरी के विकास में यहां के संत महंतों के साथ आम जनता की सरकार से अपेक्षा व सुझाव को समाहित करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

इसमें पूरे विश्व से आने वाले पर्यटक व तीर्थयात्रियों की आवश्यकताएं भी शामिल है। इसके लिए लगातार तीर्थयात्रियों व आम जनता से संवाद स्थापित करते हुए उनकी अपेक्षा व सुझावों को सरकार तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। जिससे विकास की इस पटकथा में जनता आज खुद को जोड़कर देख रही है।

इस बीच परियोजनाओं को लेकर विपक्ष ने गुमराह करने का लगातार प्रयास किया। चाहे वह मुआवजे का प्रश्न हो अथवा जनता की अन्य समस्याएं, उनका लगातार त्वरित गति से समाधान किया गया।

संभल हिंसा में 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

दंगे का मास्टरमाइंड सपा सांसद बर्क समेत 23 की करतूतें दर्ज

संभल, 19 जून (एजेंसियां)। संभल में दंगा भड़काने और पूरे जिले को हिंसा की आग में झोंक देने के मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सपा विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल सहित 23 लोगों के खिलाफ चंदौसी की एमपी-एमएलए कोर्ट में 1000 से ज्यादा पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई है। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा मामले में 11वीं चार्जशीट दाखिल हो गई है। संभल पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सपा विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल सहित 23 लोगों के खिलाफ चंदौसी की एमपी-एमएलए कोर्ट में 1000 से ज्यादा पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है।

इस चार्जशीट में हिंसा की साजिश, भड़काऊ भाषण और भीड़ को उकसाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। संभल हिंसा ने पूरे राज्य में सनसनी मचा दी थी। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई थी, जबकि 29 पुलिसकर्मी और कई आम नागरिक घायल हो गए थे। हिंसा की शुरुआत तब हुई जब कोर्ट के आदेश पर शाही जामा मस्जिद और श्रीहरिहर मंदिर के बीच विवादित स्थल का सर्वेक्षण करने के लिए एडवोकेट कमिश्नर की टीम पहुंची थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद उस जगह बनी है, जहां पहले हरिहर मंदिर था। सर्वे के विरोध में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए। भीड़ ने पथराव, आगजनी और गोलीबारी शुरू कर दी।

इस दौरान कई पुलिस वाहन जलकर खाक हो गए, और डिप्टी कलेक्टर रमेश बाबू सहित कई अधिकारी घायल हो गए। डिप्टी कलेक्टर ने अपनी शिकायत में कहा कि भीड़ ने उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया था। पुलिस ने इस मामले में अब तक 90 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें जामा मस्जिद के सदर जफर अली भी शामिल हैं। जफर अली ने पूछताछ में दावा किया कि 23 नवंबर 2024 की रात को सपा सांसद बर्क ने उनसे फोन पर बात की थी। पुलिस का कहना है कि इस बातचीत में हिंसा की साजिश रची गई। चार्जशीट में यह भी उल्लेख है कि सुहैल इकबाल ने भीड़ को उकसाते हुए कहा था, सांसद बर्क हमारे साथ हैं, अपने मंसूबे पूरे करो। इसके बाद पथराव और गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें एक गोली सीओ के पैर में लगी।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि वह घटना के दौरान संभल में मौजूद नहीं थे और यह सब राजनीति से प्रेरित है। 8 अप्रैल 2025 को एसआईटी ने बर्क से नखासा थाने में ढाई घंटे तक पूछताछ की थी। इस दौरान बर्क 10 वकीलों के साथ थाने पहुंचे थे। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है, लेकिन जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि हिंसा में इस्तेमाल हुए हथियारों में 315 बोर की गोलियां शामिल थीं, जो आमतौर पर तमंचों में इस्तेमाल होती हैं। पुलिस ने कुछ घरों से धारदार हथियार भी बरामद किए, जिनमें एक अनोखा हथियार था, जिससे दोनों तरफ से वार किया जा सकता था। पुलिस का दावा है कि यह हिंसा सुनियोजित थी और शुक्रवार (22 नवंबर) को जुमे की नमाज के बाद भड़काऊ बयानों से भीड़ को उकसाया गया था। बर्क ने कहा था कि मस्जिद हमेशा रहेगी। अगर हम इसे नहीं बचाएंगे, तो दुनिया हम पर थूकेगी। बर्क ने कहा था, जामा मस्जिद का सर्वे हुआ तो कौम (मुस्लिम) हम पर ही थूकेगी। संभल हिंसा मामले में 12 एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें से 10 में पहले ही चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। ये 11वां केस है, जिसमें चार्जशीट दाखिल की गई थी। इन एफआईआर में दंगा भड़काने, हत्या के प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा डालने और सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे अपराध शामिल हैं। चार्जशीट में 700-800 अज्ञात लोगों को भी आरोपित बनाया गया है।

संभल में दंगा फैलाने की पूरी योजना व्हॉट्सऐप ग्रुप पर तय हुई। उस व्हाट्सऐप ग्रुप का एडमिन हेड सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क निकला। पुलिस को पक्के सबूत मिले हैं कि 22 और 24 नवंबर को इसी ग्रुप में हिंसा भड़काने के मैसेज भेजे गए। इन मैसेज में भारी भीड़ जुटाने और सरकारी सर्वे को किसी भी कीमत पर रोकने का निर्देश था। एसआईटी की चार्जशीट के अनुसार, इस खूनी खेल का साजिशकर्ता दुबई में बैठा गैंगस्टर शारिक साठा है, जिसे संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क का खुला प्रोटेक्शन मिला था। संभल हिंसा की गहराई में जाने पर कई चौंकाने वाली बातें सामने आती हैं, जो पहले की रिपोर्टों में नहीं थीं।

पुलिस ने दावा किया कि साठा ने सीधे तौर पर मुस्लिम भीड़ को भड़काया था। शारिक साठा ने मुस्लिमों को उकसाया कि वे जामा मस्जिद के सर्वे को रोकें, क्योंकि यह उनकी 500 साल पुरानी बाबर की निशानी है, जिसे बचाना उनका फर्ज है। इस साजिश का सबसे घिनौना पहलू यह है कि शारिक साठा के इशारे पर ही हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन की हत्या की साजिश रची गई थी। इस काम के लिए शारिक साठा गैंग से जुड़े मोहम्मद गुलाम को सुपारी दी गई थी, जिसे पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया था।

मोहम्मद गुलाम के पास से भारी मात्रा में विदेशी हथियार भी बरामद हुए, जो इस साजिश की गंभीरता को दिखाते हैं। पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि शारिक साठा गैंग का संबंध अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी से है, जिससे इस हिंसा के पीछे एक गहरी और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साजिश की बू आती है।

हजारों गरीब बच्चों का भविष्य बना रहे सर्वोदय विद्यालय

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समावेश और समता का एक सफल मॉडल बनकर उभरे हैं। गरीब, वंचित और ग्रामीण परिवेश के मेधावी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और पूरी तरह निःशुल्क आवासीय शिक्षा देने वाली इस योजना के तहत लाभान्वित बच्चों की संख्या में वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2018-19 में जहां मात्र 32,429 बच्चे इस योजना के तहत पढ़ाई कर रहे थे, वहीं वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर करीब 37,000 तक पहुंच गई है।

यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार की दूरदर्शी सोच और संकल्प की सफलता की कहानी है।

बीते सात वर्षों में करीब 4,571 छात्रों की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि सरकार गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जहां वर्ष 2018-19 तक प्रदेश के 58 जिलों में 100 सर्वोदय विद्यालय संचालित थे, वहीं वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 109 विद्यालयों तक पहुंच गई है, जो अब 62 जिलों में कार्यरत हैं। समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि इस वर्ष मथुरा, बलिया, पीलीभीत, गोंडा, कानपुर देहात, अमरोहा, महाराजगंज, अंबेडकरनगर और मैनपुरी जिलों में 9 नए सर्वोदय विद्यालय खोले गए हैं, जिससे लगभग 2000 नए छात्रों को निःशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा।

इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, टैबलेट, एयरोमॉडलिंग, एआई कार्यशालाएं, सीसीटीवी निगरानी और अन्य नवीनतम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भोजन, यूनिफॉर्म, पाठ्य सामग्री से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं (नीट, जेईई, क्यूट) की निःशुल्क कोचिंग तक की सम्पूर्ण व्यवस्था छात्रों को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक है। इन विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया भी सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर बनाई गई है। 60 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति/जनजाति, 25 प्रतिशत पिछड़े वर्ग और 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जिससे हर तबके को समान अवसर मिल सके। साथ ही, 85 प्रतिशत छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित किए जाते हैं, जिससे गांवों के होनहारों को भी आगे बढ़ने का मंच मिलता है। सात वर्षों में लाभार्थी संख्या में हुई यह बढ़ोतरी केवल शैक्षिक आंकड़ों की बात नहीं है, यह उन हजारों परिवारों की आशा और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही यह पहल यह संदेश देती है कि सरकार शिक्षा को सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का साधन मानती है।

सर्वोदय विद्यालयों के जरिए उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार सामाजिक न्याय, शैक्षिक समानता और नवाचार के माध्यम से एक ऐसा भविष्य रच रही है, जहां हर बच्चा, चाहे वह किसी भी वर्ग या क्षेत्र से हो, एक समान अवसर और उज्ज्वल भविष्य का हकदार है।

विद्यालयों की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अभी हाल ही में आए नीट (यूजी) के परिणाम में मिर्जापुर के मड़िहान स्थित सर्वोदय विद्यालय की 25 में से 12 छात्राओं ने सफलता हासिल की है, ये सभी छात्राओं पिछड़े व अनूसूचित जाति, जनजाति वर्ग से हैं।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुन: गर्भधारण की सोचें।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरैंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरैंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरैंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरैंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरैंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्मिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

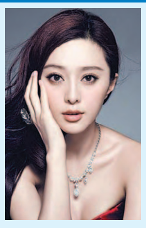

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

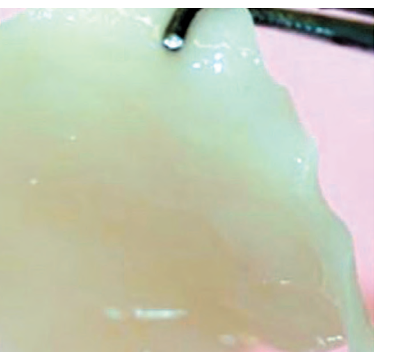

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

संपादकीय

युद्ध रोकने की मंशा?

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था। महिलाएं सडक़ों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं। कुछ इस्लामी देशों समेत ईरान में भी, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के खिलाफ, छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं, लेकिन अमरीका और इजरायल के खिलाफ व्यापक विद्रोह सामने नहीं आएंगे। एक तबका तो आज भी ट्रंप और नेतन्याहू को 'शैतान' करार देता है। बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडऩे की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10,765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं।

बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा।

साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

उमेश चतुर्वेदी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊ फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते। दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊ फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ? इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती

जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है। मोदी ने साइप्रस जाकर दो संदेश देने की कोशिश की है। पहला संदेश तुर्की के लिए है। भारत ने जता दिया है कि वह साइप्रस को सहयोग देगा और साइप्रस से सहयोग लेगा। वैसे भी साइप्रस के आईटी उद्योग और पर्यटन में भारत के हजारों लोग कार्यरत हैं। साइप्रस स्थित भारतीय हाईकमीशन के मुताबिक साइप्रस में साढ़े ग्यारह हजार लोग रहते हैं। मोदी की साइप्रस यात्रा का दूसरा संदेश भारतीयों के लिए है। पहले भारत से बहुत सारे सैलानी तुर्की जाते थे, लेकिन अब वे साइप्रस जाएंगे। वैसे पाकिस्तान के सहयोग के खुलासे के बाद से ही तुर्की के लिए बुक टिकटों को भारतीयों ने कैंसल कराना शुरू कर दिया था। मोदी की कोशिश साइप्रस को बढ़ाकर तुर्की की आर्थिक रीढ़ पर चोट पहुंचाना है। साथ ही तुर्की को संदेश देना है कि जरूरत पड़ने पर भारत तुर्की के खिलाफ कड़े कदम भी उठा सकता है। प्रधानमंत्री ने कनाडा जाते हुए साइप्रस की यात्रा से तुर्की को भी चौंकाया है। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन ने 2021 में कहा था कि साइप्रस की जिम्मेदारी तुर्की की है। यानी एक तरह से वह साइप्रस के एकीकरण के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के खिलाफ हैं। हालांकि अर्दोआन के कदम का इजरायल कड़ा विरोध करता है। साइप्रस की मौजूदा सरकार के साथ इजरायल मजबूती से खड़ा है। जाहिर है कि तुर्की के कदम का इजरायल विरोध कर रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यात्रा के बाद इजरायल, भारत और साइप्रस संबंधों को भी गति मिलने की संभावना है। दुनिया इन दिनों चीन के 'वन बेल्ट-वन रोड' के जवाब में मध्य पूर्व के देशों के साथ यूरोप 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर' यानी आईएमईसी पर काम कर रहा है।

देश दुनिया से

संघर्ष से उपजी चुनौतियों के बीच व्यापार घाटे की चिंता

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत से कुल माल और सेवाओं का निर्यात 824 अरब डॉलर रहा है। जबकि भारत का कुल आयात 918 अरब डॉलर रहा। ऐसे में पिछले वर्ष व्यापार घाटा करीब 94 अरब डॉलर रहा है। इसके पूर्ववर्ती वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापार घाटा करीब 78 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ वैश्विक व्यापार में कमी आने की आशंका से भारत का व्यापार घाटा इस वर्ष 2025-26 में और बढ़ सकता है। मौजूदा हालात में भारत आयात बिल बढ़ने की चुनौती के मद्देनजर रणनीतिपूर्वक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की चुनौती को कम कर सकता है। भारत ने अमेरिका की रूस से कच्चा तेल न खरीदने संबंधी किसी चेतावनी पर ध्यान न देते हुए पिछले वर्ष 2024-25 में 50 अरब डॉलर मूल्य का रूसी कच्चा तेल खरीदा है। यह भारत के कच्चे तेल के कुल आयात बिल का करीब 35 फीसदी है। यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण प्रतिबंध लगने के बाद रूस ने रियायती कीमतों पर अपना कच्चा तेल बेचना शुरू किया था। भारत ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़ाई। ऐसे में भारत रूस का सहारा मिलने से कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों के उछाल से बचते हुए व्यापार घाटे की चिंताओं से भी कुछ बच सकेगा। इतना ही नहीं, भारत ने सफलतापूर्वक अपने तेल आयात के स्रोतों का विस्तार कर लिया है और जरूरत के हिसाब से इन स्रोतों का उपयोग करके व्यापार घाटे में बढ़ोतरी रोकी जा सकेगी। निःसंदेह युद्ध की चुनौती के बीच चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित करना होगा। हाल ही प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा

सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वस्तुतः चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। ऐसे में भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। साथ ही अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। निश्चित रूप से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) से निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके व्यापार घाटा कम कर सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं। ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उसके मद्देनजर सरकार को एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा। वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश से सेवा निर्यात बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। इस समय पूरी दुनिया में भारत सेवा निर्यात की डगर पर छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है। भारत को सेवा निर्यात की नई वैश्विक राजधानी के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डॉलर का रहा है। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत को नए मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों से व्यापार घाटे में कमी लानी होगी। भारत द्वारा ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के साथ-साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इस समय भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के शुरुआती चरण के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इस्राइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जाना होगा।

कुछ अलग

तुरुप का पत्ता

उन्होंने हमारे कंधे पर हाथ रख कर बताया कि वह मेरे बड़े भाई हैं। अचानक यह एक और बड़ा भाई पाकर हम अचकचा गए। हम तो आज तक अपने आपको निपट अकेला मानते रहे थे। उदासीन और निर्वासित, जिसे बिना इज्जत और धक्के से काम करवा देने वाला कोई सहारा नहीं मिलता। लेकिन यह चुनावी दिन क्या आए, कि अचानक हमारा महत्व बढ़ गया। हमारे पददलित रह जाने की हमदर्दी प्रकट करने वाले इतने रहनुमा मिल गए कि इनमें से हमारा बड़ा भाई कौनसा है, इसी के सही चुनाव के लिए कठिनाई पैदा होने लगी। अचानक हमें पता चला कि हम तो इस राज्य की एक-तिहाई आबादी हैं, और हमें पटाने के लिए बड़े भाइयों की कतार लग रही है। आजकल एक नया रंग इन बड़े भाइयों ने बदला है कि पहले पददलित कौन हैं, और इनके कितने वर्ग हैं, इनकी भली-भांति पहचान की जाए। आज तक हर दस साल के बाद इतनी बार जनगणना हुई है, लेकिन इस बार इसकी प्रक्रिया भी पददलितों से हमदर्दी सी बन गई। इनकी वर्ग गिनती होनी चाहिए, इसका फैसला हो रहा है। चाहे इसका कारण यह बताया गया है कि हमारा सर्व हितकारी कल्याणकारी राज्य है। इसलिए पहले दलितों की वर्गगत पहचान हो। बाद में उनके कायाकल्प के लिए विशेष प्रयास किया जाएं। अब यह कायाकल्प कैसे होगा? आजादी का अमृत महोत्सव मना लिया गया, लेकिन हमें इसकी खबर नहीं हुई। गरीब और मुजारा किसानों का खुदा बन कर देश में पहली कृषि क्रांति हुई थी, लेकिन यह कुछ फसलों और कुछ राज्यों तक ही सीमित क्यों रह गई? पहली कृषि क्रांति को दम तोड़ते देखा, फिर पिछले चार दशक से दूसरी हरित क्रांति कर देने की योजना बन रही है। लेकिन अब इस क्रांति को हुंकारा नहीं मिल रहा। पहली कृषि क्रांति की जन्मभूमि पंजाब थी। इसने मना कर दिया, और पूर्वोत्तर राज्य भी इसे शुरू करने से पूर्व जम्हाई ले रहे हैं। योजनाबद्ध आर्थिक विकास का लक्ष्य था प्रजातांत्रिक समाजवाद की स्थापना, लेकिन आज कोरोना लहर से पुनः पुनः दंडित राष्ट्र अपना वही परिचय दे रहा है कि चंद धनियों ने देश के भाग्य को अपनी मु_ी में बंद कर रखा है, और देश की अधिकांश जनता सही और बेहतर जीवन जीने का सपना देखने के अपराध में सपनों की दुनिया से बेदखल हो गई है। लेकिन अब नई दुनिया का यह संकल्प पददलित विकास की भूमिका बांधने लगा। इसीलिए निर्णय लिया गया कि पहले उनकी वर्गचेतना को उभार कर उनके चयनित विकास का संकल्प करो। अब इनकी जेबों को तलाश कर इनके फटीचर बखियों को सीना है। इसलिए जनगणना से लेकर इनकी मतगणना का आधार बना इनकी गिनती को प्राथमिकता देनी है। अब तो जनगणना भी जातिगत होगी बंधु। वंचित का पेट भरा जाए, उनकी आंखों के सपने लौटा दिए जाएं, इसे कौन मना करता है, लेकिन इसके लिए जाति, धर्म और वर्ग की यह सीमा बांधने का प्रयास क्यों? भूख और अभावग्रस्तता की पीड़ा सब स्थान पर एक जैसी है, इसलिए इसे हरने का प्रयास आर्थिक आधार से पिछड़ा रह जाने की पहचान क्यों नहीं बनता? हवा में सवाल उछलते हैं, लेकिन उस पर चयनित विकास के घेरे बन गए। शेष लोग जो जातीय पिछड़ेपन की कसौटी पर खरे नहीं उतरते, वे अपने दिन बदलने का इंतजार कब तक करें।

आप का नजरिया

इन हरकतों के कठघरे

गलत हरकतें समाज, राज्य या राष्ट्र की किसी भी भूमिका में हों, उनके खिलाफ आम नागरिक को उद्वेलित होना पड़ेगा। हिमाचल के कुछ लम्हे अपना जिक्र कर रहे हैं, जहां कठघरों के बीच हरकतें खड़ी हैं और न्यायाधीश की भूमिका में समाज है या राज्य की व्यवस्था। कुनिहार के समीप एक स्कूल अध्यापक के चरित्र का जब विश्लेषण हुआ, तो समाज की पहरेदारी में दोष चस्पां हो गए। बुरी नजर के छेद स्कूल की दीवारों को इतना जर्जर बना गए कि 'गुरु परंपरा' घायल होकर तड़पने लगी। पांवटा साहिब के माजरा क्षेत्र में कथित तौर पर एक लडक़ी के अपहरण से उग्र हुआ माहौल समाज को बैसाखियों पर ले आया, जबकि कानून व्यवस्था के घायल पंख फडफ़ड़ा रहे हैं। शोर जमाने में बहुत था उनके किरदार का, वो तोहमतों से छूट के पाक दामन निकले। पांवटा साहिब में तोहमतें तो समाज और व्यवस्था का छिद्रान्वेषण कर रही थीं, जब झूठ के घूंघट खुले तो किरदार बदल गया। आखिर लव जिहाद की खोज में कब्रें क्यों खोदी जा रही हैं। इश्क की गलियों ने इकरार क्या किया, मोहल्ले में जूतम पैजार हो गई। उपद्रव की आंख से देखेंगे तो अपने ही समाज के टुकड़े मिलेंगे और यह माहौल शांत प्रदेश की गरिमा को क्षत-विक्षत कर सकता है। सांप्रदायिक विवाद की कई ध्वनियां निकलीं और चबूतरों पर लहूलुहान होता मंजर, हमारे ही बीच के सौहार्द को कैद कर गया। कौन जीता और किसे कसूरवार ठहराएं। क्या हत्या के प्रयास के मामले में राजीव बिंदल और सुखराम चौधरी के खिलाफ लगे आरोपों को छान कर दूध का दूध या पानी का पानी हो जाएगा या उस युवती के बयान को सुनें, जो अदालत के कठघरे में खड़े अपहरण से एक युवक को निर्दोष बता रही है। जो भी हो, कानून व्यवस्था का मामला इंतकाम पर क्यों उतारू हो गया। अदालत में एक बालिग लडक़ी का बयान अचानक उन हथियारों से ऊपर हो गया, जो भीड़ में शिकार खोज रहे थे। पुलिस पर हुए तेज धारदार हथियारों के वार बताते हैं कि चुनौती कहीं भीतर से गर्म है। इन लपटों को आगे बढऩे से न रोका गया, तो सामाजिक ताने-बाने से कई मर्यादाएं टूट जाएंगी। तब कोई प्रशासनिक अधिकारी भीड़ के सामने अपराधी घोषित हो जाएगा या फर्ज की कचहरी लूट ली जाएगी। समाज के भीतर युद्ध की घोषणा का अर्थ अगर सियासत है, तो इसे रोकना होगा, टोकना होगा। सियासी विरोध की एक नई परंपरा अब प्रशासन के गले पड़ रही है। सत्ता और विपक्ष के बीच हिमाचल के मुद्दे और व्यवस्था के प्रश्न उठने चाहिएं। लोकतांत्रिक और चुनावी चरित्र में हिमाचल सदा नागरिक जागरूकता की मिसाल रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से विरोध की दूरबीन नए सुराग खोज रही है। इन्हीं सुरागों की खोज पांवटा साहिब के आचरण को तमतमा गई, तो समाज के दो गुट हो गए। यहां वो सब कुछ हुआ जो अशोभनीय-निंदनीय कहा जा सकता है। एक बेटी के माथे पर राजनीति ने जो कलंकित शब्द चस्पां किए हैं, क्या वे धुल पाएंगे या अब दो वयस्कों की निजता व स्वतंत्रता के अधिकार को सियासी मंसूबों की छावनी तय करेगी। अंततः सियासत की अदालत से बड़ी साबित हुई कानून की अदालत, लेकिन प्रश्नों की फांस में बयानबाजियों के नाखून चुभ रहे हैं। हम दो संप्रदायों के बीच एक बच्ची के वयस्क अधिकारों को बौना करके समाज को बचाएंगे या एक स्कूल परिसर के भीतर एक गुरु की बुरी नजर से मासूम बेटियों की परवरिश को बचा पाएंगे। हैं बहुत विषय बेटियों की इज्जत के, लेकिन बहस के पैमानों में जहर भर के फैसला नहीं होगा।

दृष्टि कोण

वैश्विक शांति को प्रभावित करते युद्ध

विगत 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। 12 और 13 जून 2025 को अलसुबह इजरायल ने ईरान के परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों नतांज स्थित एटॉमिक फैसिलिटी सेंटर, इस्फहान, तेहरान और तबरीज पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए, जिसे 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया गया था। इन हमलों का उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को नष्ट करना और उसकी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को रोकना था। इजरायल ने हमलों से पहले अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों को पहुंचाया। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इससे इजरायली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व कायम करने में मदद मिली। प्रत्युत्तर में 13 जून 2025 की शाम को ईरान ने भी इजरायल पर 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 100 से ज्यादा ड्रोनों के साथ जवाबी हमला किया। ये हमले इजरायल के प्रमुख शहरों जैसे येरुशलम, तेल अबीब और रिशोन लेजियन को निशाना बनाकर किए गए, जिससे नागरिक क्षेत्रों में संपत्ति के नुकसान और इजरायली नागरिकों के हताहत होने की खबरें हैं। भले ही दोनों देशों के बीच जमीनी सीमा रेखा नहीं है, तथापि दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम के पूर्णता की ओर बढऩे से इजरायल की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई थीं। इस युद्ध से अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है, लेकिन अभी तक कोई ठोस मध्यस्थता या युद्धविराम की पेशकश सामने नहीं आई है। दूसरी तरफ अमरीकी सेना ईरान की ओर से इजरायल पर जवाबी कार्रवाई में दागी गई मिसाइलों को रोकने में मदद कर रही है। वर्तमान में इजरायल-फिलिस्तीन, ईरान-सऊदी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे पहले से ही विश्व मंच पर तनाव बढ़ा रहे हैं। जहां तक वर्तमान ईरान-इजराइल युद्ध की बात है तो ईरान और इजराइल के बीच संभावित या वास्तविक युद्ध न केवल पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न कर सकता है। यह संघर्ष धार्मिक, राजनीतिक, भू-रणनीतिक और आर्थिक आयामों से जुड़ा हुआ है और इससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर संकट मंडरा सकता है। दूसरे, ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादकों में है और होरमुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल का 20 फीसदी गुजरता है। युद्ध की स्थिति में ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है जिससे वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इससे अमरीका, यूरोप, भारत जैसे देशों में ईंधन महंगा होगा और महंगाई बढ़ेगी। इस लड़ाई के परमाणु युद्ध में तबदील होने का खतरा भी है क्योंकि इजराइल के पास घोषित परमाणु हथियार हैं, जबकि ईरान पर परमाणु हथियार बनाने के आरोप हैं। यदि संघर्ष परमाणु हथियारों तक पहुंचता है, तो यह मानव सभ्यता के लिए विनाशकारी हो सकता है। इन दिनों विश्व युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं, क्योंकि अमरीका इजराइल का प्रमुख सहयोगी है। चीन और रूस, ईरान के रणनीतिक साझेदार हैं। यदि ये महाशक्तियां प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होती हैं, तो यह टकराव तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है। यह युद्ध शिया (ईरान) और यहूदी (इजराइल) के बीच है, परंतु इसका प्रभाव मुस्लिम देशों में सुन्नी-शिया संघर्ष को भडक़ा सकता है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन सकते हैं जो यूरोप, तुर्की और एशियाई देशों की ओर पलायन करेंगे। इससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव और सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। युद्ध की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और व्यापार व निवेश में गिरावट आएगी, जिसका विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था, जैसे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों पर खासा असर पड़ेगा। ईरान-इजरायल के बीच इस लड़ाई के गंभीर होने की स्थिति में खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इन भारतीयों ने पिछले साल ही करीब 45 अरब डॉलर की राशि भारत भेजी है जो देश की इकोनमी में अहम भूमिका निभाती है। इन दिनों ईरान और इजराइल दोनों ही साइबर युद्ध में भी सक्रिय हैं। चूंकि बैंकिंग, संचार और ऊर्जा क्षेत्रों पर साइबर हमले हो सकते हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रभावी होंगे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में सोरोका अस्पताल इजराइल की बमबारी में अराक जल रिएक्टर को क्षति

तेल अवीव, 19 जून (एजेंसियां)।

ईरान और इजराइल के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष के सातवें दिन दोनों की सरजमीं पर भारी तबाही हुई है। इजराइल का कहना है कि ईरान ने उसके आबादी वाले क्षेत्रों और अस्पतालों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। ईरान ने कहा कि इजराइल ने सुबह उसके अराक भारी जल रिएक्टर पर बमबारी की है।

अमेरिका के सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

इनमें से कई मिसाइलें नागरिक इलाकों पर गिरीं। इससे दक्षिणी इजरायल के प्रमुख सोरोका अस्पताल सहित कई आबादी वाले इलाकों पर भारी क्षति हुई है। अधिकारी ने बताया कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज होमफ्रंट कमांड सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को प्रभावित जगहों पर भेजा गया है। इस अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी इजराइली शहर बेयर-शेवा में एक और प्रमुख अस्पताल ईरानी हमलों में क्षतिग्रस्त हो गया।

सोरोका मेडिकल सेंटर की प्रवक्ता ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस हमले में विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक क्षति हुई है। यह अस्पताल इजराइल के प्रमुख चिकित्सा केंद्रों में से एक है।

इमारत का बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में बदल चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि ईरानी मिसाइलों के ताजा हमले के बाद खोज और बचाव दल देश भर में कई स्थानों पर काम कर रहे हैं। इस हमले में तेल अवीव में एक बहुमंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हो गई है।

इस बीच ईरान ने कहा कि इजराइल ने उसके अराक भारी जल रिएक्टर पर बम बरसाए हैं। यह स्थान राजधानी तेहरान से लगभग 155 मील (250 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में है। यह एक परमाणु सुविधा केंद्र है। स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे के आसपास सुविधा पर दो प्रोजेक्टाइल दागे गए। हालांकि गंभीर नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले इजराइल ने अराक के पास रहने वाले निवासियों को निकासी की चेतावनी जारी की थी।

सनद रहे कि अराक भारी जल रिएक्टर अमेरिका और अन्य शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते का केंद्र बिंदु था। इजराइल सात दिन के भीतर ईरान के नतांज और इस्फहान परमाणु सुविधा केंद्र पर हमला कर चुका है।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने यूक्रेन के 81 यूएवी रोके या मार गिराए

मास्को। रूस की वायुरक्षा प्रणालियों ने रात भर में देश के 11 स्थानों में 81 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) को रोका या नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने आज यह जानकारी दी। यूक्रेन ने रात लगभग नौ बजे से सुबह तक कई स्थानों पर यूएवी हमले का प्रयास किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 18 जून को रात 920 बजे मास्को समय (जीएमटी +3) से लेकर 19 जून को सुबह 640 बजे तक 81 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग यूएवी को वायुरक्षा इकाइयों ने रोका या नष्ट कर दिया। ब्रांस्क क्षेत्र में 19, कुर्स्क क्षेत्र में 17, स्मोलेंस्क क्षेत्र में 13, वोल्गोग्राड क्षेत्र में सात, ओर्योल क्षेत्र में छह, रोस्तोव क्षेत्र में पांच, क्रीमिया गणराज्य में पांच, बेलगोरोड में तीन, अस्त्राखान क्षेत्रों में तीन, रियाजान क्षेत्र में दो और मास्को क्षेत्र में एक यूएवी को या रोक दिया गया या मार गिराया गया। ब्रांस्क क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि सीमावर्ती रूसी क्षेत्र में 19 फिक्स्ड-विंग यूएवी नष्ट होने के बाद कोई चोट या क्षति नहीं हुई। न ही रियाजान क्षेत्र के गवर्नर पावेल मालकोव ने ड्रोन हमले के बाद किसी नुकसान की सूचना दी।

अमेरिका ने कुछ दूतावास कर्मियों और परिवार के सदस्यों को सैन्य विमान से इजराइल से निकाला

वॉशिंगटन/तेल अवीव। इजराइल और ईरान संघर्ष के बीच अमेरिका ने बुधवार को इजराइल में तैनात कुछ दूतावास कर्मियों और उनके परिवारजनों को अमेरिकी सैन्य विमान के जरिए वहां से निकाला है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट से मिली है। हालांकि, अमेरिकी दूतावास को पूरी तरह खाली करने का कोई आदेश फिलहाल जारी नहीं किया गया है और राजनयिकों या उनके परिजनों को अनिवार्य रूप से देश छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। यह निकासी स्वैच्छिक अधिकृत प्रस्थान नीति के तहत की गई, जो पिछले सप्ताहांत से लागू है। जानकारी के मुताबिक कुछ अमेरिकी नागरिक स्थलीय मार्ग से जॉर्डन के रास्ते भी देश छोड़ चुके हैं। अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने बताया कि चालू हालात को देखते हुए और दूतावास के अधिकृत प्रस्थान स्थिति के तहत मिशन के कर्मचारी विभिन्न माध्यमों से इजराइल से प्रस्थान कर रहे हैं। इससे पहले, अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने बुधवार को कहा था कि अमेरिका उन नागरिकों के लिए विमानों और क्रूज जहाजों के माध्यम से निकासी की व्यवस्था कर रहा है, जो इजराइल छोड़ना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजराइल के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के चलते इजराइल में सुरक्षा स्थिति तेजी से बिगड़ी है। अमेरिका पहले ही अपने नागरिकों को एसटीईपी (स्मार्ट ट्रेवलर इनरोलमेंट प्रोग्राम) के माध्यम से अलर्ट पर रहने और पंजीकरण करने की सलाह दे चुका है।

ईयू-यूएस व्यापार विवाद जर्मन चांसलर मर्ज को जल्द समाधान की उम्मीद

बर्लिन/ओटावा। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बुधवार को उम्मीद जताई कि यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के बीच जारी व्यापार विवाद का समाधान आने वाले कुछ दिनों में संभव हो सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह विवाद जर्मनी की व्यावसायिक प्रतिष्ठा और निवेश आकर्षण पर गंभीर असर डाल रहा है। कनाडा में चल रहे जी7 शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद स्थानीय राज्यों (लैंडर) के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात के दौरान मर्ज ने कहा, मैंने दोहराया कि अमेरिकी सरकार के साथ हम धीरे-धीरे समाधान की दिशा में बढ़ रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले कुछ दिनों में हम इसमें सफल होंगे। मर्ज ने यह भी जोड़ा कि सभी राज्य नेता इस बात पर सहमत हैं कि हमें यूरोपीय आयोग का समर्थन करना चाहिए और एक साझा मार्ग अपनाना होगा। उल्लेखनीय है कि ईयू और अमेरिका के बीच व्यापार, टैरिफ और तकनीकी मानकों को लेकर लंबे समय से मतभेद बने हुए हैं, जिनका असर विशेष रूप से जर्मन निर्यात उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ रहा है।

हाथ पैरालाइज होने के बाद भी ईरानी सत्ता का केंद्र बने अयातुल्ला अली खामेनेई

कई बार पहले भी हो चुकी उन्हें मारने की कोशिश

तेहरान, 19 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका का दो टूक कहना है कि ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला अली खामेनेई उसके टारगेट पर हैं। इसके अलावा इजरायल पहले ही उन्हें मारने की धमकियां दे रहा है। इस तरह इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग अब खामेनेई पर आकर अटक गई है। बताया जा रहा हैं कि उन्हें भी शिकार बनाया जा सकता है। धमकी के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई को तेहरान के एक सीक्रेट बंकर में छिपा दिया गया हैं।

लेकिन हम आपको बात दें कि मौत के साए में जी रहे खामेनेई के लिए जान का खतरा कोई नई बात नहीं है। इस्लामिक क्रांति के दो साल बाद ही 1981 में खामेनेई पर जानलेवा हमला हुआ था। ख़ामेनेई एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे कि तभी उनके नजदीक रखे एक टेप रिकॉर्डर में ब्लास्ट हुआ। विस्फ़ोट में ख़ामेनेई का दायां हाथ पैरलाइज़ हो गया और एक कान के सुनने की क्षमता कम हो गई। लेकिन इसके बावजूद भी अपनी इन शारीरिक कमजोरियों के साथ ही ईरान की सत्ता के सूत्र मजबूती से संभाले हुए हैं। ईरान को एक मजहबी तानाशाही में लाने में खामेनेई और उनके गुरु रोहेल्ला खुमैनी का बड़ा योगदान माना जाता है। खामेनेई का जन्म 1939 में ईरान के नजफ में हुआ था। उनके पिता जावेद खामेनेई एक मौलवी थे। जावेद के कुल 8 बच्चों में दूसरे नंबर के खामेनेई थे। वह काफी कम उम्र में ही मौलवी बन गए थे। उनके दो और भाई भी मौलवी हैं। उनसे छोटे भाई हादी खामेनेई एक अखबार के संपादक भी हैं और मौलवी भी हैं। खामेनेई के पिता अजरबैजानी मूल के थे और ईस्ट अजरबैजान प्रांत के खामानेह के रहने वाले थे। इसी खामानेह के नाम पर परिवार ने अपना सरनेम ही खामेनेई चुन लिया। 1979 की ईरानी इस्लामिक क्रांति में खामेनेई ने रुहल्ला खुमैनी के नेतृत्व में हिस्सा लिया था। फिर शाह मोहम्मद रजा पहलवी जब सत्ता से बेदखल किए गए तब खुमैनी का दौर आया। वह खुमैनी के इतने करीब आ गए कि उन्हें 1981 में राष्ट्रपति का पद मिल गया। रुहल्ला खुमैनी तब ईरान के शीर्ष नेता थे। 1989 में जब खुमैनी का निधन हुआ, तब खामेनेई ने उनकी जगह ली और तब से राष्ट्रपति कोई और बनता है। फिलहाल देश के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान हैं। राष्ट्रपति की सभी जरूरी शक्तियों को शीर्ष नेता के नाम पर ट्रांसफर कर दिया गया। इस तरह वह ईरान में सर्वशक्तिमान हैं।

मरने से पूर्व मछलियां 20 मिनट तक सहती हैं मध्यम से तीव्र दर्द

वॉशिंगटन। इंसानों द्वारा खाने के लिए मारी जाने वाली रेनबो ट्राउट जैसी मछलियां औसतन 2 से 20 मिनट तक मध्यम से तीव्र दर्द सहती हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा एक वैज्ञानिक अध्ययन में। यह निष्कर्ष मछलियों को मारने की आम विधि एयर एस्फ़ीक्सिएशन की जांच में निकलकर आया है। इस क्रूर प्रक्रिया में मछलियों को पानी से निकालकर हवा में छोड़ दिया जाता है, जहां वे धीरे-धीरे ऑक्सीजन की कमी से तड़प-तड़पकर मरती हैं। अध्ययन में पाया गया है कि हवा में सिर्फ 60 सेकंड रहने के भीतर ही मछलियों के शरीर में गंभीर तनाव प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है, जो अन्य किसी भी प्रकार के तनाव - जैसे कि भीड़, पकड़ने या ऑक्सीजन की हल्की कमी से कहीं ज्यादा हानिकारक होती है। एक मिनट के अंदर ही उनके शरीर में हाइड्रोमिनरल असंतुलन यानी पानी और खनिजों का संतुलन बिगड़ने लगता है, जिससे उनकी पीड़ा और बढ़ जाती है। कुछ जगहों पर मछलियों को मारने के लिए उन्हें बर्फ के ठंडे पानी में डाला जाता है, लेकिन यह तरीका भी अत्यधिक पीड़ादायक है। बर्फ के पानी में चयापचय प्रक्रिया धीमी होने के कारण मछलियां देर से बेहोश होती हैं और उन्हें और अधिक समय तक दर्द सहना पड़ता है। हालांकि अध्ययन में यह भी बताया गया है कि अगर विद्युत अचेतन विधि (इलेक्ट्रिक स्टनिंग) को सही तरीके से अपनाया जाए, तो मछलियों के दर्द को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह न सिर्फ मानवीय तरीका है बल्कि खर्च किए गए हर डॉलर पर 1 से 20 घंटे तक की पीड़ा को रोका जा सकता है। शोध के सह-लेखक व्लादिमीर अलोंसो ने बताया कि यह अध्ययन वेलफेयर फुटप्रिंट फ्रेमवर्क नामक वैज्ञानिक पद्धति से किया गया, जो पशु कल्याण को मापने का पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीका है। यह शोध दुनियाभर में हर साल मारी जाने वाली खरबों मछलियों की पीड़ा को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे नीतियां बनाने वाले संस्थानों को मछलियों के प्रति अधिक मानवीय और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिल सकती है।

मैं टूट गया हूं, मुझसे पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं

लॉस एंजेलिस, 19 जून (एजेंसियां)।

कनाडाई गायक जस्टिन बीबर ने सोशल मीडिया पर अपने मानसिक स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में बीबर ने लिखा जिसमें उसने स्वीकार किया कि वह टूट चुके हैं और गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं।

गायक बीबर ने खुद के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जताई चिंता

उन्होंने पोस्ट में लिखा- लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जिन्होंने मुझसे कहा था कि मुझे उनके जैसा होना चाहिए और यह मुझे और ज्यादा थका देता है और ज्यादा गुस्सा दिलाता है। बीबर ने कहा कि वह खुद के बारे में सोचकर थक गए हैं। पोस्ट में लिखा- मैं जितना आगे बढ़ने की कोशिश करता हूं उतना ही ज्यादा खुद पर ध्यान केंद्रित करता हूं। यीशु ही एकमात्र है जो मुझे दूसरों के बारे में अपना जीवन बनाने के लिए प्रेरित करता है। क्योंकि ईमानदारी से कहूं तो मैं हाल ही में खुद के बारे में सोचकर थक गया हूं इससे पहले उन्होंने एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए से सभी से एक-दूसरे पर अपनी असुरक्षाओं को प्रोजेक्ट न करने का आग्रह किया। जस्टिन बीबर ने लिखा- मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मैं तुम्हारे साथ ऐसा नहीं करता। क्योंकि मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कैसा है। यह कठिन है। हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी असुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से दमनकारी है। हाल ही में बीबर की कैलिफोर्निया के मालिबू में सोहो हाउस के बाहर पैपराजी के साथ गर्मागरम बहस हो गई थी। वीडियो में उन्हें कैमरे से छिपने की कोशिश करते हुए दिखाया गया था।

महिला जेलर ने जेल में किया ऐसा काम जेल हो गई बदनाम

जेल में आम कैदियों के साथ खूंखार कैदी को सुधारना और अनुशासन में रखना जेलरों का काम होता है, लेकिन जब जेलर ही गलत हरकत करने लगे तो फिर कैदी कैसे सुधरेंगे ऐसा ही कुछ हुआ लंदन की वांड्सवर्थ जेल में देखने को मिला वहां 31 साल शादीशुदा जेलर लिंडा डी सौसा अब्रेउ की गलती ने सबको हैरान कर दिया। एक बच्ची की मां लिंडा अपने ही जेल के एक कैदी के साथ शारीरिक संबंध बनाती थीं। उन्होंने खुद यह बात स्वीकार की कि वह उस कैदी के साथ कई बार संबंध बना चुकी हैं, लेकिन एक दिन दूसरे कैदी ने उनका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस वीडियो ने महिला जेलर की करतूत सामने आ गई। कैदी से बनाए शारीरिक संबंध, दूसरे कैदी ने वीडियो बना किया वायरल बता दें शादीशुदा जेलर लिंडा को एक कैदी लिंटन वीइरिच पसंद आ गया। उन्होंने अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया और जेल में ही उस कैदी के साथ शारीरिक संबंध बनाने लगीं। ऐसा कई बार हुआ, लेकिन एक दिन दूसरे कैदी ने लिंडा और लिंटन का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद लिंडा देश छोड़कर स्पेन के मैड्रिड भागने की तैयारी में थीं, लेकिन हीथ्रो एयरपोर्ट पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जब उन्होंने जेल को फोन कर कहा कि मैं वापस नहीं आ रही हूं।

बांग्लादेश में मादक पदार्थ तस्करों ने दो पुलिस अधिकारियों को गोली मारी

ढाका, 19 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करों के एक बड़े समूह ने दो पुलिस अधिकारियों को गोली मार दी। दोनों पुलिस अफसरों को गंभीर अवस्था में ढाका मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। यह दोनों अधिकारी ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के सदस्य हैं।

खबर के अनुसार, यह दोनों अधिकारी पलटन थाना क्षेत्र के नशा विरोधी अभियान से जुड़े थे। दोनों को रात के वक्त एक अभियान के दौरान ड्रग डीलरों ने गोली मारी। गोली लगने से जख्मी सहायक उप निरीक्षक अतीक हसन और कांस्टेबल सुजोन को गंभीर हालत में ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेडिकल कालेज पुलिस चौकी के एसआई मोहम्मद मसूद ने इसकी पुष्टि की।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह वारदात पलटन थाना अंतर्गत क्षेत्र में सड़क के दूसरी ओर स्थित सेंट्रल पुलिस अस्पताल के पास हुई। इस अभियान का नेतृत्व लालबाग डिवीजन के वरिष्ठ सहायक पुलिस अधीक्षक इनायत कबीर कर रहे थे। टीम ने एक कार को रुकने का इशारा किया।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर फायरिंग कर दी।

घायल अधिकारियों को पहले सेंट्रल पुलिस अस्पताल ले जाया गया और फिर वहां से उन्हें मेडिकल कालेज स्थानांतरित कर दिया गया। दोनों आईसीयू में भर्ती किया गया है। अतीक हसन के पेट में गोली लगी है। उनकी हालत गंभीर है। सुजोन के बाएं पैर में गोली लगी है।

चापलूसी में जुटे मुनीर ने कहा- भारत से परमाणु जंग रुकवाने के लिए ट्रंप को मिले नोबेल पुरस्कार

वाशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर इन दिनों जमकर अमेरिका की चापलूसी कर रहे हैं। अति उत्साह में आकर मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग की है। मुनीर का कहना है कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध रुकवा दिया जिसके लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। खुद व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने इस बात की पुष्टि की है।

केली ने यहां तक कहा कि पाक सेना प्रमुख ने ट्रंप को इस पुरस्कार के लिए नामांकन की सिफारिश की थी, जिसके बाद ट्रंप ने उन्हें व्हाइट हाउस में एक निजी लंच के लिए आमंत्रित किया। यह मुलाकात 18 जून को व्हाइट हाउस के कैबिनेट रूम में हुई, जिसमें प्रेस को शामिल होने की अनुमति नहीं थी।

ट्रंप-मुनीर की बैठक से कुछ घंटे पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से 35 मिनट फोन पर बात की। इस बातचीत में पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा कि 7 से 10 मई के बीच हुए सैन्य टकराव के बाद जो संघर्षविराम हुआ, वह भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीधे संवाद के जरिए हुआ- न कि किसी बाहरी मध्यस्थता के कारण। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से कहा कि भारत अपने द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को कभी नहीं मानता और आगे भी नहीं मानेगा। भारत ने हमेशा दोहराया है कि कश्मीर और अन्य मुद्दे द्विपक्षीय हैं और वह किसी बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता। ट्रंप-मुनीर की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद तनाव बना हुआ है। यह संघर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ, जिसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीएम में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसके बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी। ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उनकी मध्यस्थता के कारण यह युद्धविराम संभव हुआ, हालांकि भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका। मुझे पाकिस्तान से प्यार है। पीएम मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं। मैंने कल रात उनसे बात की और हम भारत के साथ एक व्यापार समझौता करने जा रहे हैं। लेकिन इस व्यक्ति (मुनीर) ने पाकिस्तान की ओर से युद्ध रोकने में प्रभावशाली भूमिका निभाई। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों को व्यापार बंद करने की धमकी दी थी, जिसके बाद युद्धविराम हुआ। मुनीर ने दावा किया कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर था, और ट्रंप के हस्तक्षेप से परमाणु युद्ध टल गया। उन्होंने इस आधार पर ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए योग्य बताया।

ट्रंप-मुनीर की मुलाकात के मायने

मुनीर की अमेरिका यात्रा और ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात ने कई सवाल खड़े किए हैं, खासकर तब जब पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप इस मुलाकात के जरिए पाकिस्तान को ईरान के खिलाफ रणनीतिक सहयोग के लिए तैयार करना चाहते हैं, क्योंकि पाकिस्तान की ईरान के साथ 900 किलोमीटर की सीमा और बलूचिस्तान का सामरिक महत्व इसे क्षेत्रीय कूटनीति में अहम बनाता है।

तब नोबेल पुरस्कार नहीं मिला था

यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सामने आया है। 2020 में नॉर्वे के एक सांसद ने उन्हें इजरायल और यूएई के बीच हुए समझौते के लिए नामित किया था, लेकिन तब उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिला। नोबेल शांति पुरस्कार की स्थापना अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के तहत 1895 में हुई थी, और यह उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने शांति के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती की, मध्य जुलाई तक जारी रहेगी कटौती

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

टाटा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी एयर इंडिया ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करने का ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करने का ये फैसला 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद शुरू हुई सुरक्षा जांच, ईरानी एयर स्पेस के बंद होने और अन्य तकनीकी कारणों की वजह से लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई ये कटौती कम से कम जुलाई के पहले पखवाड़े तक जारी रहेगी। एयर इंडिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा गया है कि एयर इंडिया के सामने उत्पन्न कठिन स्थितियों को देखते हुए एयरलाइन के ऑपरेशन की स्थिरता और बेहतर दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए तथा मुसाफिरों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने अगले कुछ सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय विमान की उड़ानों की संख्या में 15 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है। एयरलाइन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में कटौती शुक्रवार 20 जून से लागू की जाएगी, जो कम से कम मध्य जुलाई तक जारी रहेगी। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी जियो पॉलिटिकल टेंशन, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में जारी नाइट कर्फ्यू और एयरलाइन की सुरक्षा जांच की वजह से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थिरता आ रही है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद से ही एयर इंडिया को संचालन व्यवधान (ऑपरेशन हर्डल्स) का सामना करना पड़ा है, जिसकी वजह से पिछले 6 दिनों में एयरलाइन की 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में की गई कटौती से प्रभावित होने वाले मुसाफिरों से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। एयर इंडिया की ओर से कहा गया है कि जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं, उन सभी को समय रहते सूचित किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ने की रिकॉर्ड बिक्री, ओला-बजाज को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। टीवीएस आईक्यूब भारतीय बाजार में बिक्री के नए इतिहास रच रहा है। इसने घरेलू बाजार में 6 लाख थोक बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। ओला और बजाज को पीछे छोड़ा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 के आखिर में केवल 1,345 यूनिट की कमी थी, जो मई 2025 के पहले दो दिनों में हासिल की गई, जिसमें 27,642 यूनिट की बिक्री हुई और कुल मिलाकर 6,26,297 यूनिट हो गईं। ये कंपनी का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। ये मई में देश का नंबर-1 ई-स्कूटर भी है। आईक्यूब की पहली 1,00,000 यूनिट की बिक्री में तीन साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा। 1,00,000 से 2,00,000 यूनिट तक का सफर सिर्फ 10 महीने में पूरा कर लिया, जबकि, 3,00,000 यूनिट थोक बिक्री मई 2024 की शुरुआत में पार कर ली, जो 53 महीने या चार साल और चार महीने है। पिछले 3,00,000 यूनिट्स को सिर्फ़ 12 महीनों में पूरे भारत में टीवीएस डीलरों को भेजा गया है, जो ई-स्कूटर की बढ़ती मांग को दर्शाता है। बता दें आईक्यूब को जनवरी 2020 में लॉन्च किया गया था, जो फुल एलईडी लाइट्स, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी से लैस है और इसे एक बड़ी सीट और बढ़िया स्टोरेज स्पेस के साथ एक फैमिली ई-स्कूटर के रूप में पेश किया गया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर को 6,00,000 बिक्री करने में 65 महीने लगे हैं। जैसा कि डेटा दिखता है कि पिछले तीन फाइनेंशियल ईयर में मांग बढ़ी है, जो फाइनेंशियल ईयर 2025 में तेजी से बढ़ेगी।

एनसीआर में खरीद सकते हैं 8 लाख का भू-खंड, पैसे भी किश्तों में चुकाना है

नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने इसके लिए सबसे पुराने आवासीय सेक्टर-18 और 20 में जगह चिह्नित कर ली है। भूखंड की कीमत 7.5 लाख से लेकर 8 लाख रुपये के बीच होगी। योजना में सफल होने वाले आवेदक ढाई मंजिला मकान बना सकेंगे। लोगों को किस्तों में रुपये जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। महत्वपूर्ण शर्त यह रखी जाएगी कि 10 साल तक भूखंड या मकान बेच नहीं सकेंगे। ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी आवास बना सकेंगे। इस वर्ग के लोगों के लिए 30 वर्गमीटर के छोटे भूखंडों की योजना शुरू आएगी। पहले चरण में कुल 4288 भूखंडों की योजना निकाली जाएगी। इस प्रस्ताव को बोर्ड ने बुधवार को मंजूरी दे दी। इस योजना में गौतमबुद्ध नगर और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी ही आवेदन कर सकेंगे। साथ ही, तीन लाख रुपये प्रतिवर्ष आय वाले लोग ही पात्र होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए लाई जाने वाली इस योजना में भारतीय सेना के जवान, पूर्व सैनिकों, युद्ध में शहीद हुए जवान की विधवा, दिव्यांगजनों को 5-5 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

अमेरिकी फेड ने बेंचमार्क ब्याज दर में नहीं किया कोई बदलाव

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी बेंचमार्क ब्याज

दर में कोई बदलाव नहीं किया है। अब यह दर 4.25 फीसदी से 4.5फीसदी के बीच ही बनी रहेगी। यह चौथी बार जब फेड ने दरों को स्थिर रखा है। कमेटी के सदस्यों ने इस फैसले का समर्थन किया। बैठक के बाद फेड ने कहा कि महंगाई अभी भी कुछ हद तक ज्यादा है। साथ ही यह भी बताया गया कि हाल के आंकड़े बताते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती के साथ विकास जारी है। बढ़ती महंगाई की वजह ट्रंप के लगाए गए टैरिफ को बताया फेड ने कहा कि बेरोजगारी दर अब भी कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिससे यह पता चलता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर फेड का भरोसा कायम है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कहा है कि अमेरिका में गर्मी के मौसम में वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। उन्होंने इसकी वजह राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया। चेयरमैन ने कहा कि हम देख रहे हैं कि वस्तुओं की महंगाई थोड़ी बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि गर्मियों में यह और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि टैरिफ का असर पूरी सप्लाई चेन पर पड़ता है, क्योंकि बहुत सी वस्तुएं महीनों पहले आयात की गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि अब कुछ श्रेणियों जैसे पर्सनल कंप्यूटर और ऑडियो-विजुअल उपकरणों में कीमतें बढ़ रही हैं, और यह टैरिफ बढ़ने की वजह से है।

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को तेज रफ्तार : पीयूष गोयल

कहा- मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते होंगे और मजबूत

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। भारतीय यूके जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे।

गोयल ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम इस अनिश्चित विश्व में जो अस्थिरता, अनिश्चितता, चुनौतियों और संकटों से भरा हुआ है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकते हैं। इस समय दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा कि चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए गोयल ने यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहना अनुचित है। भारतीय लोग जब यहां आते हैं तो वे यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं।

एफटीए के लागू होने की समयसीमा के बारे में उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ब्रिटेन की संसद द्वारा उनकी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बहुत जल्द इसे एक लागू करने योग्य समझौते का रूप दे दिया जाएगा। भारत में हमारी प्रक्रिया तुलनात्मक रूप से काफी तेज है, इसलिए जैसे ही कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी और दस्तावेज तैयार हो जाएगा, हम (इसे लागू करने के लिए) तैयार होंगे।'' केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सार्थक वार्ता बैठक आयोजित की। बैठक में दोनों देशों की महत्वाकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाले व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने के हमारे साझा लक्ष्य को दोहराया। इससे पहले पीयूष गोयल ने बुधवार को ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री लिसा नंदी से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि गोयल यूके और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने तथा दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर लंदन में हैं।

सेल ने आईएनएस अर्णाला का उत्पादन करने के लिए आपूर्ति की स्टील

सेल SAIL Steel Authority of India

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। देश की महारत्न कंपनी सेल ने देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट अर्णाला के लिए विशेष इस्पात की ज़रूरत को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आईएनएस अर्नाला को 18 जून को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में बनाए जा रहे अन्य सात एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कोरवेट के लिए भी विशेष इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। रक्षा स्वदेशीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार के तौर पर सेल ने इस परियोजना के लिए आवश्यक जरूरत की विशेष स्टील की आपूर्ति की है। यह देश की आत्मनिर्भर भारत की पहल को लागू करने और आयात पर निर्भरता को कम करने में सेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रभावशाली उदाहरण है। महारत्न कंपनी सेल ने इससे पहले भी आईएनएस विक्रांत, आईएनएस विंध्यगिरि, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस सूरत जैसी कई परियोजनाओं के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति की है।

अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी अनिवार्य, सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

सरकार ने मोबाइल सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया है। अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी यानी नो योर कस्टमर प्रक्रिया को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस फैसला विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा जो अब तक बिना पूरी पहचान के प्रीपेड सिम कार्ड ले लेते थे। पहले तक प्रीपेड ग्राहकों को कुछ हद तक केवॉयसी में छूट दी गई थी, लेकिन अब यह छूट पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। अब चाहे मोबाइल नंबर प्रीपेड हो या पोस्टपेड, ग्राहक को पहचान और पते का प्रमाण भी देना ही होगा। यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से जैसे टेलीकॉम कंपनियों की वेबसाइट या ऐप के जरिए या फिर ऑफलाइन टेलीकॉम स्टोर्स पर जाकर पूरी की जा सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उठाना जरुरी था। मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड जैसी गतिविधियों में किया जाता है। बिना केवॉयसी वाले नंबर इन अपराधों में सहायक हो सकते हैं, इसलिए इस फैसले से इन पर काफी हद तक नियंत्रण लगेगा। इसके अलावा हर मोबाइल नंबर एक वैध और प्रमाणित व्यक्ति से जुड़ा होगा, जिससे सरकार को आपातकालीन सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी में भी मदद मिलेगी। इस नए नियम का असर प्रीपेड मोबाइल यूजर्स पर पड़ेगा। उन्हें अब सिम खरीदते समय पूरी केवॉयसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया थोड़ी समय लेने वाली और असुविधाजनक लग सकती है, लेकिन सरकार का मानना है कि इससे लंबे समय में आम नागरिकों को ही फायदा होगा। वहीं पोस्टपेड यूजर्स पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि वे पहले से ही केवॉयसी प्रक्रिया से गुजर होंगे। हालांकि उन्हें भी समय-समय पर अपनी जानकारी अपडेट करनी होगी। कुल मिलाकर सरकार का यह कदम मोबाइल यूजर्स की सुरक्षा बढ़ाने, डिजिटल ट्रैकिंग को मजबूत करने और अवैध कार्यों को रोकने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

तकनीकी खराबी के कारण लेह जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट दिल्ली वापस लौटी

इंडिगो एयरलाइन की नई दिल्ली से लेह जाने वाली उड़ान संख्या 6ई 2006 तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार सुबह दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रही और उसके बाद उसे आईजीआई हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली से लेह के लिए 19 जून को उड़ान भरने वाली फ्लाइट (6ई-2006) तकनीकी समस्या के कारण अपने मूल स्थान पर लौट आई है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि परिचालन पुनः शुरू करने से पहले विमान का आवश्यक रखरखाव किया जा रहा है। यात्रियों को लेह ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने इस विमान में सफर करने वाले यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। हालांकि, इस विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान 6ई-2006 का संचालन करने वाला 320 विमान दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली लौट आया है। इसके अलावा एक अलग घटना में हैदराबाद से तिरुपति जा रहा स्पाइसजेट एयरलाइन का एक विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस आ गई।

डीपीआईआईटी और योरस्टोरी मीडिया ने देशभर में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अग्रणी डिजिटल प्लेटफॉर्म योरस्टोरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूरे भारत में गतिशील स्टार्टअप का समर्थन करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से डीपीआईआईटी के उप सचिव राजेश कुमार और योरस्टोरी एवं द भारत प्रोजेक्ट की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रद्धा शर्मा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने उद्यमियों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में समावेशी प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साझेदारी नेटवर्क, ज्ञान और सफलता की कहानियों तक पहुंच का विस्तार करेगी, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी संस्थापकों के लिए जिससे भारत की वैश्विक नवाचार केंद्र बनने की यात्रा में तेजी आएगी।

मंत्रालय ने कहा कि यह साझेदारी जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और ग्रामीण भारत में उभरती प्रतिभाओं का समर्थन करने के डीपीआईआईटी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस सहयोग का उद्देश्य भारत परियोजना के तहत एआई-संचालित टूल, वेंचर लॉन्चपैड और क्षेत्रीय भाषा की कहानी कहने की पहल के जरिए एक मिलियन उद्यमियों को सशक्त बनाना है। ये समझौता भारत के प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जुड़ाव बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों को एकीकृत करेगा।

इसके अतिरिक्त यह पहल भारत के स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर जुड़ाव को बढ़ाने के लिए प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रमों और डेवलपर-केंद्रित प्लेटफार्मों का भी लाभ उठाएगी। ये प्लेटफॉर्म इनोवेशन शोकेस, संस्थापक-निवेशक नेटवर्किंग और एआई, जेनएआई, डेटा और ब्लॉकचेन जैसे उभरते क्षेत्रों में सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली,19 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में भी बिकवाल हावी नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती नहीं करने और ईरान-इजराइल के बीच तनाव बढ़ने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स अपने ऊपरी स्तर से 350 अंक से अधिक फिसल कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 5,980.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 19546.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,121.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,843.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,656.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 116.84 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,317.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से इकलौता गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,830 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 267.59 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,617.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत टूट कर 3,911.49 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 443.66 अंक यानी 1.87 प्रतिशत फिसल कर 23,267.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 1.87 प्रतिशत लुढ़क कर 1,074.09 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 263.98 अंक यानी 1.18 प्रतिशत फिसल कर 22,092.75 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 99.83 अंक यानी 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,007.96 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.86 प्रतिशत लुढ़क कर 3,359.78 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,966.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

रवि शास्त्री की शुभमन गिल को सलाह-उन्हें अपना समय लेना चाहिए

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज कल यानी शुक्रवार से शुरु हो रही है। पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा। शुभमन गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इस दौरे पर गई है। भारतीय टीम रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के बिना टेस्ट क्रिकेट में उतरेगी।

ऐसे में 25 साल के गिल की कप्तानी में भारतीय टीम की यह पहली परीक्षा होगी। इस बीच पूर्व क्रिकेटर और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि बतौर कप्तान गिल के लिए ये टेस्ट सीरीज बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। युवा कप्तान को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए धैर्य और संयम की जरुरत है।

रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपना समय लेना चाहिए। यह आसान नहीं होगा। उन्हें एक कठिन काम करने के लिए कहा गया है जो है इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करना।

गिल ने अपने टेस्ट करियर में अभी 32 मैच ही खेले हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में पदार्पण के बाद से इतने मैचों में 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की पिचें हमेशा खिलाड़ियों की परीक्षा लेती हैं। ऐसे में देखना होगा कि बतौर कप्तान शुभमन गिल का करियर कैसे शुरू होता है, वो भी तब जब विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज टीम में नहीं हैं, जिन्होंने टेस्ट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, शास्त्री का मानना है कि यह दौरा युवा खिलाड़ी के करियर के लिए महत्वपूर्ण विकासात्मक चरण साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि ये कभी आसान नहीं होता लेकिन मुझे लगता है कि वह इस अनुभव से सीखेगा। मैंने आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के साथ खेलते हुए उन्हें देखा, वे बहुत ही शांत और संतुलित नजर आए। उनका स्वभाव बहुत अच्छा है। शास्त्री ने कहा, वह एक व्यक्ति के रूप में परिपक्व हो गए हैं, उनके साथ कुछ युवा खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि जहां तक शुभमन गिल की बात है तो यह सीखने का एक मौका है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच कल से लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन में 2 से 6 जुलाई, तीसरा मैच लॉर्ड्स में 10 से 14 जुलाई, चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23 से 27 जुलाई और पांचवां टेस्ट मैच केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा।-

न्यूज ब्रीफ

आलिया एलीन और कियाना जोसेफ आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर दोषी करार

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों आलिया एलीन और कियाना जोसेफ को

दूसरे महिला वनडे मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के कारण आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। यह मुकाबला बीते सप्ताहांत बारबाडोस के ओवल में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ खेला गया था। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असंतोष प्रकट करने से संबंधित है। आलिया एलीन को आउट दिए जाने के बाद खुले हाथों से इशारा करते हुए मैदान छोड़ने में देरी करने पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। कियाना जोसेफ ने यही गलती और अधिक आक्रामक अंदाज में की, जिसके चलते उन्हें मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट पॉइंट दिए गए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध को स्वीकार कर लिया और अंपायरों की सिफारिश पर मैच रेफरी अख्तर अहमद द्वारा सुझाए गए दंड को भी मान लिया। इसलिए किसी भी तरह की औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। चारों अंपायर—जैकलीन विलियम्स, निमाली परेरा, कैंडेस ला बोर्डे (तीसरे अंपायर) और मारिया एबट (चौथे अंपायर)—ने इन खिलाड़ियों पर आरोप लगाए थे। गौरतलब है कि लेवल 1 के उल्लंघन में अधिकतम मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं।

भारत की अंडर-23 टीम ताजिकिस्तान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में 2-3 से हारी

नई दिल्ली। तुरसुंजोदा स्थित टेल्को एरीना में बुधवार को खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना फुटबॉल मुकाबले में भारत की अंडर-23 पुरुष फुटबॉल टीम को ताजिकिस्तान के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। मोहन बागान सुपर जाइंट्स के फॉरवर्ड सुहैल अहमद भट ने 33वें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। यह गोल मैकार्टन की तेज रफ्तार से दाहिनी ओर से भेजी गई लो क्रॉस पर हुआ, जिसे सुहैल ने एक ही टच में गोल में तब्दील कर दिया। हालांकि, भारत को जल्द ही झटका लगा जब एफसी गोवा के मिडफील्डर आयुष देव छेत्री को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर कर दिया गया। इसके बाद 59वें मिनट में मुसो खाखोरोव की क्रॉस पर अंसोर खबीबोव ने गोल कर ताजिकिस्तान को बराबरी दिला दी। हालांकि, 85वें मिनट में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के फॉरवर्ड पार्थिब गोगोई ने मोहम्मद ऐमन के पास पर गोल करते हुए भारत को एक बार फिर से बढ़त दिलाई। ऐमन ने हाफलाइन के पास से इंटरसेप्शन किया और सटीक थ्रू बॉल पर पार्थिब ने गोलकीपर को चकमा देकर गेंद को नेट में डाला।

हैम्पशायर काउंटी क्लब ने तिलक वर्मा के करार की पुष्टि की, चार रेड-बॉल मुकाबलों के लिए टीम में चयन

नई दिल्ली। हैम्पशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भारतीय युवा बल्लेबाज़ तिलक वर्मा के साथ करार की पुष्टि की

है। तिलक रेड-बॉल क्रिकेट के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे और काउंटी चैम्पियनशिप के अगले चार मुकाबलों में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनका पहला मुकाबला 22 से 25 जून तक एसेक्स के खिलाफ चेल्म्सफोर्ड में होगा। भारतीय टीम की ओर से 29 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके तिलक वर्मा ने अब तक 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 749 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक शामिल हैं, जो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पारियों में आए थे। इसके अलावा उन्होंने तीन अर्धशतक भी जड़े हैं, जिसमें साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 72* रनों की पारी शामिल है। टी20 और खासकर आईपीएल में अपने प्रदर्शन के लिए चर्चित तिलक ने 2019 में छोटे फॉर्मेट में पदार्पण किया था। 2022 में मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया और तब से उन्होंने फ्रेंचाइज़ी के लिए 54 मैचों में लगभग 1500 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.47 और स्ट्राइक रेट 144.41 है। जून 2025 तक तिलक वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी भी पूर्ण सदस्य देश के बल्लेबाज़ों में सबसे ऊंचे औसत (49.93) के साथ शीर्ष पर हैं। हैम्पशायर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स व्हाइट ने एक बयान में कहा, तिलक जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को अगले चार मुकाबलों के लिए टीम में पाकर हम बेहद उत्साहित हैं।

डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब-स्पोर्ट्स विलेज का अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस 03 दिसंबर से

हैदराबाद, 19 जून (एजेंसियां)। डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब ने स्पोर्ट्स विलेज के साथ आगामी 3 से 7 दिसंबर, 2025 तक हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस समारोह की मेजबानी करेगा। इस पहल का उद्देश्य खेल और सांस्कृतिक जुड़ाव के माध्यम से दिव्यांग बच्चों की समावेशिता, सशक्तिकरण और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना के विशेष स्कूलों को समावेशी खेल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरक सत्रों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम को एक जीवंत और सहायक मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह उत्सव दिव्यांग छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने, आत्मविश्वास बनाने और खेल के माध्यम से एकता की भावना को अपनाने में सक्षम करेगा।

डेक्कन डेमोक्रेटिक स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष हबीब मोहसिन अल हमीद, जो बरकास क्षेत्र में एक प्रसिद्ध परोपकारी और जमीनी स्तर के खेल प्रमोटर हैं, इस समावेशी कारण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयोजन की तैयारी के हिस्से के रूप में, स्पोर्ट्स विलेज के प्रतिनिधियों ने रणनीतिक समर्थन और साझेदारी पर चर्चा करने के लिए 18 जून को नॉलेज सिटी स्थित अरबिंदो गैलेक्सी टॉवर में री सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के उपाध्यक्ष एम. गौतम रेड्डी से मुलाकात की।

सुश्री मनाल मोहम्मद शम्सुद्दीन, स्पोर्टोलॉजी की संस्थापक, एक युवा-नेतृत्व वाला गैर सरकारी संगठन जो समावेशी खेल और मानसिक स्वास्थ्य वकालत पर केंद्रित है। हाल ही में इंडस इंटरनेशनल स्कूल से स्नातक किया है, उन्होंने इस आयोजन को पूर्ण संगठनात्मक समर्थन देने का वचन दिया है। मोहम्मद शम्सुद्दीन, स्पोर्ट्स विलेज के मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर, तेलंगाना भर में समावेशी खेलों के प्रमुख समर्थक हैं।

जुबली हिल्स के अपोलो हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती ने स्वास्थ्य, कल्याण और सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।एम. गौतम रेड्डी ने उक्त पहल की सराहना की और एक ऐसे समाज के निर्माण के महत्व पर जोर दिया, जहां हर व्यक्ति को, क्षमता की परवाह किए बिना, भाग लेने और आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए।

आयोजन समिति में कॉर्पोरेट, गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और मीडिया आउटलेट्स से उक्त सार्थक पहल को अपना समर्थन देने का आह्वान किया है।

सीपीएल 2025: डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने टिम डेविड के साथ किया करार

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए डिफेंडिंग चैंपियन सेंट लूसिया किंग्स ने आईपीएल विजेता टिम डेविड को ड्राफ्ट के पहले राउंड में अपनी टीम में शामिल किया है। हालांकि, टीम इस बार अपने कप्तान फाफ डु प्लेसिस के बिना मैदान में उतरेगी, जिन्होंने इस बार सीपीएल के बजाय 'द हंड्रेड' में खेलने को प्राथमिकता दी है। डु प्लेसिस सदर्न ब्रेव के लिए खेलेंगे, जो कि आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप की संभावित नई संपत्ति है। जीएमआर ग्रुप ने पिछले साल होस्ट काउंटी हैम्पशायर का अधिग्रहण किया था। मोईन अली सीपीएल में, राशिद खान बाहर इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, जिन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, इस बार 'द हंड्रेड' छोड़कर सीपीएल खेलेंगे। उन्हें गयाना अमेजन वॉरियर्स ने सातवें राउंड में दोबारा साइन किया। वहीं इमरान ताहिर (46 वर्ष) को भी अमेजन वॉरियर्स ने पहले पिक के रूप में बनाए रखा। दिग्गज स्पिनर राशिद खान इस बार भी सीपीएल में नहीं खेलेंगे, लेकिन अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ियों की उपस्थिति बनी रहेगी। एएम गजनफर, जो इस समय टी20 ब्लास्ट में डर्बीशायर के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, फाल्कन्स में शामिल होंगे। अन्य प्रमुख ट्रांसफर और साइनिंग त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने मोहम्मद आमिर और पहली बार खेलने जा रहे उस्मान तारीक को साइन किया है। फाल्कन्स ने इमाद वसीम और शाकिब अल हसन को अपनी शुरुआती पसंद के रूप में जोड़ा। बारबाडोस रॉयल्स के लिए मुझेब उर रहमान और अजमतुल्लाह ओमारजई वापसी करेंगे। ग्लेन फिलिप्स अमेजन वॉरियर्स में शामिल होंगे, जबकि टिम सिफर्ट किंग्स में बने रहेंगे। कोलिन मुनरो और डैरेन ब्रावो टीकेआर में वापसी करेंगे, जहां ड्वेन ब्रावो अब मुख्य कोच की भूमिका में होंगे। ब्रेकआउट लीग से उभरते खिलाड़ियों को मौका सीपीएल 2025 में हर फ्रेंचाइज़ी को हर मैच में ब्रेक आउट लीग का कम से कम एक खिलाड़ी खिलाना अनिवार्य होगा। इससे फ्रेंचाइज़ी को अपनी प्लेइंग इलेवन में पांच विदेशी खिलाड़ी शामिल करने का विकल्प भी मिलेगा। सेंट लूसिया किंग्स ने लोकल खिलाड़ी अकीम ऑगस्टे को दोबारा टीम में शामिल किया। त्रिनिदाद एंड टोबैगो लीजियंस को ब्रेकआउट लीग खिताब जिताने वाले कप्तान जोशुआ डा सिल्वा अब अपने घरेलू फ्रेंचाइज़ी टीकेआर से जुड़ेंगे। जाइड गूली, जो हाल ही में सीनियर वेस्टइंडीज टीम में चयनित हुए हैं, को पैट्रियट्स ने साइन किया है। सीपीएल 2025 सभी टीमों की पूरी स्क्वॉड: सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स: काइल मेयर्स, जेसन होल्डर, राइली रूसो, एविन लुईस, फजलहक फारूकी, कोर्बिन बॉश, वाकर सलामखेल, आंद्रे फ्लेचर, अलिक अथानाजे, मोहम्मद नवाज, डोमिनिक ड्रेक्स, मिकाइल लुईस, एशमेड नेड, जेरमियाह लुईस, जाइड गूली, नाविन बिदाईसी, लेनिको बुचर एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स: इमाद वसीम, शाकिब अल हसन, फेबियन एलेन, नावीन-उल-हक, ओबेड मैकॉय, जस्टिन ग्रीव्स, बेवन जैकब्स, जेडन सील्स, एएम गजनफर, रहकीम कॉर्नवाल, ओडियन स्मिथ, ज्वेल एंड्रयू, शमार स्प्रिंगर, अमीर जंगू, करीमा गोर, केविन विकहम, जोशुआ जेम्स।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ईरान बाज नहीं ...

लगातार सम्पर्क में हैं। पुतिन ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस लड़ाई को रोकने के रास्ते खोजे जाएं और ऐसा समाधान निकाला जाए जो इजराइल की सुरक्षा और ईरान के हितों दोनों का सम्मान करे। पुतिन ने यह भी पुष्टि की कि रूस के वर्कर ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में काम कर रहे हैं, और इजराइल से सहमति बनी है कि वह इन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। पुतिन ने साफ किया कि रूस और ईरान के बीच परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग जारी रहेगा।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पेशकश की है कि वे ईरान और इजराइल के बीच जारी जंग में मध्यस्थता करा सकते हैं। पुतिन ने कहा कि मॉस्को ऐसा समझौता करा सकता है, जिससे ईरान शांतिपूर्ण तरीके से अपना परमाणु कार्यक्रम भी संचालित कर सकेगा और इजराइल की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा। पुतिन ने कहा, मैंने अपना प्रस्ताव ईरान, इजराइल और अमेरिका को भेज दिया है। हम किसी पर भी कुछ भी नहीं थोप रहे हैं। हम बस बात करना चाहते हैं कि इस हालात में क्या रास्ता हो सकता है। कोई भी फैसला इन देशों के नेतृत्व को ही करना है। पुतिन ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ की और यूक्रेन में शांति कराने के उनके वादे को भी समर्थन दिया। पुतिन ने भी माना कि ट्रंप अगर 2022 में सत्ता होते तो शायद रूस और यूक्रेन का युद्ध हुआ ही नहीं होता। पुतिन ने कहा कि वे युद्ध विराम के लिए यूक्रेन से बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की वैधानिकता पर सवाल उठाए, जिनका कार्यकाल बीते साल ही पूरा हो चुका है।

भारत-पाक युद्ध...

नहीं किया जा सकता बल्कि डायलॉग और डिप्लोमेसी से किया जा सकता है। क्रोएशिया और भारत के बीच कई अहम मसलों पर एक साथ काम करने के लिए सहमति बनी। पीएम मोदी ने दौरे के बाद आतंकवाद और दोनों देशों की सुरक्षा और संप्रभुता पर अपनी बात रखी।

क्रोएशिया में पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने दौरा किया है। यूरोप का यह एक छोटा सा देश है। क्रोएशिया के जाग्रेब में पहुंचने के बाद मंत्रोच्चार से पीएम मोदी का स्वागत किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने क्रोएशिया में रह रहे भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की। यहां लगभग 17,000 भारतीय मूल के लोग रहते हैं। लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात के दौरान वंदे मातरम, जय श्री राम और मोदी-मोदी के नारे लगाए।

अपने दौरे में प्रधानमंत्री मोदी ने क्रोशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ राष्ट्रपति जोरन मिलानोविच से भी मुलाकात की। इस दौरान भारत और क्रोएशिया के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, सेमीकंडक्टर और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में साथ काम करने के लिहाज से कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें से सबसे अहम रक्षा सहयोग योजना रही जिसे मजबूत करने पर दोनों देशों की सहमति बनी। दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे मित्र देश का साथ हमारे दौरे के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। क्रोएशिया और भारत इस बात पर सहमत है कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती।

पीएम मोदी ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हमारी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने में क्रोएशिया का समर्थन और सहयोग काफी महत्वपूर्ण है। दोनों देश इस बात का समर्थन करते हैं कि यूरोप हो या एशिया किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि से नहीं किया जा सकता बल्कि डायलॉग और डिप्लोमेसी से किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, किसी भी देश की अखंडता और संप्रभुता का सम्मान आवश्यक है। क्रोएशिया में आना मेरे लिए एक विशेष पल है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी ने पहली बार तीन देशों के दौरा किया। इसके तहत पहले वह साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया का दौरा शामिल था।

जी-7 शिखर सम्मेलन के दरम्यान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई देशों के नेताओं से मुलाकात की। पीएम मोदी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शेनबॉम समेत कई अन्य नेताओं से मिले और द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी और पीएम मेलोनी के बीच हुई वार्ता में दोनों देशों ने भारत-इटली संबंधों को बेहतर करने की बात कही। इस दौरान ग्लोबल साउथ और इंडो-पैसिफिक जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पीएम मोदी ने इटली में भारतीय सेना के योगदान को याद करते हुए मेमोरियल की योजना का जिक्र किया। मेलोनी ने इसे मूल्य आधारित साझेदारी बताया और सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई। इस मुलाकात से दोनों देशों के रिश्ते और गहरे होंगे। इस बैठक में दोनों देशों के पीएम ने भारत और इटली के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की और आपसी सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल कर अपनी प्रसन्नता जाहिर की और कहा, मोदी बेस्ट हैं, मैं भी मोदी तरह बनना चाहती हूं। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर लिखा, इटली और भारत गहरी दोस्ती से जुड़े हैं। इस पर पीएम मोदी ने भी जवाब में लिखा, मैं आपसे सहमत हूं, हमारी दोस्ती मजबूत होगी और लोगों को फायदा होगा।

विश्व में...

समावेशन दर हासिल किया है। भारत अब डिजिटल भुगतान के लेनेदेन का करीब आधा हिस्सा यानी 48.5 फीसदी यूपीआई से कर रहा है। इतना ही नहीं, दुनियाभर में 35 करोड़ से ज्यादा यूजर यूपीआई इकोसिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। दुनिया के कई देश जैसे भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई अब यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वित्त मंत्री के मुताबिक भारत में जितना इनो-वेशन हो रहा है वो दूसरे देशों के लिए सपने से कम नहीं है। उन्होंने कहा, कई उन्नत देश हमारी फिनटेक कंपनियों द्वारा बनाए गए रफ्तार के करीब भी नहीं हैं, यह भारतीय फिनटेक क्षेत्र के लिए बहुत ही काबिले तारीफ है। भारत की कंपनियों और एक्सपोर्टरों का लक्ष्य अब ग्लोबल मार्केट पर कब्जा होना चाहिए। हमारे पास टैलेंट है, उच्च मापदंड और हर समस्या का समाधान मौजूद हैं। कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन पेमेंट ऐप लाइफ लाइन बन गई। जब सभी अपने घर में बंद थे और बाहर सुनसान था तो बगैर सम्पर्क में आए भुगतान और डोरस्टेप बैंकिंग को मजबूत किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारत का डिजिटल भुगतान सूचकांक, जो डिजिटल भुगतान के समग्र उपयोग को मापता है, पिछले पांच वर्षों में चौगुना हो गया है, 2018 में 100 से 2024 में 465 तक। दुनिया के सभी डिजिटल भुगतान लेनदेन का 48.5 प्रतिशत से अधिक भारत में होता है। 35 करोड़ से अधिक यूजर्स यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं।

कनाडा से भारत में ...

शामिल हुए। साल 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई थी। कनाडा की जांच एजेंसियों ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का दावा किया था। हालांकि भारत ने हमेशा इससे इन्कार किया।

भारत ने कनाडा पर भारत-विरोधी तत्वों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। अब कनाडा में मार्क कार्नी की सरकार सत्ता में आने के बाद फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों में मिठास आनी शुरू हो गई है। दोनों नेता राजनयिक संबंध फिर से स्थापित करने और व्यापार संबंधी बातचीत फिर से शुरू करने के लिए सहमत हुए हैं।

योगिनी एकादशी कल मनाई जाएगी

सनातन धर्म में एकादशी तिथि को बेहद शुभ माना गया है। हर महीने में 2 बार एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण और दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं। जुलाई के महीने में योगिनी एकादशी और देवशयनी एकादशी पड़ेगी। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि जगत के नाथ भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन योगिनी एकादशी मनाई जाती है। 21 जून को योगिनी एकादशी है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, योगिनी एकादशी व्रत करने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। योगिनी एकादशी का दिन पूर्ण रूप से भगवान विष्णु की उपासना के लिए समर्पित होता है। योगिनी एकादशी पर वैष्णव समाज के लोग व्रत रख विधि-विधान से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि पाने के लिए विशेष उपाय भी करते हैं। भगवान विष्णु की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार सच्चे मन से एकादशी व्रत करने से जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि लोगों को यह व्रत जरूर रखना चाहिए।

साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। यह सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती हैं। ऐसे में कुछ लोग निर्जला उपवास भी रखते हैं, जो बेहद कठिन होता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि जो भी एकादशी का व्रत रखता है, उसपर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे में आषाढ़ माह में आने वाली योगिनी एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस बार 21 जून के दिन ये व्रत रखा जाएगा। मान्यता है कि योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा-अर्चना करने पर पापों से मुक्ति मिलती है।

योगिनी एकादशी

पंचांग के अनुसार आषाढ़ कृष्ण एकादशी तिथि 21 जून को सुबह 7.19 बजे शुरू होगी और 22 जून को सुबह 4.28 बजे समाप्त होगी। ऐसे में योगिनी एकादशी का व्रत 21 जून 2025 को ही रखा जाएगा। वहीं योगिनी एकादशी का पारण 22 जून को होगा। योगिनी एकादशी व्रत के पारण का शुभ मुहूर्त 22 जून को दोपहर 1.47 बजे से शाम 4.35 बजे के बीच है। पारण तिथि पर हरि वासर समाप्त होने का समय सुबह 9.41 बजे है।

पूजा विधि

योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा का विधान है। साथ ही पीपल के वृक्ष की पूजा भी करनी चाहिए। इस दिन प्रातः काल उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करना अधिक शुभ होता है। फिर भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद उनकी विधि अनुसार पूजा करे और योगिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ें। बाद में विष्णु जी की आरती करें। इस दिन आप जरूरतमंद लोगों को भोजन व दान दक्षिणा भी दे सकती हैं, इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जाप

विष्णु गायत्री मंत्र : ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

विष्णु मंगल मंत्र

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुणध्वजः। मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

योगिनी एकादशी व्रत के नियम

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि योगिनी एकादशी व्रत के दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी का व्रत नहीं रखने वालों को भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन बाल, नाखून, और दाढ़ी कटवाने की भूल न करें। योगिनी एकादशी के दिन ब्राह्मणों को कुछ दान अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत के पारण के बाद अन्न का दान करना शुभ माना गया है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

योगिनी एकादशी के दिन रोगदोष से छुटकारा पाने के लिए क्या करें और क्या करने से बचें?

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी का व्रत और भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। यह व्रत आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार, यह व्रत समस्त पापों को नष्ट करने वाला माना गया है। मान्यता है कि इस व्रत का फल लाखों ब्राह्मणों को भोजन कराने के समान पुण्यदायक होता है। जो व्यक्ति श्रद्धापूर्वक योगिनी एकादशी का व्रत करता है और भगवान विष्णु की पूजा करता है, उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्हें यमदूतों के बजाय देवदूत आकर स्वर्ग की ओर ले जाते हैं। योगिनी एकादशी का व्रत व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। योगिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा करने और कुछ विशेष उपाय करने से आर्थिक समस्याओं का अंत होता है और जीवन में सुख-संपदा बढ़ती है। अब ऐसे में योगिनी एकादशी के दिन क्या करना चाहिए और क्या करना चाहिए।

योगिनी एकादशी के दिन क्या करना चाहिए?

योगिनी एकादशी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत हो जाएं। स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। संकल्प लेते समय अपनी मनोकामना भी दोहराएं।

अपनी श्रद्धा अनुसार अन्न, वस्त्र, जल या धन का दान करें। ब्राह्मणों और गरीबों को दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

एकादशी के दिन अन्न का सेवन वर्जित है। आप फल, दूध, दही, साबूदाना, कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा आदि का सेवन कर सकते हैं।

अगले दिन द्वादशी को सूर्योदय के बाद ब्राह्मण को भोजन कराकर या दान देकर व्रत का पारण करें। पारण हमेशा शुभ मुहूर्त में ही करना चाहिए।

इस दिन कोशिश करें कि अगर आपके घर कोई आए तो उसे कुछ न कुछ जरूर दें।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मंत्रों के जाप के साथ-साथ स्तोत्र का पाठ जरूर करना चाहिए।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा में केले के पत्ते का उपयोग जरूर करें और तुलसीदल का प्रयोग करें।

योगिनी एकादशी के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

योगिनी एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित होता है और यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष में आता है। इस दिन कुछ विशेष नियमों का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस दिन तामसिक भोजन का सेवन करने से बचना चाहिए।

योगिनी एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। तुलसी के पत्तों की आवश्यकता हो तो एक दिन पहले ही तोड़कर रख लें।

काले रंग को नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए एकादशी के दिन काले रंग के वस्त्र धारण करने से बचें। पीले रंग के वस्त्र शुभ माने जाते हैं। इस दिन किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए, न ही अहंकार दिखाना चाहिए या किसी का अपमान करना चाहिए।

घर की दरिद्रता करना चाहती हैं दूर तो योगिनी एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी का व्रत रखना बहुत पुण्यकर माना जाता है। इस व्रत को रखने और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत न केवल शारीरिक कष्टों और बीमारियों को दूर करता है बल्कि 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य भी प्रदान करता है। इसके अलावा, योगिनी एकादशी के दिन दाना का भी बहुत महत्व माना जाता है।

योगिनी एकादशी का दान

योगिनी एकादशी के दिन गेहूं, चावल, दालें, या पका हुआ भोजन जैसे खिचड़ी, पूड़ी-सब्जी। आप किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को, मंदिर में या किसी गौशाला में दान कर सकते हैं। अन्न का दान शास्त्रों में सर्वोत्तम दान माना गया है। इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है। यह व्यक्ति के पिछले जन्मों के पापों को भी नष्ट करता है और भविष्य में सुख-समृद्धि लाता है। ज्योतिष के अनुसार, अन्न दान से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और दरिद्रता दूर होती है।

गरीबों या जरूरतमंदों को साफ और नए कपड़े दान करें। विशेष रूप से पीले रंग के वस्त्र दान करना शुभ माना जाता है क्योंकि पीला रंग भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। वस्त्र दान से व्यक्ति को मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह घर में सुख-शांति लाता है और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। ज्योतिष में, पीले वस्त्रों का दान बृहस्पति ग्रह को मजबूत करता है जिससे ज्ञान, भाग्य और समृद्धि बढ़ती है।

प्यासे लोगों को पानी पिलाएं, सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करें या जल से भरे कलश का दान करें। जल का दान जीवन और तृप्ति का प्रतीक है। इससे पितरों को शांति मिलती है और व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है। ज्योतिष में जल दान चंद्रमा ग्रह को शांत करता है जिससे मन की चंचलता दूर होती है और भावनात्मक स्थिरता आती है।

मंदिर में, पीपल के पेड़ के नीचे या तुलसी के पौधे के पास घी या तेल का दीपक जलाएं। दीप दान करने से जीवन से अंधकार दूर होता है और ज्ञान का प्रकाश फैलता है। यह घर की दरिद्रता दूर करता है और सभी इच्छाओं की पूर्ति में सहायक होता है। ज्योतिष के अनुसार, दीप दान करने से सूर्य और मंगल जैसे ग्रहों के शुभ प्रभाव बढ़ते हैं जो ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता प्रदान करते हैं।

अपनी क्षमतानुसार ब्राह्मणों, जरूरतमंदों या धार्मिक संस्थाओं को धन दान करें। धन का दान व्यक्ति के अंदर की लोभ की भावना को कम करता है और उदारता बढ़ाता है। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। ज्योतिष में धन का दान शुक्र ग्रह को बल देता है जिससे सुख, ऐश्वर्य और भौतिक समृद्धि आती है। मौसमी फल जैसे आम, केला, सेब आदि का दान करें। फलों का दान आरोग्य और खुशहाली लाता है। यह जीवन में मिठास भरता है और संतोष की भावना प्रदान करता है। इन चीजों का दान करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान निस्वार्थ भाव से और पूरी श्रद्धा के साथ किया जाए। दिखावे के लिए किया गया दान उतना फलदायी नहीं होता जितना सच्चे मन से किया गया दान।

साल का सबसे बड़ा दिन बताता है सूर्य-चंद्र का प्रभाव!

प्रत्येक वर्ष में चार ऐसी खगोलीय घटना होती हैं जिनमें 21 मार्च और 23 सितम्बर को दिन-रात की अवधि एक समान हो जाती है, वहीं दो दिन ऐसे होते हैं जब दिन सबसे छोटा या सबसे बड़ा होता है। भारत में हर वर्ष 20 या 21 जून साल का सबसे बड़ा दिन होता है, तो 21 या 22 दिसम्बर सबसे छोटा दिन होता है।

अयनकाल एक खगोलीय घटना है, जो हर साल दो बार- एक बार ग्रीष्म ऋतु और दूसरी बार शीत ऋतु के समय घटित होती है। अयनकाल वह समय है, जब हर साल सूर्य आकाश में अपनी सर्वोच्च अवस्था में स्थित हो जाता है, जैसा कि- उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव से देखा जाता है, तब पृथ्वी की धुरी का झुकाव अधिकतम 23ओ 26' होता है।

मान्यताओं के अनुसार 21 जून यदि अच्छा गुजरता है तो व्यक्ति को चंद्र से संबंधित सामग्री... चावल, दूध, सफेद रंग की वस्तुएं आदि दान में देनी चाहिए। यदि 21 जून अच्छा नहीं गुजरता है तो व्यक्ति को सूर्य से संबंधित सामग्री... सोना, गेहूं, स्वर्णिम रंग की वस्तुएं आदि दान में देनी चाहिए!

एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने कौन सा दीया जलाना चाहिए?

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी को बहुत पुण्यकर माना जाता है क्योंकि इस एकादशी का व्रत रखने से आध्यात्मिक उन्नति होती है, ध्यान और योग के माध्यम से भगवत ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है एवं इस एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है और उसकी भीतर की चेतना भी जागृत होती है या यूं कहें कि मजबूत होती है।सरल शब्दों में समझाएं तो योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर बढ़ती है। इसी कारण से इस व्रत के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करते हुए ध्यान लगाना बहुत आवश्यक माना गया है। वहीं, दूसरी ओर इस दिन भगवान विष्णु की आराधना के दौरान विशेष दीया जलाने का भी महत्व और लाभ है। योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने पूजा के दौरान गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाना चाहिए।

गेंदे का फूल बृहस्पति ग्रह से संबंधित माना जाता है। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि, समृद्धि, सौभाग्य, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। वहीं, कपूर को ज्योतिष में शुक्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। शुक्र ग्रह ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि, सौंदर्य, प्रेम और दांपत्य जीवन का कारक है।

ऐसे में भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है, शिक्षा में सफलता मिलती है और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। यह दीया जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न हो जाते हैं।

भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से संतान संबंधी समस्याओं और विवाह में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलता है। भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से क्ति के भीतर के अहंकार का नाश होता है और विनम्रता बढ़ती है। शांति का अनुभव होता है और मानसिक तनाव कम होता है। चूंकि भगवान विष्णु पितरों के देवता हैं, ऐसे में इससे पितृ दोष भी दूर होता है।

शुभ लाभ

साउथ ही नहीं बॉलीवुड की भी 'सिंघम गर्ल' हैं काजल अग्रवाल

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाली 'सिंघम गर्ल' काजल अग्रवाल का 19 जून को 40वां जन्मदिन है। तेलुगू, तमिल और हिंदी सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग से लाखों दिलों पर राज करने वाली काजल न केवल साउथ बल्कि बॉलीवुड की भी 'सिंघम गर्ल' हैं।

आज के समय में काजल की गिनती भले ही इंडस्ट्री की सबसे सफल अभिनेत्रियों में की जाती है, मगर काजल ने साल 2004 में बॉलीवुड फिल्म 'क्यों! हो गया ना...' में ऐश्वर्या राय की दोस्त का छोटा सा रोल निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड से शुरुआत करने के बावजूद उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका, लिहाजा उन्होंने साउथ सिनेमा की ओर रुख किया। साउथ सिनेमा से ही उन्हें असली पहचान मिली।

साल 2007 में तेलुगू फिल्म 'लक्ष्मी कल्याणम' से डेब्यू के बाद उसी साल 'चंदमामा' ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। उनकी सफलता में अहम रोल निभाया साल 2009 में आई 'मगधीरा' ने, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। राम चरण के साथ उनकी जोड़ी और राजकुमारी 'इंदु' के किरदार ने खूब वाहवाही बटोरी। यह फिल्म तेलुगू सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही।

इसके बाद 'डार्लिंग', 'बृंदावनम', 'मिस्टर परफेक्ट', 'बिजनेसमैन', 'नायक', 'बादशाह', 'टेंपर' और 'कैदी नंबर 150' जैसी तेलुगू सफल फिल्मों ने उन्हें साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक बना दिया। तेलुगू के साथ ही काजल ने तमिल सिनेमा में भी खास मुकाम हासिल किया। 'नान महान अल्ला', 'थुप्पक्की', 'जिल्ला', 'विवेगम' और 'मेर्सल' जैसी फिल्मों ने उनकी एक्टिंग का लोहा मनवाया।साल 2004 के बाद काजल ने 2011 में 'सिंघम' के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी की। अजय देवगन के साथ उनकी केमिस्ट्री और 'काव्या भोसले' का किरदार दर्शकों को खूब भाया। इस फिल्म ने उन्हें 'बेस्ट फीमेल डेब्यू' के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन भी दिलाया। बॉलीवुड में सफलता का सिलसिला थमा नहीं और साल 2013 में 'स्पेशल 26' के साथ यह आगे बढ़ा, जिसमें अक्षय कुमार के साथ उनकी परफॉर्मेंस को भी सराहा गया। हालांकि, बॉलीवुड में उनकी फिल्में कम रहीं, लेकिन हर रोल में उन्होंने अपनी शानदार छाप छोड़ी।19 जून, 1985 को मुंबई में जन्मीं काजल एक पंजाबी परिवार से हैं। उनके पिता विनय अग्रवाल, बिजनेसमैन हैं, जबकि उनकी मां सुमन अग्रवाल, उसी कंपनी में मैनेजर हैं। उनकी छोटी बहन निशा अग्रवाल भी साउथ सिनेमा में एक्टिव हैं। काजल ने मुंबई के सेंट ऐन्स हाई स्कूल और जय हिंद कॉलेज से पढ़ाई की, फिर के.सी. कॉलेज से मास मीडिया में ग्रेजुएशन किया। 30 अक्टूबर, 2020 को काजल ने मुंबई के बिजनेसमैन गौतम किचलू से शादी की थी। 2022 में उन्होंने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने नील रखा है।

काजल फिलहाल 'इंडियन 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनकी झोली में तेलुगू फिल्म 'कन्नप्पा' भी है, जिसमें वह माता पार्वती देवी की भूमिका में हैं। फिल्म में अक्षय कुमार भी कैमियो करेंगे। इसके अलावा, 'उमा' और 'काजल कार्तिका' जैसी फिल्में भी उनके खाते में हैं।

सावन से पहले प्यार की बरसात

माधवन की फिल्म आप जैसा कोई का गीत जब तू साजन रिलीज

माधवन और फातिमा सना शेख की आने वाली नेटफ्लिक्स फिल्म आप जैसा कोई का पहला गाना रिलीज हो चुका है, और फैंस इस मधुर गीत को सुनकर थम नहीं रहे। इस गाने का नाम है 'जब तू साजन', जो एक सौम्य और भावनात्मक अनुभव है- धीरे-धीरे हमें भावनाओं, नजरों और अनकहे एहसासों की दुनिया में ले जाता है। यह ट्रैक एक धीमी, भावात्मक लहर की तरह है जो हमें प्यार के पहले एहसास और इंतजार की दुनिया में ले जाता है। आर. माधवन और फातिमा सना शेख इसमें एक सधी हुई भावनात्मक और काव्यात्मक केमिस्ट्री को सामने लाते हैं। यह गीत एक मानसूनी ख्वाब की तरह लगता है सौम्य, उदास, अविस्मरणीय। आर. माधवन ने इंस्टाग्राम पर गाना शेयर करते हुए कहा: माफ़ करें मैंने इसे एक बार सुना था और मैं इसका दीवाना हो गया। क्या आपके साथ भी ऐसा ही हुआ? और अगर फैंस के कमेंट्स और रिएक्शंस देखें, तो हां मैडी! हमारे साथ भी बिल्कुल वैसा ही हुआ। मोहित चौहान द्वारा गाया और रोचक कोहली और शरण रावत द्वारा प्रोड्यूस किया गया, जब तू साजन पहले से ही प्लेलिस्ट, रील और दिलों में अपनी जगह बना रहा है। यह एक ऐसा गाना है जिसे आप सिर्फ सुनते नहीं हैं, आप इसे महसूस करते हैं। यह है क्लासिक आर. माधवन जादू, वही जादू जिसने एक बार हमें 'रहना है तेरे दिल में' के दौरान प्यार में डाल दिया था, अब और भी परिपक्वता, शांत और एक भावपूर्ण नज़र के साथ लौटा है जो केवल मैडी कर सकते हैं।

यह फिल्म उनके शानदार करियर के एक और ऊंचे मुकाम की तरह है। 'शैतान' में उनके डरावने अभिनय से लेकर 'टेस्ट' में उनकी भावनात्मक गहराई,' द रेलवे मैन' में उनकी प्रशंसित भूमिका, और 'केसरी चैप्टर 2' में उनके जटिल किरदार तक - वह लगातार छा रहे हैं। आप जैसा कोई नेटफ्लिक्स पर 11 जुलाई को रिलीज हो रही है, और मैडी एक बार फिर अपनी पूरी रोमांटिक शान में नज़र आने वाले हैं।

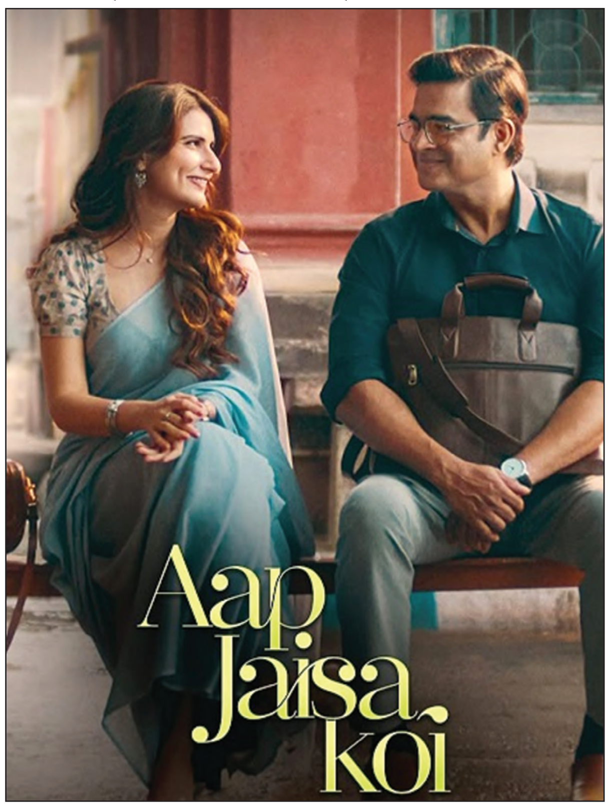

फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट आई सामने, अजय देवगन ने शेयर किया पोस्टर

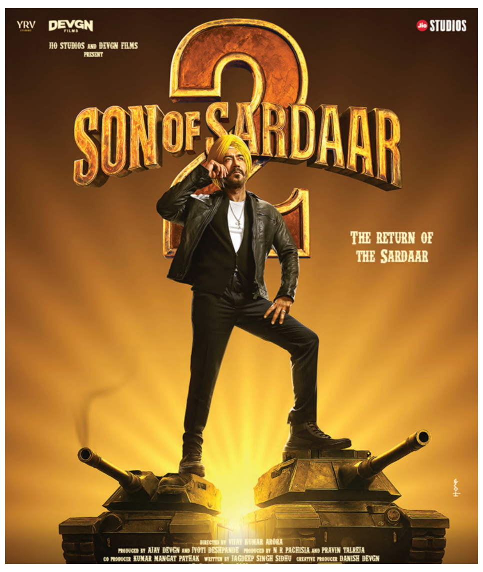

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपनी सुपहिट फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज डेट का ऐलान किया, जिसका आधिकारिक नाम द रिटर्न ऑफ द सरदार रखा गया है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह पगड़ी पहने नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्टर के साथ लिखा, द रिटर्न ऑफ द सरदार अब 25 जुलाई को नजदीकी सिनेमाघरों में।

इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग सरदार इज बैक और सन ऑफ सरदार 2 लिखा। कॉमेडी फिल्म द रिटर्न ऑफ द सरदार 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि यह फिल्म 2012 की हिट 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। इसमें अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर भी खास भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म को जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और टी-सीरीज ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक्शन, कॉमेडी और भरपूर ड्रामा देखने को मिलेगा।हाल ही में मृणाल ठाकुर ने भी एक फोटो शेयर की थी, जिसमें वह हाथ में एक क्लैपबोर्ड पकड़ती नजर आई, जिसमें सन ऑफ सरदार 2 लिखा था।अपनी इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सीन 49, शॉट 5, टेक वन, एक्शन!

साल 2012 में रिलीज हुई सन ऑफ सरदार में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में थीं। उस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। सीक्वल में संजय दत्त एक बार फिर डॉन के किरदार में लौटेंगे। वहीं, इसमें पहले विजय राज के लिए लिखा गया किरदार अब संजय मिश्रा निभाते दिखेंगे। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी यह नई फिल्म करीब 12 साल बाद आ रही है।सन ऑफ सरदार 2 की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी से होगी। मैडॉक फिल्म्स की परम सुंदरी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो उत्तर और दक्षिण भारत से है। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और इसे दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है।

श्रुति हासन को लेकर बोले अर्जन बाजवा

टैलेंट पिता से, लेकिन पहचान खुद के दम पर बनाई

अभिनेता अर्जन बाजवा ने वेब सीरीज बेस्टसेलर में एक्ट्रेस श्रुति हासन के साथ काम करने के अपने अनुभव को आईएएनएस से साझा किया। उन्होंने श्रुति की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। अर्जन बाजवा ने कहा कि श्रुति ने खुद के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई भाषाओं में काम किया और साथ ही अपना म्यूजिक टैलेंट भी दिखाया है। उनकी कामयाबी उनकी अपनी मेहनत की वजह से है।

आईएएनएस से बात करते हुए अर्जन ने आगे ने कहा, ''श्रुति हासन के साथ काम करना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। वह बहुत टैलेंटेड हैं, कई भाषाएं बोल लेती हैं और तेलुगू, तमिल, हिंदी और इंग्लिश फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह एक बेहतरीन सिंगर भी हैं। हमारे बीच अच्छी दोस्ती हो गई है।

उन्होंने कहा, ''श्रुति को अपने पिता कमल हासन से टैलेंट मिला है, लेकिन उन्होंने अपनी पहचान खुद के दम पर बनाई है। इसके अलावा, उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है। बता दें कि अर्जन बाजवा ने श्रुति हासन के साथ 2022 में रिलीज हुई साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज 'बेस्टसेलर' में काम किया था। यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

मीनाक्षी शेषाद्रि खास अंदाज में ले रही मानसून का मजा

अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि मानसून के मौसम का मजा ले रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी 1986 की फिल्म स्वाति के एक गाने पर डांस किया। उन्होंने कहा कि यह गाना बरसात शुरू होने से ठीक पहले रिलीज हुआ था। उनका यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। लोग उनके इस अनोखे अंदाज को सराह रहे हैं। मीनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'आने दो अब जुबां पर' गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। यह गाना आशा भोसले और मनहर उधास ने गाया है।

वीडियो शेयर करते हुए मीनाक्षी ने लिखा, बरसात के मौसम में बाहर डांस करना बहुत अच्छा और रोमांचक लगता है। यह गाना मेरी फिल्म 'स्वाति' का है, जो बारिश शुरू होने से पहले रिलीज हुआ था। स्वाति एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसे कांति कुमार ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्रि, शशि कपूर, शर्मिला टैगोर, माधुरी दीक्षित, राजा बुंदेला, विनोद मेहरा, अकबर खान और सारिका जैसे कई मशहूर कलाकारों ने काम किया। यह फिल्म डायरेक्टर की अपनी तेलुगु फिल्म स्वाति की ही रीमेक है।

स्वाति की कहानी शारदा नाम की महिला की है। उसने अपने जीवन में काफी दुख और बुरा समय झेला है। इसके बाद वह अपना गांव छोड़ देती है और अपनी बेटी स्वाति के साथ नई जिंदगी शुरू करती है। स्वाति बड़ी होकर आजाद ख्यालों वाली लड़की बनती है, जो किसी से नहीं डरती। मीनाक्षी शेषाद्रि के करियर की बात करें तो वह 1980 और 1990 के दशक में हिंदी फिल्मों की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक थीं। उन्होंने 1983 में पेंटर बाबू फिल्म से करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने दूसरी फिल्म हीरो की, जो बहुत बड़ी हिट साबित हुई और एक ही झटके में वह स्टार बन गईं। मीनाक्षी ने आंधी-तूफान, मेरी जंग,स्वाति, डकैत, इनाम दस हजार, शहंशाह, आवारगी, घर हो तो ऐसा, दामिनी और घातक जैसी फिल्मों में काम करके बहुत नाम कमाया।

जान्हवी, मानुषी और अनन्या पांडे : कैसे बॉलीवुड की नई पीढ़ी ग्लोबल लग्ज़री फैशन ब्रांड्स पर छा रही है!

बॉलीवुड अब ग्लोबल हो चुका है और हम सिर्फ फिल्मों की अंतरराष्ट्रीय पहुंच की बात नहीं कर रहे, बल्कि उस फैशन क्रांति की, जो हमारी बी-टाउन डिवाज़ ने रच दी है। नई पीढ़ी की अभिनेत्रियां न केवल अपनी भूमिकाओं के साथ बल्कि अपने फैशन विकल्पों के साथ भी नए आयाम स्थापित कर रही है, हम यह देखने से खुद को रोक नहीं पाते कि कैसे वे दुनिया के टॉप लग्जरी ब्रांड्स के साथ जुड़कर ग्लोबल फैशन मार्केट में अपना नाम बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

जान्हवी कपूर: जान्हवी की स्टाइलिंग हमेशा चर्चा का विषय रही है। और उनमें सबसे खास थी उनकी हाल ही में पहनी गई मिउ मिउ आउटफिट, जिसने हम सभी को हमारे स्कूल के दिनों की याद दिला दी। उन्होंने एक सफ़ेद निट मिनी स्कर्ट और स्लीवलेस मैचिंग सफ़ेद निट टॉप पहना था, जिसे उन्होंने नीले रंग की चेकर्ड शर्ट के साथ पहना था। और फिर उसे ब्राउन चेकर्ड ओवरसाइज़ फुल-स्लीव जैकेट के साथ लेयर किया, जिससे लुक में एक आरामदायक और स्टाइलिश फील जुड़ गया।

मानुषी छिल्लर: मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का सोशल मीडिया किसी फिट-इंस्पो से कम नहीं है। अगर आप कभी कन्फ्यूज़ हों कि आउटिंग पर क्या पहनें तो मानुषी से स्टाइल टिप्स लें, जो अपने अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता के अनुभव को अपने फैशन विकल्पों में लाती हैं। उदाहरण के लिए, मिडी स्टाइलिंग के लिए उनका साफ-सुथरा, फैशन स्टाइल दृष्टिकोण - स्लीवलेस ब्लैक पेपलम टॉप, जो कमर पर फिट किया गया था, के साथ व्हाइट मिनी स्कर्ट जिससे बना एक परफेक्ट सिल्हूट। उन्होंने इस लुक को प्वाइंटेड हील्स और एक स्टाइलिश बैग के साथ कम्प्लीट किया, उन्होंने सिर से पैर तक लुई वुइटन को अपनाया।

अनन्या पांडे: मिडी स्टाइलिंग के लिए अनन्या का दृष्टिकोण ग्लोबल फैशन कोड की उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। चैनल के स्कर्ट सूट में नज़र आईं अनन्या, जिसमें स्कर्ट और जैकेट दोनों ही टेक्सचर्ड और एम्बेलिश्ड डिज़ाइन में थे। उनका लुक ब्रांड एम्बेसडर जैसा लगा। उन्होंने इस लुक को शाइनी स्ट्रैपी हील्स के साथ पूरा किया।

ख़ुशी कपूर: खुशी कपूर भी बॉलीवुड की एक उभरती फैशनिस्टा हैं, जो अक्सर अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करती हैं और उन्हें मिडी स्कर्ट से खास लगाव है। हाल ही में उन्होंने पसंद की गई चीज़ डायर का बार्बी-कोर स्टाइल स्कर्ट-सूट पहना, जो हर पिंक-लविंग लड़की की विशलिस्ट में शामिल होता है। एक साधारण स्कर्ट और टॉप के साथ, ख़ुशी ने डायर के सिग्नेचर व्हाइट पर्ल नेकलेस और ब्लैक पेटेंट लेदर में लेडी डायर मिनी हैंडबैग के साथ आकर्षण जोड़ा। जैसे-जैसे ये सितारे अपना अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल मज़बूत कर रहे हैं, उनके फैशन विकल्प भी उसी रफ़्तार से निखरते जा रहे हैं। और इस बार - मिडी स्कर्ट रही है सबसे बड़ी फैशन विनर!

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आप–को व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी–मजाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आ–कस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल–दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पू–जा–पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल–कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 जून 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 09:52 तक
नक्षत्र : रेवती रात्रि 09:45 तक
योग : शोभन रात्रि 11:46 तक
करण : गर प्रातः 09:52 तक
चन्द्रराशि : मीन रात्रि 09:45 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है,
पंचक रात्रि 09:45 तक , भद्रा रात्रि 08:37 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रोजगार उत्सव से सरकारी नौकरी का सपना हो रहा पूरा : भजनलाल

जयपुर, 19 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना के तहत भर्तियां आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से रोजगार उत्सव के तहत नियुक्तियां दी जा रही हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई–2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के आयोजन की सुनियोजित तैयारियां करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विभागवार लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करने से पूर्व शेष प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को न्यायालय में विभिन्न कारणों से लंबित भर्ती प्रकरणों की मजबूती से पैरवी करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से जोड़ने के भी निर्देश दिए जिससे पात्र युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक आयोजित किए गए मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत प्रदेश के 67 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका सरकारी नौकरी का सपना पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं त्वरित गति से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जयपुर में 6 अक्टूबर को गूंजेगी अन्नदाता हुंकार रैली, राजस्थान के गांव–गांव से जुटेंगे किसान

जयपुर, 19 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की धरती पर एक बार फिर अन्नदाताओं की हुंकार गूंजने वाली है। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में राज्यभर के किसान 6 अक्टूबर 2025, सोमवार को जयपुर में आयोजित 'अन्नदाता हुंकार रैली' में जुटेंगे। इस रैली का मकसद है – खेत को पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम।

इस ऐतिहासिक रैली की तैयारी को लेकर प्रदेश के हर जिले में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में 18 जून को खैरथल–तिजारा जिले के ग्राम बमोरा में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई, जिसमें जिला खैरथल–तिजारा, कोटपुतली–बहरोड़ और अलवर जिले के पदाधिकारियों ने भाग लिया। तय किया गया कि जिले की छह तहसीलों में किसान प्रतिनिधि गांव–गांव पदयात्राएं कर रैली के लिए समर्थन जुटाएंगे। आज 19 जून को हरसोली तहसील से पहली पदयात्रा तहसील अध्यक्ष शेर सिंह के नेतृत्व में शुरू हो गई है। इस यात्रा में जिला उपाध्यक्ष पूरणदादा, खेमचंद चौधरी, नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष सूबेदार मोहन सिंह, हरस–ोली परगना अध्यक्ष जीतराम चौधरी, झाड़ के सरपंच शीशराम चौधरी व दीपक भी शामिल हैं। 20 जून से मुंडावर तहसील में यात्रा प्रारंभ होगी, जिसकी अगुवाई तहसील अध्यक्ष रामभरोसी यादव करेंगे। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोतास बोहरा भी किसानों को संबोधित करेंगे। इन अभियानों की समग्र निगरानी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र क्रांतिकारी कर रहे हैं।

अलवर जिले के नवनियुक्त अध्यक्ष फूल सिंह जाटव ने गांव नसोपुर में किसान सम्मेलन आयोजित कर कार्यभार संभाला।

भूमाफियाओं की साजिश नाकाम, 18 करोड़ की तीन बीघा शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

उदयपुर, 19 जून (एजेंसियां)। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) आयुक्त राहुल जैन के निर्देश पर बुधवार को यूडीए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व ग्राम अम्बेरी स्थित शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया। तहसीलदार डॉ. अभिनव शर्मा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में करीब 3 बीघा भूमि मुक्त कराई गई, जिसकी बाज़ार कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान सामने आया कि अम्बेरी के खसरा नम्बर 713, 714 और 715, जो नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम दर्ज हैं, वहां भूमाफियाओं ने पिछले 1–2 वर्षों के भीतर कई पक्के कमरे और बाउण्ड्रीवाल खड़ी कर दी थी। यही नहीं, शातिराना तरीके से इन अवैध भूखण्डों को भोले–भाले लोगों को स्टाम्प पेपर पर बेचने की भी साज़िश रची गई।

इस जालसाजी की शिकायत जब प्राधिकरण को मिली, तब तहसीलदार डॉ. अभिनव शर्मा ने ऐसे फर्जी क्रेताओं को भी आगाह करते हुए पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी। प्राधिकरण की टीम ने इससे पहले भी दो बार मौके पर चेतावनी दी थी, परंतु भूमाफियाओं ने न तो निर्माण रोका और न ही ज़मीन खाली की। बल्कि आमजन को ठगने की अपनी चालें और तेज कर दीं। प्रशासन के मुताबिक भूमाफिया इस ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा कर न सिर्फ अपने अवैध निर्माण कर रहे थे बल्कि मासूम खरीददारों को झूठे दस्तावेज़ दिखाकर भूखण्ड बेचने का गोरखधंधा भी चला रहे थे। प्राधिकरण की कार्रवाई में 8 बाउण्ड्रीवाल और 10 पक्के कमरों को ध्वस्त किया गया। टीम में भू–अभिलेख निरीक्षक राजेन्द्र सेन, बाबूलाल तेली, सूरपाल सिंह सोलंकी, पटवारी दीपक जोशी एवं होमगार्ड्स का जाब्ता शामिल रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्ज़ा करने वाले भू–माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी भूखण्ड या सम्पत्ति का सौदा करने से पहले उसकी विधिक स्थिति अवश्य जांच लें, ताकि जालसाजों के जाल में न फंसें। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से क्षेत्र में भू–माफियाओं में हड़कंप है। आम जनता ने भी प्रशासन की सख्ती का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह की मुहिम जारी रहेगी।

ग्रुप–सी भर्ती परीक्षा की तैयारियों पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

चंडीगढ़, 19 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने ग्रुप–सी की भर्ती के लिए होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज राज्य के सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।सीईटी अगले महीने यानी जुलाई में लिए जाने की संभावना है।

मुख्य सचिव ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि परीक्षा स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचारू और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाए। बैठक के दौरान बताया गया कि सीईटी के लिए लगभग 13,48,697 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदकों की बड़ी संख्या और परीक्षा के पैमाने को देखते हुए, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग यानी एचएसएससी ने दो से तीन दिनों की समय अवधि में परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है।

रस्तोगी ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अगले तीन दिनों के भीतर अपने–अपने जिलों में उपयुक्त परीक्षा केंद्रों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रों का चयन सुरक्षा, रसद, परिवहन पहुंच और उम्मीदवारों को समायोजित करने की क्षमता को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे इन सभी केंद्रों का पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से निरीक्षण करवाएं।

रस्तोगी ने कहा कि प्रस्तावित केंद्रों की सूची की एक विस्तृत रिपोर्ट सोमवार तक मुख्य सचिव कार्यालय और एचए–सएससी चेयरमैन कार्यालय, दोनों को भेजी जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया की शुचिता को बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को दो–हराते हुए कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की चूक या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के चयन के संबंध में सभी उपायुक्तों के साथ एक विस्तृत एसओपी साझा की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, परिवहन विभाग के आयुक्त एवं सचिव टी.एल. सत्यप्रकाश समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गुरुग्राम में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन युवतियों समेत 4 गिरफ्तार

गुरुग्राम, 19 जून (एजेंसियां)। गुरुग्राम पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में कॉल सेंटर के संचालक समेत 3 युवतियों की गिरफ्तारी की गई। आर–ोप है कि ये गैंग युवक–युवतियों को एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करता था। आरोपियों के कब्जे से 13 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनका इस्तेमाल ठगी में किया जा रहा था।

गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि 31 मार्च को एक महिला ने साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला के अनुसार, उसे एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के लिए फोन कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने ज्वॉइनिंग लेटर भेजकर भरोसा दिलाया और फिर ज्वॉइनिंग से पहले 60 हजार रुपए की मांग की। महिला ने बताए गए नंबर पर पैसे ट्रांसफर कर दिए। जब वो ज्वॉइनिंग के लिए एयरपोर्ट पहुंची, तब उसे ठगी का पता चला।

महिला की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने दिल्ली के लाल कुआं इलाके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान राजू (निवासी मथुरा), सायमा बानो (निवासी सरिता विहार, दिल्ली), निहारिका उर्फ नीरज (निवासी जैतपुर, दिल्ली) और करिश्मा (निवासी हौज खास, दिल्ली) के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कॉल सेंटर का मास्टरमाइंड राजू पहले दवाइयों की बिक्री का काम करता था। साल 2023 में वो इसी तरह की साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जेल से बाहर आने के बाद उसने फिर से फर्जी कॉल सेंटर शुरू किया।

पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, आर–ोपी राजू जेल से बाहर आने के बाद बेरोजगार हो गया और उसने फिर से एयरपोर्ट पर जॉब दिलाने के बहाने साइबर फ्रॉड का काम शुरू किया, जिसके लिए एक कॉल सेंटर बनाया। आरोप है कि राजू ने तीनों युवतियों को कॉल सेंटर में 12–12 हजार रुपए सैलरी और ठगी की रकम में 2 प्रतिशत कमीशन देने के नाम पर रखा था। कॉल करने के लिए उन्हें कीपैड फोन और व्हाट्सएप मैसेज के लिए स्मार्टफोन दिए गए थे। एक महीने बाद फोन और सिम कार्ड बदल दिए जाते थे, ताकि ट्रैकिंग से बचा जा सके।

आरोप है कि युवतियां फोन कॉल के माध्यम से लोगों को एयरपोर्ट पर नौकरी का झांसा देती थीं। जब कोई उनके झांसे में आ जाता तो उसे फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर भेजा जाता था। अलग–अलग फॉर्मेलिटीज के नाम पर धीरे–धीरे पैसे ऐंठ लिए जाते थे। शुरुआत में 750 रुपए फीस ली जाती थी और बाद में कई किस्तों में बड़ी रकम वसूली जाती थी। पुलिस ने तीनों युवतियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, कॉल सेंटर संचालक राजू को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

केएमपी बनेगा हरियाणा का नया ऑक्सीजन कॉरिडोर, अब चलेगा हरियाली का सफर!

चंडीगढ़, 19 जून (एजेंसियां)। इस बार मानसून हरियाणा में बारिश के साथ–साथ हरियाली की नमी और सकारात्मक हवा लेकर आएगा। केवल गति और मात्रा के लिए जाना जाने वाला केएमपी एक्सप्रेसवे अब एक नया चरित्र विकसित कर रहा है– मार्ग के दोनों ओर पेड़ों की कतारें। हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने वही कहा जो हम आमतौर पर मानते हैं लेकिन सिस्टम से उम्मीद नहीं करते– पेड़ों को देखभाल की जरूरत होती है, उन्हें सिर्फ लगाया नहीं जा सकता, जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

पर्यावरण मंत्री ने साफ कहा कि इस बार यह प्रयास कागजों पर नहीं किया जाएगा। केएमपी एक्सप्रेसवे के दोनों ओर लगाए जाने वाले पेड़ों की जिम्मेदारी पूरी तरह से एचएसआईआईडीसी की होगी। वन विभाग पेड़ लगाएगा, लेकिन हम पेड़ लगाएंगे और आप देखेंगे वाली संस्कृति फिलहाल नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि इन पौधों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी, जिससे इसे और मजबूत किया जा सके। जो व्यक्ति पौधे लगाएगा, वन विभाग उसकी देखभाल करेगा– उसका मालिकाना हक नहीं होगा।

साथ ही 15 जुलाई को पूरे हरियाणा में पौधार–ोपण किया जाएगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 15 तालाबों के किनारे, पंचायती जमीन, शहर के चौराहों, नदियों की गोद में और सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली फैलाई जाएगी। यह पहल पूरी तरह से सरकारी नहीं है। एनजीओ इसमें शामिल होंगेकॉलेज, स्कूल और सामाजिक संगठन शामिल होंगेऔर सबसे दिलचस्प बात यह है कि औद्योगिक आवासों को शहरी चौराहों पर पेड़ लगाने का काम सौंपा जाएगा। उनकी पहचान पट्टिका वहां इस तरह लगाई जाएगी कि नाम ही नहीं, बल्कि नाम की जिम्मेदारी भी स्पष्ट हो।

एक्सप्रेसवे केएमपी: कुंडली–मानेसर–पलवलजहां पहले सिर्फ धूल, धुआं और हॉर्न गूंजते थे, अब वहां नीम की छांव होगीपीलक की हरियालीऔर गुलमोहर भी अपनी लालिमा बिखेरेंगे। यह सरकारी नियमों से संचालित कार्य है, कोई टैगलाइन नहीं। पेड़ लगाए जाएंगे और हरियाणा की तपती दोपहरी में हरियाली छा जाएगी। हर साल हम पर्यावरण दिवस मनाते हैं दिन भर सोशल मीडिया पर पेड़ों की तस्वीरें पोस्ट करें और फिर भूल जाएं कि अगली सांस कितनी महंगी होती है। लेकिन जब एक्सप्रेसवे के किनारे वाकई पेड़ लगाए जाते हैं और कोई सरकारी संस्था कहती है कि हम इसकी देखभाल भी करेंगे, तो यह सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़कर सामाजिक जागरूकता बन जाता है। सबसे सरल प्रतिबद्धता पेड़ उगाना है, लेकिन इसे निभाना सबसे चुनौतीपूर्ण है।

एकबार फिर किसानों को समय पर खाद देने में नाकाम साबित हुई भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 19 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने डीएपी की किल्लत को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सोनीपत, झज्जर, फतेहाबाद, हिसार और रोहतक समेत कई दिनों में डीएपी की भारी किल्लत है। जबकि धान की रोपाई का सीजन शुरू हो चुका है। खाद के लिए किसान दर–दर भटक रहे हैं और हमेशा की तरह सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है।

हुड्डा ने कहा कि हर फसली सीजन में किसानों को खाद की कमी का सामना करना पड़ता है, क्योंकि भाजपा सरकार समय रहते कोई इंतजाम नहीं करती। इसके चलते किसानों को ब्लैक में महंगा खाद खरीदना पड़ता है, जिससे उनपर आर्थिक बोझ भी पड़ता है और समय पर खाद ना मिलने से उत्पादन भी प्रभावित होता है।

सोनीपत में डीएपी पूरी तरह खत्म हो चुकी है। क्योंकि इस सीजन में 1.10 लाख क्विंटल खाद की जरूरत है, लेकिन अभी तक सिर्फ 40 हज़ार क्विंटल डीएपी ही पहुंच पाई है। झज्जर में भी इसी तरह किल्लत बनी हुई है। एक सप्ताह पहले बमुश्किल 150 क्विंटल डीएपी की आपूर्ति हुई थी, लेकिन अब पीछे से खाद आनी बंद हो गई है। क्योंकि रेवाड़ी में भी खाद आपूर्ति बंद हो चुकी है।

रोहतक जिले में डीएपी की कुल खपत 1.70 लाख क्विंटल है, लेकिन वहां भी अभी तक पूरा स्टॉक नहीं पहुंच पाया है। इसलिए किसान खाद के लिए भटकर रहे हैं। फतेहाबाद में 1.85 लाख क्विंटल की आवश्यकता है, लेकिन अभी तक मात्र 55,000 क्विंटल ही स्टॉक पहुंचा है। हिसार में तो पिछले 15 दिन से डीएपी की आपूर्ति ही नहीं हुई, जिससे किसानों में भारी नाराजगी है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है, वो ना किसानों को एमएसपी दे पाई, ना उचित मुआवजा और ना ही समय पर खाद व बीज। प्रदेश के इतिहास की यह पहली सरकार है, जिसके कार्यकाल में थानों के भीतर खाद बांटनी पड़ी। हर सीज़न में किसानों, उनके परिवारों, महिलाओं व बच्चों तक को लंबी–लंबी कतारों में कई–कई दिन इंतजार करना पड़ता है, तभी समय पर डीएपी व यूरिया नहीं मिल पाता। हुड्डा ने कहा कि सरकार अपनी बदइंजामी व किसानों के प्रति अपनी नीति को सुधारे।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले पीके का तंज

मोदी जी बताएं, दिलीप जायसवाल मेडिकल कॉलेज के मालिक कैसे बने?

पटना (एजेंसियां)।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर इन दिनों अपनी बिहार बदलाव यात्रा के तहत राज्य के विभिन्न जिलों और प्रखंडों का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में अपने तीन दिवसीय गोपालगंज दौरे के अंतिम दिन उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और राज्य व केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला।

प्रशांत किशोर ने कहा कि 2 अक्तूबर 2024 को जन सुराज अभियान ने एक राजनीतिक पार्टी का रूप ले लिया। उन्होंने दावा किया कि महज 5-6 महीनों में ही जन सुराज राज्य का सबसे बड़ा संगठन बन गया है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 1 करोड़ लोगों ने पार्टी से जुड़ाव जताया है और हर माह तीन से चार लाख लोग 10 रुपये की सदस्यता शुल्क देकर प्राथमिक सदस्य बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिहार बदलाव यात्रा की शुरुआत 20 मई को जेपी की जन्मभूमि सिताब दियारा से की गई थी।

इसका उद्देश्य है संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के लिए जनता को जागरूक करना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 20 जून को प्रस्तावित बिहार दौरे पर तंज कसते हुए प्रशांत किशोर ने कहा सवाल ये नहीं है कि मोदी जी बिहार आ रहे हैं, सवाल ये है कि क्यों आ रहे हैं। इसका एक ही कारण है बिहार में चुनाव हैं। लेकिन जब वो आएं, तो दो सवालों का जवाब जरूर दें। उन्होंने कहा कि पहला सवाल 2015 में आरा से उन्होंने जो 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की घोषणा की थी, उसका क्या हुआ? दूसरा सवाल बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जो कभी सीमांचल के एक सिख अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज में क्लर्क की नौकरी करते थे, आज उस कॉलेज के मालिक कैसे बन गए?

प्रशांत किशोर ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि आज तेजस्वी यादव 'डीके टैक्स' पर बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन जब वे नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे थे, तब भी मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वही व्यक्ति थे जिन पर अब हमला किया जा रहा है। इसका सीधा मतलब यह है कि जब सत्ता में थे तो मलाई खा रहे थे, और अब जब सत्ता से बाहर हैं तो विरोध कर रहे हैं।

बिहार में हाल ही में हुए प्रशासनिक तबादलों और आयोगों में की गई नियुक्तियों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में हुए इन तबादलों और नियुक्तियों के पीछे मुख्यमंत्री की मर्जी नहीं है। यह काम उनके कुछ करीबी सलाहकारों और सत्ता के ताकतवर लोगों का है। नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति अब ऐसी नहीं रही कि वे ऐसे फैसले ले सकें। उनके नाम पर सत्ता के कुछ लोग अपने हित में निर्णय ले रहे हैं।

शराब के नशे में रंगदारी मांग रहा होमगार्ड जवान गिरफ्तार

वीडियो वायरल होने के बाद हुई कार्रवाई

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली जिले में एक होमगार्ड जवान का रंगदारी मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान हस्तगंज ओपी में ड्राइवर के पद पर तैनात होमगार्ड जवान चंदन कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना अंजानपीड़ चौक की है, जहां बुधवार की सुबह बालू लदे एक ट्रैक्टर को रोककर पहले उसका चालान ले लिया गया और फिर शराब के नशे में धुत होकर ट्रैक्टर चालक से अवैध रूप से पैसे की मांग की गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो ट्रैक्टर मालिक ने गुप्त रूप से बना लिया और उसे पुलिस अधिकारियों को भेज दिया।

वीडियो की सत्यता की पुष्टि के बाद नगर थाना की पुलिस ने चंदन कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसके खिलाफ रंगदारी मांगने एवं शराब के नशे में होने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह जवान लंबे समय से बालू लदे वाहनों को रोककर अवैध वसूली करता था, लेकिन ठोस सबूत के अभाव में कोई भी इसकी शिकायत करने से बचता था। वायरल वीडियो ने पुलिस को कार्रवाई का आधार दे दिया।

नगर थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद मामले की गंभीरता से जांच की गई। वीडियो की पुष्टि होने पर कार्रवाई करते हुए होमगार्ड जवान को गिरफ्तार कर लिया गया। कागजी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से किसान की मौत

परिजनों ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के मौदही गांव में गुरुवार को एक किसान की हाईटेंशन तार की चपेट में आने से झुलसकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान मौदही गांव के कोमल टोला निवासी 55 वर्षीय गया प्रसाद के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गया प्रसाद खेत में काम करने जा रहे थे, तभी पहले से गिरे हुए 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आ गए। तार की चपेट में आते ही वे बुरी तरह झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही बिहटा थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बुधवार की रात तेज हवा और बारिश के कारण खेत में बिजली का तार गिर गया था।

इस संबंध में रात में ही बिजली विभाग को सूचना दी गई थी, लेकिन विभाग की ओर से समय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। तार को हटाया नहीं गया और लाइन भी चालू रही, जिससे यह हादसा हुआ।

थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि मौदही गांव में हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से एक किसान की मौत की सूचना मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है। अभी तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। प्रथम दृष्ट्या बिजली के गिरे तार के संपर्क में आने से मौत की बात सामने आ रही है।

महागठबंधन की जीत हुई तो तेजस्वी होंगे मुख्यमंत्री : दीपंकर भट्टाचार्य

पटना (एजेंसियां)।

भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि अगर बिहार में अगला विधानसभा चुनाव महागठबंधन जीतता है, तो तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने यह बात एक इंटरव्यू में कही। दीपंकर भट्टाचार्य ने बताया कि तेजस्वी यादव महागठबंधन का चेहरा हैं और जनता उन्हें ही मुख्यमंत्री के रूप में देखती है। उन्होंने यह भी कहा कि भाकपा (माले) इस बार 40 से 45 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को 19 सीटें मिली थीं, जिनमें से उसने 12 पर जीत दर्ज की थी।

जब उनसे पूछा गया कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, तो उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में अगर भाकपा (माले) को ज्यादा सीटें मिलतीं, तो महागठबंधन सरकार बना सकता था। कांग्रेस को 70 सीटें मिली थीं, लेकिन वह सिर्फ 19 पर जीती। हमें 19 सीटें मिलीं और हमने 12 पर जीत हासिल की। दीपंकर ने कहा कि जहां भाकपा (माले) मजबूत है, वहां आरजेडी और कांग्रेस को भी फायदा मिलता है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी अब 24 से 25 जिलों में मजबूत उपस्थिति रखती है और अगर इन जगहों से चुनाव लड़ती है तो परिणाम में बदलाव ला सकती है।

क्या भाकपा (माले) को कांग्रेस के बराबर सीटें मिलनी चाहिए? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि कांग्रेस की जमीन पर पकड़ बिहार में कमजोर है, लेकिन वह राष्ट्रीय पार्टी है और विपक्ष की मुख्य ताकत भी। वहीं, भाकपा (माले) बिहार में जमीनी संगठन के लिए जानी जाती है। हम चाहते हैं कि महागठबंधन के सभी घटक दलों की ताकत का सही इस्तेमाल हो।

तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने को लेकर उन्होंने कहा कि तेजस्वी का चेहरा जनता के लिए पहले ही घोषित है। अब घोषित और अघोषित में फर्क नहीं रह गया है। महागठबंधन की जीत हुई तो मुख्यमंत्री तेजस्वी ही होंगे।

दीपंकर भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा फिर से नीतीश कुमार ही होंगे और कहा कि बीजेपी के लिए नीतीश एक मजबूरी हैं। अगर वो मजबूरी में नहीं होते तो बीजेपी के हाथों लोकसभा चुनाव से पहले 'हाईजैक' नहीं होते। प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जन सुराज पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि वह अब बीजेपी की 'बी टीम' की तरह काम कर रहे हैं और लोगों में अब उनके लिए पहले जैसा उत्साह नहीं बचा है।

जनगणना को लेकर केंद्र सरकार की घोषणा पर उन्होंने कहा कि बीजेपी पहले तो जातिगत जनगणना के खिलाफ थी, लेकिन अब बिहार चुनाव को देखते हुए यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि बीजेपी कहती कुछ है, करती कुछ और है। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत जनगणना के साथ-साथ आरक्षण की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए और निजी क्षेत्र में भी आरक्षण मिलना चाहिए। वाम दलों की एकता पर उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य अंतिम हो सकता है, लेकिन अभी जरूरत है कि सभी वाम दलों में बेहतर तालमेल हो।

गोरखपुर से पाटलिपुत्र चलने वाली वंदे भारत का सुगौली में ठहराव

सांसद डॉ. संजय जायसवाल की पहल आई काम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

सुगौलीवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। गोरखपुर से पाटलिपुत्र के बीच चलने वाली अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अब सुगौली रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी। यह संभव हो सका है पश्चिम चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल के अथक प्रयासों और जनहित में की गई पहल के चलते। इस निर्णय से पूरे इलाके में उत्साह का माहौल है।

बताते चलें कि बीते दिन सांसद डॉ. जायसवाल ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर यह मांग रखी थी कि वंदे भारत ट्रेन का स्टॉपेज बगहा और सुगौली जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि पूर्वी व पश्चिमी चंपारण सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के यात्रियों को सुविधा मिल सके। रेल मंत्री ने इस अनुरोध को गंभीरता से लेते हुए ट्रेन के समय और स्टॉपेज में बदलाव की स्वीकृति प्रदान की है। नए शेड्यूल के अनुसार, यह ट्रेन अब प्रतिदिन सुबह 5:40 बजे गोरखपुर से रवाना होकर दोपहर 12:45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। बीच में इसका ठहराव बगहा और सुगौली स्टेशनों पर भी होगा। इस निर्णय से लाखों यात्रियों को लाभ मिलेगा।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। सुगौली भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद शंकर सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, अंकुर चौधरी, चेम्बर ऑफ कॉमर्स से अशोक कुमार, प्रियांशु सर्राफ, संदीप अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र सिंह, समाजसेवी सुरेश मोदी, नारायण प्रसाद, अशोक चौरसिया, दीनानाथ राम, व्यवसायी राजा हिरो मोटरसाइकिल, सुबोध चौधरी, बिपीन गुप्ता, हरिशंकर प्रसाद सर्राफ, लक्ष्मी सर्राफ, उमेश प्रसाद, शम्भू यादव, अजय गुप्ता, सुमन सौरभ सहित हजारों लोगों ने सांसद डॉ. संजय जायसवाल का आभार प्रकट किया है।

इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने कहा कि यह निर्णय न सिर्फ क्षेत्रीय विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि रेल सेवा के माध्यम से आम जनता को भी बड़ी राहत मिलेगी। सुगौली के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।

रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का शव इलाके में मची सनसनी

शेखपुरा (एजेंसियां)।

शेखपुरा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। क्यूल-गया रेलखंड पर गुरुवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। महिला का शव नगर थाना क्षेत्र के एकसारी रेलवे फाटक के पास पटरियों पर घायल अवस्था में पड़ा मिला।

घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला किसी पैसेंजर ट्रेन से गिर गई होगी, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटनास्थल पर मौजूद एएसआई पंकज कुमार सिंह ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है। महिला की उम्र लगभग 60 वर्ष प्रतीत हो रही है। प्रथम दृष्ट्या यह मामला रेल दुर्घटना का लग रहा है, हालांकि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेखपुरा सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही महिला की पहचान कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी का बिहार दौरा : भागलपुर और कहलगांव में एसटीपी का उद्घाटन टला

भागलपुर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 20 जून को प्रस्तावित बिहार दौरा अब भागलपुर और कहलगांव के लिए उतना खास नहीं रहेगा, जितनी उम्मीद की जा रही थी। कारण यह है कि इन दोनों शहरों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की परियोजनाएं उद्घाटन सूची से बाहर कर दी गई हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग, पटना के अनुसार, कार्य अधूरा होने के चलते इन परियोजनाओं को उद्घाटन योग्य नहीं माना गया।

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान बिहार के कई शहरों में जलापूर्ति और सीवरेज से जुड़ी योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होना है। इस सूची में पहले भागलपुर, कहलगांव, मोकामा, फतुहा, बेगूसराय, बख्तियारपुर, पटना के दीघा और कंकड़बाग जोन शामिल थे। लेकिन अब भागलपुर और कहलगांव की एसटीपी परियोजनाओं को अंतिम समय में सूची से हटा दिया गया है।

भागलपुर स्मार्ट सिटी के तहत 385 करोड़ रुपये की लागत से एसटीपी परियोजना दिसंबर 2021 में शुरू हुई थी। बुडको (बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) ने इसे जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया था। लेकिन विभागीय उदासीनता, एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) में विलंब और तकनीकी बाधाओं के कारण कार्य निर्धारित समय पर पूरा नहीं हो सका। बुडको के कार्यपालक अभियंता अखिलेश कुमार ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास था कि जून तक एसटीपी का काम पूरा कर लिया जाए, लेकिन तकनीकी कारणों और कुछ आवश्यक एनओसी न मिलने के कारण कार्य में देरी हुई है। जल्द ही वरीय अधिकारियों से बातचीत कर स्थिति को सामान्य किया जाएगा। कहलगांव नगर पंचायत क्षेत्र में 48.20 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे एसटीपी प्रोजेक्ट को 2019 में मंजूरी मिली थी, लेकिन कार्य की शुरुआत फरवरी 2024 में हुई। इसे सितंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

सूत्रों के अनुसार, कहलगांव में प्रोजेक्ट का लगभग 85 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। सात किलोमीटर पाइपलाइन बिछाने का काम लगभग पूरा हो गया है। पांच प्रस्तावित इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशनों (आईपीएस) में से केवल काली घाट का काम पूरा हुआ है, जबकि राजघाट, बाबू टोला, पुराना बर्निंग घाट, डंपिंग यार्ड और पंपू घाट पर बनने वाले शेष चार आईपीएस विभागीय एनओसी के अभाव में अब भी लंबित हैं। इस परियोजना की जिम्मेदारी नोएडा की सीमा लैब कंपनी और स्थानीय स्तर पर श्रीजा इंटरप्राइजेज को सौंपी गई है।

सूत्रों के अनुसार, विभागीय उदासीनता और एनओसी में देरी के कारण कहलगांव और भागलपुर की परियोजनाएं अब तय समय पर उद्घाटन योग्य नहीं रह गई हैं। लिहाजा, इन दोनों शहरों के नागरिकों को गंगा की स्वच्छता और बेहतर सीवरेज सुविधा के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को बिहार में 7170 करोड़ रुपये की जलापूर्ति और सीवरेज से जुड़ी योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। लेकिन अब भागलपुर और कहलगांव की बहुप्रतीक्षित एसटीपी परियोजनाएं इस ऐतिहासिक घोषणा से बाहर हो गई हैं।

गंगा की स्वच्छता और बेहतर शहरी सीवरेज व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं की धीमी प्रगति और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की उलझन इस दिशा में बड़ी बाधा बन रही है। फिलहाल, भागलपुर और कहलगांव को अपने एसटीपी का सपना साकार होते देखने के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com